

नई दिल्ली

रविवार 11 अक्टूबर 2026

अश्विन मास शुक्ल पक्ष,
प्रतिपदा वर्ष : 30, अंक : 174
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 31
न्यून. 21

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



घटस्थापना मुहूर्त

- शुभ समय : सुबह 5:31 बजे से 9:26 बजे तक शुभ समय
- अभिजित मुहूर्त : सुबह 11:00 बजे से 11:47 बजे तक

(मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरू पंडित रामजीवन दुबे के अनुसार)

दिन भर दिल्ली की सड़कों पर 38 हजार सुरक्षा कर्मी तैनात रहे, सीजेपी का कोई समर्थक जंतर मंतर नहीं पहुंच सका, 10 फीट ऊंचे लगाए बैरिकेड्स, कीलें भी बिछाईं, दूसरे इलाकों से करीब 3500 लोगों को हिरासत में लिया गया, इनमें विपक्ष के कई 'दिग्गज नेता'

विफल किया 'विरोध'

विश्लेषक मानते हैं कि केंद्र सरकार ने भले ही यह विरोध रोक लिया हो पर देश में इसकी गूंज नहीं रोकी जा सकी

भाजपा ने बताया इसे फ्लॉप शो, ममता बेनर्जी बोली- अब इमरजेंसी से भी हालात बदतर

- भाजपा के मुताबिक दिल्ली को अराजक समूहों का बंधक होने से बचा लिया। दिल्लीवालों ने विकास व शांति का साथ दिया। लोकतंत्र की जीत हुई। भीड़तंत्र की हार हुई
- सीजेपी समेत सभी विपक्षी दलों का आरोप था कि पुलिस ने दिल्ली को बंधक बना लिया। लोकतंत्र को बंधक बना लिया। संविधान को बंधक बना लिया। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और आंदोलनों की जगह को बंधक बना लिया
- राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' में कहा कि कुछ भी हो अब चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जाना ही होगा
- विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन इस मुद्दे पर 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगा



प्रदर्शनकारियों ने जमकर की नारेबाजी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की इस्तीफे को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन दिल्ली पुलिस ने विफल कर दिया। करीब 38 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती ने दिल्ली को खाकी व पैरामिलिट्री फोर्स की वर्दी के रंग से रंग दिया। सीसीटीवी, बॉडी स्कैनर कैमरा, कई बसों का बेड़ा, वज्र वाहन, टीयर गैस गन, रास्तों पर बिछाई गईं कीलें, 37 जगहों पर कड़ी नाकेबंदी ने, भाजपा के मुताबिक दिल्ली को अराजक समूहों का बंधक होने से बचा लिया। जबकि, सीजेपी समेत सभी विपक्षी दलों का आरोप था कि पुलिस ने दिल्ली को बंधक बना लिया। लोकतंत्र को बंधक बना लिया। संविधान को बंधक बना लिया। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और आंदोलनों की जगह को बंधक बना लिया। इन आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच दूसरे इलाकों ▸▸शेष पेज 5 पर

ममता बेनर्जी ने मुंह पर लगाया बैंडेज, क्रांतिकारी गीत गाया



पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी का विरोध का अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने पहले मुंह पर बैंडेज लगाकर विरोध जताया और फिर पुलिस हिरासत में लिए जाने के दौरान बस में बंगाली क्रांतिकारी गीत गाया। ममता दक्षिण एवेन्यू स्थित एक बस स्टैंड पर धरने पर बैठी थीं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा होने तक जारी रहेगा आंदोलन, दीपके और सौरव का पता नहीं: सीजेपी

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखने की घोषणा की है। पार्टी नेता अजिंक्य शिंदे ने शनिवार को ऐलान किया कि रविवार को कार्यकर्ता और प्रदर्शनकारी फिर से जंतर-मंतर की ओर मार्च करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि हिरासत में लिए गए अभिजीत दीपके को उनकी दादी के निधन के बावजूद परिवार और वकील से संपर्क करने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि हमें अभी तक नहीं पता चला है कि अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और सौरव दास से संपर्क नहीं हो सका है। इन लोगों के परिवारों और वकीलों को भी उनके बारे में जानकारी ▸▸शेष पेज 5 पर

धड़ाधड़ लिए हिरासत में



सीजेपी प्रमुख दीपके को विमान से उतारा

टांगकर ले गई पुलिस



पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल हिरासत में

केरल भवन से उठाया



केरल के पूर्व सीएम विजयन को हिरासत में लिया

माता-पिता से मिलने आए थे



गुरुग्राम में यूट्यूबर ध्रुव राठी को घर से उठाया

नेहा बोरा



प्रदर्शन करने पहुंची नेहा बोरा को घसीटा गया

सतर्क सुरक्षाकर्मी



सुरक्षाकर्मी बेहद सतर्क दिखे

अराजकतावादियों का फ्लॉप शो पूरी तरह ध्वस्त हो गया, राजधानी को बंधक बनाने की कोशिशें विफल हुईं: भाजपा

भारत की कहानी जंतर-मंतर की अराजकता नहीं, बल्कि सुशासन, स्थिरता और विकास के साथ आगे बढ़ते 140 करोड़ भारतीयों की कहानी है: पात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भाजपा ने शनिवार को कहा कि जंतर-मंतर पर अराजकता फैलाने के प्रयास विफल हुए और लोकतंत्र की जीत हुई। पार्टी ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर वोट चोरी के झूठे आरोप लगाकर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया और कहा कि मृत, स्थानांतरित तथा दोहरे मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाना जरूरी है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं लोकसभा सांसद डॉ. संबित पात्रा ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं के लिए अनुचित भाषा का इस्तेमाल करने और सत्ता ▸▸शेष पेज 5 पर



पात्रा ने कहा कि भारतवर्ष का क्षेत्रफल 32,87,000 वर्ग किलोमीटर है, जबकि जंतर-मंतर का क्षेत्रफल लगभग 4 वर्ग किलोमीटर है। इसलिए भारत की कहानी जंतर-मंतर की कहानी नहीं है। जंतर-मंतर पर जो हो रहा है, उसे टीवी और सोशल मीडिया के कुछ हैंडल पर दिखाया जा रहा है, लेकिन यह भारत की कहानी नहीं है। भारत शांत है और सुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। दिल्ली के एक कोने में कुछ दिनों से जिस प्रकार अराजक तत्व अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे हम देख रहे हैं।

'द एनार्किस्ट्स हैव फेल्ड'

मगर आज हम कह सकत हैं कि अराजक तत्वों का यह फ्लॉप शो पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। इनका प्रयास था कि भारत और राजधानी को बंधक बनाया जाए। ऐसी कोशिशें की गईं कि यहां आगजनी हो, मारपीट हो और सड़कों पर लड़ाई हो। मगर आज भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत हुई है। जिस प्रकार ▸▸शेष पेज 5 पर

एक निश्चित कालखंड के भीतर स्थितियों को बिगाड़ने का प्रयास

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से सभी देख रहे हैं कि यह केवल आज की घटना नहीं है। कुछ दिन पहले कांग्रेस पार्टी ने बंद बुलाया था और विरोध प्रदर्शन किया था। आज कुछ दूसरे तत्वों ने प्रदर्शन किया है और फिर 12 तारीख को एक और प्रदर्शन बुलाया गया है। यानी एक निश्चित कालखंड में ▸▸शेष पेज 5 पर

राष्ट्रपति से मिलने के बाद राहुल का बयान एक नालायक नेता के बयान जैसा

पात्रा ने कहा कि कल कुछ राजनेता राष्ट्रपति भवन गए थे। राष्ट्रपति भवन से बाहर निकलने के बाद राहुल गांधी का बयान एक नालायक नेता के बयान जैसा था। हम बहुत सोच-समझकर ये शब्द कह रहे हैं और ऐसा कहते हुए तकलीफ हो रही है। राहुल गांधी देश के सर्वोच्च पदों पर बैठे लोगों के प्रति जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह उचित नहीं है। प्रधानमंत्री के लिए जिस प्रकार ▸▸शेष पेज 5 पर

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

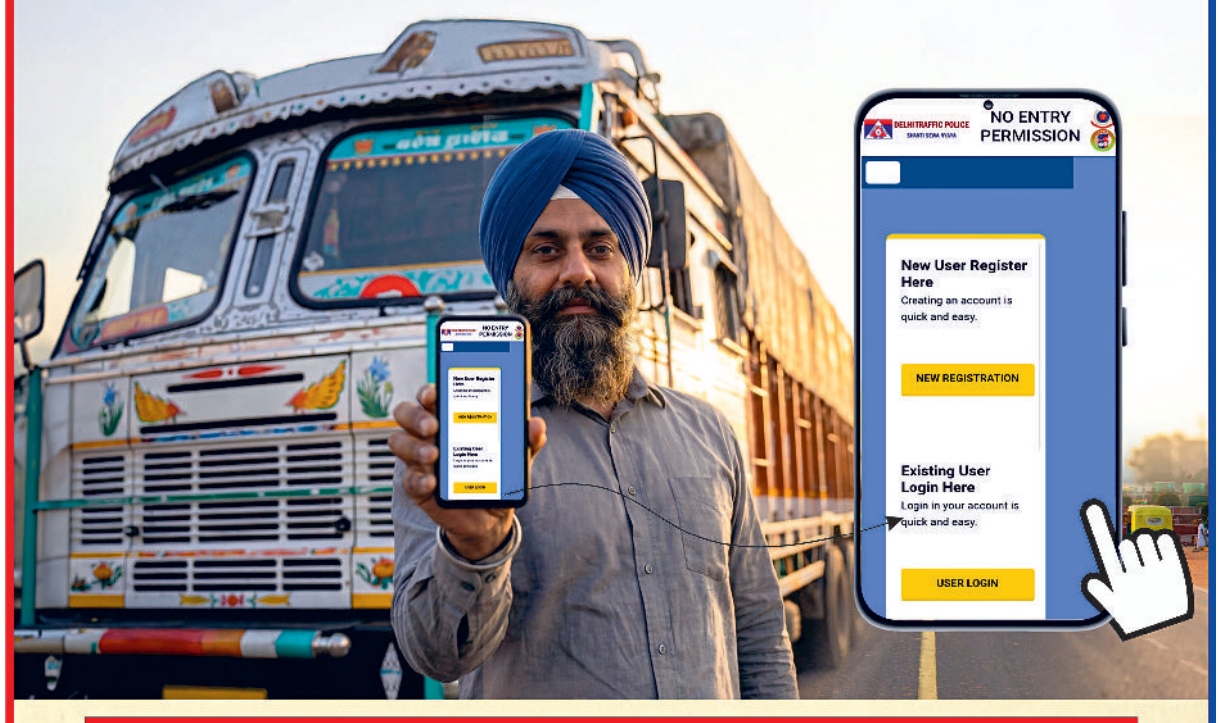
TRAFFIC POLICE DELHI

नो-एंट्री ज़ोन में प्रवेश की अनुमति

बस एक क्लिक की दूरी पर!

वर्ष 2027 के लिए वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों हेतु
ऑनलाइन प्रवेश अनुमति प्राप्त करें, वह भी बिना किसी परेशानी के।

अब किसी भी कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं!



विजिट करें: https://traffic.delhipolice.gov.in/nep/

ऑनलाइन आवेदन की अवधि:
15 अक्टूबर 2026 से 14 नवंबर 2026 तक

हमें फॉलो करें http//www.facebook.com/dtptraffic https//twitter.com/dtptraffic

ट्रैफिक प्रहरी बनें ऐप डाउनलोड करें Google play या App Store

24 घंटे ट्रैफिक हैल्पलाइन: 011-25844444/1095

तुरंत पुलिस सहायता के लिए कॉल करें 112 | पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 1090

DP/9918/2026

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, विघटनकारी समूह अब विदेशी ताकतों के इशारे पर भारत की प्रगति को रोकने और 'अस्थिरता' फैलाने का षड्यंत्र रच रहे

राहुल गांधी के इंडी गठबंधन और केजरीवाल के सीजेपी गुट के बीच खतरनाक 'अराजक प्रतिस्पर्धा' चल रही: नवीन

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कहा कि एक तरफ राहुल गांधी के नेतृत्व वाला 'इंडी गठबंधन' और दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल के सहयोगी 'सीजेपी' जैसे समूह मिलकर देश की सुख, शांति और तीव्र विकास को बाधित करने की खतरनाक 'अराजक प्रतिस्पर्धा' में लगे हुए हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता द्वारा लगातार नकारे जाने की हताशा में यह विघटनकारी समूह अब विदेशी ताकतों के इशारे पर भारत की प्रगति को रोकने और 'अस्थिरता' फैलाने का षड्यंत्र रच रहे हैं। पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक सशक्त और 'आत्मनिर्भर' राष्ट्र के रूप में उभरा है, जिसे यह अराजक तत्व पचा नहीं पा रहे हैं।



देश को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही

नवीन ने कहा कि आज देश में बेहद खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। देश की 140 करोड़ जनता, जो सुख-शांति के साथ भारत के विकास में योगदान दे रही है, उसे अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। ये दो अराजकतावादी समूह हैं, जिनमें एक का नेतृत्व इंडी गठबंधन के नेता राहुल गांधी कर रहे हैं और दूसरे का नेतृत्व अरविंद केजरीवाल के सहयोगी सीजेपी कर रही हैं। मैं इन दोनों गुटों से स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि भारत की जनता उनके इन उद्देश्यों को भली-भांति देख रही है। आज देश में अस्थिरता पैदा करने की होड़ लगी है कि कौन अधिक अराजकता फैला सकता है, लेकिन ▸▸शेष पेज 5 पर

विदेशी ताकतों के इशारे पर यह सब किया जा रहा

उन्होंने कहा कि ये प्रयास राजनीतिक उद्देश्यों के साथ-साथ विदेशी ताकतों के इशारे पर किए जा रहे हैं। वैश्विक संकटों के बावजूद भारत निरंतर विकास और प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है, लेकिन यह बात विपक्ष को चुभ रही है। ये भारत के विकास, तरक्की और उन्नति को पचा नहीं पा रहे हैं। आज भारत जिस प्रकार आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है, उसे ये लोग देख नहीं पा रहे हैं। विदेशी ताकतों के इशारे पर देश को अस्थिर करने के प्रयासों के संबंध में मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि भारत के लोकतंत्र में इतनी ▸▸शेष पेज 5 पर

ये लोग बिकाऊ राजनीति कर रहे

नवीन ने कहा कि राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, इंडी गठबंधन के नेता और सीजेपी के तथाकथित युवा नेतृत्व जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, उसे भारत का युवा देख रहा है। भारत का युवा भारतीय संस्कृति और भारतीय लोकतंत्र से जुड़ा है तथा भारतीय संविधान के प्रति उसकी प्रतिबद्धता है। यही कारण है कि भारत की जनता आपके इस तरह के शब्दों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। यह लोग इस देश के संवैधानिक ढांचे और लोकतंत्र को जिस प्रकार चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं तथा देश के सर्वोच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, उसे देश की 140 करोड़ जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। इसकी सजा इनको मिलेगी। मैं आपको स्पष्ट चेतावनी देना चाहता हूं कि जिन विदेशी ताकतों के बल पर ये लोग अपनी बिकाऊ राजनीति कर रहे हैं और जिनके साथ गठजोड़ करके भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं, इनके नापाक इरादे कभी पूरे नहीं होंगे।

सड़कों पर जगह-जगह लगाए गए अवरोधक

20 जोन में बांटा गया था नई दिल्ली क्षेत्र, सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीजेपी के प्रदर्शन से पहले शनिवार को नई दिल्ली क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और इसे 20 जोन में बांटा गया था। इस दौरान लाउडस्पीकरों से चेतावनी दी जा रही थी। प्रमुख चौराहों पर अवरोधक लगाए गए थे और जंतर-मंतर पर हजारों सुरक्षाकर्मी तैनात किये गये थे। पटेल चौक गोल चक्कर पर भी पुलिस की भारी मौजूदगी देखी गई।

अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान भारी बैग, सुरक्षा उपकरण और राइफल लेकर दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ कदम से कदम मिलाकर मार्च करते हुए संसद मार्ग थाने के पास एकत्र हुए। यह थाना जंतर-मंतर से कुछ ही मीटर की दूरी पर है। जंतर-मंतर के आसपास की सड़कें संसद मार्ग और अशोक रोड पर पुलिस की गतिविधियां तेज थीं। वहां मीडिया की गाड़ियां भी खड़ी थीं। पिछले प्रदर्शन के दौरान ज्यादती करने के आरोपों का सामना कर रहे दिल्ली पुलिस के कई जवानों ने शरीर पर कैमरे लगा रखे थे। सुरक्षाकर्मियों को लाने वाली बसें थाने के पास सड़क किनारे खड़ी थीं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए तैनात दिल्ली पुलिस की 'पिंक फोर्स' को भी कई जगहों पर तैनात किया गया था। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मी लाठियां और सुरक्षा उपकरण लेकर तैनात दिखाई दिए। थाने में लगे लाउडस्पीकरों से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू किए जाने की लगातार घोषणाएं की जा रही थीं। यह थाना सुरक्षाकर्मियों के लिए रिपोर्ट करने और तैनाती से जुड़ी आगे की जानकारी लेने का केंद्र भी बना हुआ है। अगले सड़क चौराहे पर, एनडीएमसी पालिका केंद्र के सामने सबसे ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात थे। एनडीएमसी भवन के ठीक बाहर और जंतर-मंतर के आसपास अन्य स्थानों पर भी बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। इनमें महिला सुरक्षाकर्मियों की संख्या भी काफी थी। जंतर-मंतर के पास कुछ इमारतों में निजी सुरक्षा कर्मियों को भीड़ को नियंत्रित करने के तरीके बताए गए। राहगीरों से पहचान पत्र दिखाने को कहा जा रहा था, ताकि कार्यालयों में काम करने वालों के अलावा अन्य लोगों, खासकर प्रदर्शनकारियों, की पहचान की जा सके। प्रदर्शनकारियों को वापस जाने के लिए कहा जा रहा था।





इस बार पाबंदियां रही सख्त

आमतौर पर लागू किए जाने वाले प्रतिबंधों की तुलना में इस बार ये पाबंदियां काफी सख्त थी। ये इंतजाम मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के मद्देनजर किए गए थे।

कई पुलिस कर्मी भी हुये घायल

अकेले जंतर-मंतर से लगे इलाकों में हजारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। इस दौरान हुई खींचतान में दिल्ली पुलिस के कम से कम आधा दर्जन कर्मचारियों को चोटें आई, जिनमें 'पिंक फोर्स' की एक महिला सदस्य भी शामिल है। अधिकारी ने बताया कि घायल पुलिस कर्मियों को इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया कर्तव्य पथ थाने के पास सुरक्षाकर्मियों को चोटें आई।

'ड्रोन का किया गया इस्तेमाल'

सुरक्षा पुख्ता करने के मकसद से नई दिल्ली जिले को 20 जोन में बांटा गया था और विशेष पुलिस आयुक्त, उपायुक्त और अतिरिक्त उपायुक्त जैसे वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर रख रहे थे। महत्वपूर्ण सड़कों और प्रवेश स्थानों पर भी पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे, जबकि प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

आप नेताओं को पुलिस ने नहीं दिया जंतर-मंतर पहुंचने का मौका, केजरीवाल सहित कई हिरासत में



नई दिल्ली। सीईसी के खिलाफ उतरे आम आदमी पार्टी के नेताओं को पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों जंतर मंतर तक पहुंचने से पहले ही हिरासत में ले लिया अथवा नजरबंद किए रखा। पुलिस ने जहां आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को उनके आवास से हिरासत में ले लिया वहीं प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज को भी बाद में हिरासत में लिया गया। शाम के समय पुलिस ने केजरीवाल को हिरासत से रिहा कर दिया। इस बारे में प्रदेश अध्यक्ष भारद्वाज ने आरोप लगाए कि केंद्र सरकार को युवाओं से डर लगने लगा है। आप पार्टी के संयोजक केजरीवाल अपने परिवार सहित जंतर मंतर पर जाकर विरोध प्रकट करना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें उनके आवास से ही हिरासत में लेकर बता दिया कि मोदी सरकार लोकतंत्र में आवाज उठाने वालों को हिरासत में लेती है। भारद्वाज ने कहा कि क्या देश में आपातकाल लगा है जो एक पार्टी के अध्यक्ष को घर से ही हिरासत में ले लेती है। उन्होंने कहा कि पहले पुलिस केजरीवाल के घर को एक किले की तरह घेर लेती है और बाद में घर में ही मौजूद केजरीवाल को हिरासत में लेकर चली जाती है। पूर्व सीएम आतिशी ने केजरीवाल को हिरासत में लेने पर कहा कि दिल्ली के 3 बार के मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल को सिर्फ इसलिए हिरासत में लिया क्योंकि वो सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे है। आतिशी ने पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस ने कितनी बेरहमी से केजरीवाल को हिरासत में लिया है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली जैसी छोटी जगह में 45 मेट्रो स्टेशन बंद, बसें बंद, रेल बंद और हजारों सुरक्षा कर्मियों की फौज खड़ी कर देना लोकतंत्र का हिस्सा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने खोज खोज कर हिरासत में लिया है। प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक संजीव झा ने कहा कि दिल्ली को किला बनाकर हमारी आवाज दबाई गई है। लेकिन आप पार्टी वाले डरते नहीं है।

गुरुद्वारे में छिपे प्रदर्शनकारी, कॉकरोच के एंटीना वाला हेलमेट पहनकर जताया विरोध

नई दिल्ली। सीजेपी के शनिवार को प्रदर्शन के दौरान राजधानी में कई दिलचस्प नजारे देखने को मिले। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस से बचने के लिए गुरुद्वारे में छिप गए, तो कुछ सिर पर कॉकरोच के एंटीना वाले हेलमेट पहने नजर आए। नई दिल्ली क्षेत्र में भारी सुरक्षाबल तैनात होने के बावजूद, प्रदर्शनकारी अलग-अलग जगहों पर इकट्ठा होते रहे और दिनभर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। हालांकि पुलिस बल उन्हें समय समय पर खदेड़ता रहा और हिरासत में लेकर दूसरी जगहों पर भेजा दिया गया। कुछ प्रदर्शनकारियों को देर शात तक हिरासत में रखा गया।

दिल्ली का व्यापार हुआ ठप, त्योहारी सीजन के बावजूद सूने रहे बाजार



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शनिवार को सीजेपी के प्रदर्शन के चलते राजधानी के अधिकांश बड़े बाजार तो बेद रहे या सन्नाटा पसरा रहा। अनुमान है कि एक दिन के बंद की वजह से इस त्योहारी सीजन में दुकानदारों व छोटे बड़े व्यापारियों को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। प्रदर्शन के चलते दिल्ली के प्रमुख थोक बाजारों में शामिल चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, सदर बाजार, कनॉट प्लेस, करोल बाग, लाजपत राय मार्केट, भागीरथ पैलेस शनिवार को बंद पड़े रहे। हालांकि कुछ दुकानदारों ने अंदर डालते माल बेचने में कामयाबी भी पाई, लेकिन पूरी तरह से बाजार बंद दिखाई पड़े। कनॉट पैलेस के आस पास व पुलिस द्वारा पूरी तरह से प्रतिबंधित क्षेत्रों में छोटे बड़े होटल, रेस्तरां व अन्य दुकानें पूरी तरह बंद रही, जिससे आम लोगों के जनजीवन प्रभावित हुआ। सदर बाजार, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, सदर बाजार जैसे थोक बाजारों में इस त्योहारी सीजन में दूरदराज से लाखों लोग खरीदारी करने आते है। लेकिन यातायात पर लगे ब्रेक व बाजारों के बंद रहने से व्यापारियों को घाटा उठाना पड़ा। जबकि इनमें से कइर बाजार रविवार को साप्ताहिक अवकाश के चलते भी बंद रहेंगे, जबकि कुछ बाजार सोमवार को बंद रहेंगे। इस बारे में प्रमुख व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि अगर ऐसे ही रहा तो रोजाना 250 से 600 करोड़ रुपए के व्यापार पर विपरीत असर पड़ सकता है। इस मुद्दे पर व्यापारिक संगठनों का कहना है कि अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 तक नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, छठ पूजा, क्रिसमस, नववर्ष एवं विवाह समारोहों के कारण बाजारों में खरीदारी और व्यावसायिक गतिविधियां अपने चरम पर रहती हैं। इस अवधि में व्यापार प्रभावित होने का असर केवल व्यापारियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लाखों कर्मचारियों, छोटे कारोबारियों, परिवहन क्षेत्र, आपूर्तिकर्ताओं तथा अन्य सेवा प्रदाताओं की आजीविका पर भी पड़ता है। ऐसे में सभी व्यापारिक संगठनों ने राजनीतिक दलों से कहा कि वे लोकतांत्रिक अधिकारों के अंतर्गत अपने विरोध प्रदर्शन अवश्य करें, लेकिन उन्हें निर्धारित स्थानों एवं सीमित अवधि तक ही रखें। ताकि दिल्ली की सीमाओं, प्रमुख सड़कों, चांदनी चौक, सदर बाजार, कनॉट प्लेस तथा अन्य प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में आवागमन बाधित न हो और व्यापारी तथा ग्राहक बिना किसी परेशानी के बाजारों तक पहुंच सकें।

डीटीसी बस सेवाएं रही प्रभावित

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कॉकरोच पार्टी (सीजेपी) द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के चलते दिल्ली की सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही। दैनिक यात्री बसों के लिए दिनभर जूझते रहे। दरअसल पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीटीसी प्रबंधन को नई दिल्ली जिले के संवेदनशील मार्गों पर बसों का संचालन नियंत्रित करने और आवश्यकतानुसार रूट डायवर्ट करने के निर्देश दिए थे। जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस, मंडी हाउस, मिंटो रोड, अशोक रोड, पटेल चौक और गोल डाक खाना जैसे प्रमुख गोलचक्करों व चौराहों के आसपास भारी बैरिकेडिंग की गई, जिससे इन इलाकों से गुजरने वाले डीटीसी बस रूट पूरी तरह प्रभावित रहे। मध्य और नई दिल्ली के प्रमुख बस स्टॉपों पर डीटीसी बसें न मिलने या देर से आने के कारण दफ्तर जाने वाले लोगों, यात्रियों और आम नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बाहरी रिंग रोड और अन्य वैकल्पिक मार्गों से बसें चलाई गईं, जिससे यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर काटना पड़ा।

यातायात सुविधाएं सीमित करने के बावजूद सीजेपी समर्थकों ने लंबी दूरी पैदल चलकर की तय

नई दिल्ली। मेट्रो व बसों की सेवाएं सीमित करने की वजह से जंतर मंतर तक पहुंचने के लिए सीजेपी समर्थकों को कई कई किलोमीटर लंबी लंबी दूरी पैदल ही तय करनी पड़ी। जगह जगह बैरिकेडिंग व कड़ी सुरक्षा के बीच समर्थकों ने आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन पुलिस वु सुरक्षाबलों की मौजूदगी के आगे उनकी चल नहीं पाई। जिसने ज्यादा विरोध किया उसे हिरासत में ले लिया गया। मिंटो रोड, लाल किला, आरएमएल अस्पताल, शिवाजी स्टेडियम, बाराखंबा, मंदिर मार्ग, करोल बाग पहाड़गंज, मंदिर मार्ग जैसी जगहों से ही पैदल जंतर मंतर तक पैदल जाते देखे गए। जगह जगह पुलिस व्यवस्था के बावजूद चकमा देकर आगे बढ़ने में कामयाब रहे। इस दौरान पुलिस ने जिन लोगों को पकड़ा उन्हें बस में बैठाया और पहले से तय जगहों पर जाकर छोड़ दिया। फहीम नामक युवक ने बताया कि में बदरपुर से जंतर मंतर पर पहुंचने के लिए पहले बस से भोगल आश्रम पहुंचा, फिर वहां से रेंटल बाइक द्वारा जंतर मंतर पहुंचने की कोशिश की। लेकिन प्रगति मैदान तक मुश्किल से पहुंचा, फिर पैदल ही आगे बढ़ा, लेकिन सफल नहीं हो सका। आम आदमी पार्टी समर्थक जाकिर हुसैन जहांगीरपुरी से जंतर मंतर पहुंचना चाहता था, लेकिन उसे राजघाट के पास ही रोक दिया गया। हुसैन का सवाल है कि लोकतंत्र में हमारी आवाज सरकार नहीं सुनेगी तो कौन सुनेगा। हुसैन ने इस बात का जबाब नहीं दिया कि संविधान के तहत ही पुलिस ने प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी तो जबरन क्यों करना चाहते हो। वहीं कुछ समर्थक जैसे तैसे जंतर मंतर के करीब पहुंच भी गए तो पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस के मना करने के बावजूद आगे बढ़ने पर पुलिस ने हिरासत में लिया।

पूर्वोत्तर रेलवे
निविदा सूचना
सं. 10 वर्ष 2026–27
अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिग्नल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:– **कार्यों का विवरण:**– 1. इज्जतनगर मंडल पर परिचालन निगरानी, संचार और सुरक्षा के लिए विविध सिग्नल और दूरसंचार सुविधाओं का प्रावधान।, **अनुमानित लागत:**– ₹ 10,66,89,277.42, **बयाना राशि:**– ₹ 21,33,800, **कार्य समापन अवधि:**– 12 माह, ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:– दिनांक 02.11.2026 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।
वरि.मंडल सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर
गुजाधि/सिग्नल–131 इज्जतनगर
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सीजेपी का प्रदर्शन पूरी तरह रहा फ्लाप : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। जंतर मंतर पर आम आदमी पार्टी की प्रायोजित छात्र ईकाई सीजेपी का शनिवार को प्रदर्शन का आह्वान पूरी तरह फ्लाप रहा। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को आप नेताओं पर निशाना साधते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जो कुछ माईड वाश किये युवा सड़कों पर उतरे भी तो 11 बजे अभिजीत दीपके आदि को हवाई गिरफ्तारी देते देख उनका भी मनोबल टूट गया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा है कि बिना प्रदर्शन जमीन पर उतरे खुद पुलिस को अपनी उड़ान डिटेल देकर गिरफ्तारी देने से अभिजीत दीपके एंड कम्पनी की युवाओं में विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो गई है। सच तो यह है कि सीजेपी एवं आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता तो प्रदर्शन में आये ही नहीं सुबह 11 बजे बाद से मुट्ठी भर कम्युनिस्ट युवा भागदौड़ करते रहे। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि सीजेपी प्रदर्शन में जहां जन भागीदारी नगण्य रही तो वहीं सीजेपी नेताओं एवं आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल का दोगला चरित्र फिर सामने आ गया। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता कपूर ने कहा कि कभी बच्चों की कसम खा कर भी कांग्रेस का साथ देने वाले अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार फिर परिवार को दाव पर लगा कर साबित कर दिया कि वह कितने दोगले हैं। अपने परिवार को लाये नहीं और सामान्य बच्चों को गुमराह कर पुलिस के सामने भेज दिया। प्रदर्शन ने अरविंद केजरीवाल का झूठा चरित्र फिर उजागर कर दिया, शुक्रवार को केजरीवाल ने कहा था कि वह शनिवार सुबह अपने परिवार सहित जंतर-मंतर पहुंचेंगे पर शनिवार को ना उनका कोई परिवार जन आया, ना कोई कार्यकर्ता आया और खुद भी वह सुबह की जगह शाम को घर से निकले और जंतर-मंतर नहीं आये।

देर रात तक नहीं खुले मेट्रो स्टेशनों के बंद द्वार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के तहत शनिवार को 45 मेट्रो स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार बंद रखने की अवधि चार घंटे बढ़ाकर रात 10 बजे तक की। एक साथ इतने स्टेशनों के बंद होने से आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके जानकारी दी कि जिन स्टेशनों को पहले शाम छह बजे फिर से खोलना था, वह सभी शनिवार रात 10 बजे तक बंद रहेंगे। डीएमआरसी ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां स्थिति की समीक्षा करेंगी और इसके अनुसार आगे की जानकारी यात्रियों को दी जाएगी। बता दें कि डीएमआरसी ने शुक्रवार को पहले संख्या 57 से घटाकर 45 कर दी थी। संभावित प्रदर्शन और संवेदनशील स्थानों की ओर भीड़ बढ़ने की आशंका के मद्देनजर दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर ये पाबंदियां लगाई गई थीं। मेट्रो नेटवर्क के कई प्रमुख स्टेशन इन पाबंदियों के दायरे में हैं। इनमें राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय, पटेल चौक, जनपथ, मंडी हाउस, आईटीओ, कश्मीरी गेट और नई दिल्ली स्टेशन शामिल हैं।

आर्कब्रिज कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड
Archbridge पता : डीसीजी–4, 1011–1018, डीएलएफ कॉर्पोरेट ग्रीन्स सेक्टर 74ए, साउदर्न पेरिफेरल रोड़, गुरुग्राम, हरियाणा–122004 CIN: U64990HR2024PTC123760
सार्वजनिक सूचना
आर्चब्रिज कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड की शेयरधारिता में परिवर्तन
भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ – शेयरधारिता अथवा नियंत्रण का अधिग्रहण) निदेश, 2025 के पैरा 8 से 10 के अंतर्गत एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि आर्चब्रिज कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड (CIN: U64990HR2024PTC123760), जो भारतीय रिज़र्व बैंक में पंजीकृत एक गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी है (पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या: N-14.03647) तथा जिसका पंजीकृत कार्यालय DCG-4, 1011-1018, डीएलएफ कॉर्पोरेट ग्रीन्स, सेक्टर 74A, सदर्न पेरिफेरल रोड, नरसिंहपुर, गुरुग्राम, हरियाणा–122004 में स्थित है (इसके पश्चात् ''कंपनी'' कहा गया है), अपनी शेयरधारिता में परिवर्तन करने का प्रस्ताव रखती है। उक्त परिवर्तन को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिनांक **6 अक्टूबर 2026 के पत्र संख्या DEL.DOR.NBFCBL.No.883/24-03-044/2026-2027** के माध्यम से अनुमोदित किया गया है।
इस परिवर्तन के अंतर्गत, धारकों के अनुरोध पर रु.23.51 करोड़ के मोचनीय अधिमान शेयरों को रु.10 प्रत्येक के 2,35,10,000 इक्विटी शेयरों में परिवर्तित किया जाएगा।
उक्त परिवर्तन के पश्चात् कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी रु.27.00 करोड़ से बढ़कर रु. 51.50 करोड़ हो जाएगी तथा निर्गम के पश्चात् शेयरधारिता निम्नानुसार होगी:

क्रं. सं.	शेयरधारक का नाम	निर्गम के पश्चात %	क्रं. सं.	शेयरधारक का नाम	निर्गम के पश्चात %
1.	श्री आशीष तिवारी*	15.53%	18.	श्रीमती रश्मि बंसल	2.43%
2.	श्री चन्दर प्रकाश भारद्वाज*	25.24%	19.	श्री नरेन्द्र कुमार भारद्वाज	0.99%
3.	श्री विकास बंसल*	7.77%	20.	श्री सुरेन्द्र कुमार भारद्वाज	2.23%
4.	श्री प्रवीण चौधरी	0.78%	21.	श्री राजेश कुमार भारद्वाज	1.94%
5.	श्री आदित्य प्रताप सिंह परमार	1.94%	22.	श्री हिमांशु भारद्वाज	0.68%
6.	श्रीमती मनीष गुप्ता	5.83%	23.	श्री आदित्य भारद्वाज	0.97%
7.	श्री साहिल गोयल	0.87%	24.	श्री अनमोल भारद्वाज	1.46%
8.	श्री सुमित मित्तल	0.58%	25.	श्री विपिन वर्मा	9.71%
9.	श्री हरेन्द्र सेंधव	0.08%	26.	श्री जगदीप कौशिक	0.49%
10.	श्री चन्द्रप्रकाश बसंत हरलालका	1.94%	27.	श्री मनीष चतुर्वेदी	1.70%
11.	श्रीमती दीपिका सी. हरलालका	1.94%	28.	श्रीमती सुरभि चतुर्वेदी	1.70%
12.	श्री दीपक बसंत हरलालका	1.94%	29.	श्रीमती निधि अग्रवाल	0.49%
13.	श्रीमती हंसा दीपक हरलालका	1.94%	30.	श्रीमती निशा कौशिक	0.49%
14.	श्री दीपेश बंसल	1.94%	31.	श्रीमती विजय श्रीवास्तव	0.49%
15.	श्रीमती आशिमा बंसल	1.94%	32.	श्री गणेश रामानंद राव	0.39%
16.	श्री प्रेम चंद बंसल	1.94%	33.	श्री विक्रांत भागवत	0.19%
17.	श्रीमती रेणु बंसल	1.46%		कुल	100.00%

* प्रवर्तक–निदेशक
यदि किसी को कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **30 (तीस) दिनों** के भीतर सहायक दस्तावेजों सहित अपनी लिखित आपत्ति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में भेज सकता है। उक्त अवधि के पश्चात् किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
यह सूचना कंपनी एवं प्रस्तावित आवंटियों द्वारा संयुक्त रूप से जारी की गई है। प्रस्तावित आवंटियों ने अपनी ओर से यह सूचना प्रकाशित करने के लिए कंपनी को अधिकृत किया है।
आर्चब्रिज कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से
स्थान: गुरुग्राम हस्ता./– आशीष तिवारी,
दिनांक: 11.10.2026 प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (DIN: 02812549)

हेल्पलाइन से पुनर्वास तक हैं व्यापक इंतजाम

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए दिल्ली में मजबूत हो रहा सहायता तंत्रः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए दिल्ली में सहायता तंत्र मजबूत हो रहा है और हेल्पलाइन से पुनर्वास तक व्यापक इंतजाम है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा है कि दिल्ली सरकार की प्राथमिकताओं में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान, सहायता और कल्याण शामिल हैं।

सरकार का प्रयास है कि किसी महिला या बच्चे को संकट के समय मदद के लिए भटकना न पड़े और उन्हें समय पर सुरक्षा, परामर्श, आश्रय, कानूनी सहायता और पुनर्वास की सुविधाएं मिल सकें। इसी उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग से लेकर परिवहन, लोक निर्माण, नगर निकायों और शैक्षणिक संस्थानों तक विभिन्न स्तरों पर व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है।

हेल्पलाइन और सहायता केंद्रों को आपस में जोड़ने के साथ सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों, बेहतर रोशनी, सीसीटीवी निगरानी और जागरूकता कार्यक्रमों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण, बेटियों के सम्मान और प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण जीवन देने का संकल्प देश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण आधार है। दिल्ली सरकार इसी भावना के अनुरूप ऐसी व्यवस्थाएं मजबूत कर रही है, जिनमें महिलाओं को संकट के समय त्वरित सहायता मिले, कामकाजी महिलाओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों और प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण में सीखने, आगे बढ़ने तथा अपनी क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में महिलाओं की सहायता के लिए 11 वन स्टॉप सेंटर उपलब्ध है। महिला हेल्पलाइन 181 को आपातकालीन हेल्पलाइन 112, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, शक्ति सदन और संरक्षण अधिकारियों के साथ जोड़ा गया है, ताकि जरूरत के समय महिलाओं को समन्वित सहायता मिल सके। घरेलू हिंसा और दहेज से संबंधित मामलों में सहायता के लिए 20 संरक्षण अधिकारी कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए राज्य और जिला स्तर पर हब तथा सुविधा केंद्र भी उपलब्ध हैं।

'15 महिला आश्रय गृह संचालित'

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिल्ली में 15 महिला आश्रय गृह संचालित हैं। कामकाजी महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 14 कामकाजी महिला हॉस्टल भी उपलब्ध हैं, जिनकी कुल क्षमता 2,427 है। इन हॉस्टलों में स्थानीय निकायों और सिविल सोसाइटी संगठनों द्वारा चलाई जाने वाली सुविधाएं शामिल हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग जल्द ही विश्वास नगर और रोहिणी में कामकाजी महिलाओं के लिए अतिरिक्त आवास सुविधा शुरू करने जा रहा है। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के पंजीकरण और उनकी निगरानी के लिए आंतरिक समिति, स्थानीय समिति तथा शी-बॉक्स के माध्यम से व्यवस्था की गई है। सरकार का उद्देश्य है कि महिलाओं को शिकायत दर्ज कराने से लेकर आवश्यक सहायता प्राप्त करने तक सुलभ व्यवस्था मिले।

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य अभियंता/टीएसपी, उत्तर रेलवे, मुख्यालय कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली–110001 ई–प्रोक्योरमेंट प्रणाली के माध्यम से निम्नलिखित निविदा आमंत्रित करते है।

निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	निविदा दस्तावेज की कीमत (रुपये में)	बयाना राशि (रुपये में)	अनुमानित निविदा मूल्य (रुपये में)	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	समापन की अवधि
सीएसपी–केएसएफ_08_2026–27	दो साल की अवधि के लिए, कंक्रीट स्लीपर प्लांट, खालिसपुर, वाराणसी को सड़क मार्ग से (लोडिंग, ढुलाई, अनलोडिंग और प्लांट परिसर में स्टैकिंग सहित IS-383-1970 के अनुसार तय स्रोतों/खदानों से स्टोन चिप्स (20 एमएम और 10 एमएम साइज) और मोटी रेत की सप्लाई।	कुछ नहीं	6,20,100/–	3,10,03,882.00	09.11.2026 को 15.00 बजे	24 माह

नोट: उपरोक्त ई–प्रोक्योरमेंट टेंडर की संपूर्ण जानकारी www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।
संख्या सीएसपी–केएसएफ 08–2026–27 दिनांक: 09.10.2026 3520/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ





भारी सुरक्षा के बीच जंतर-मंतर नहीं पहुंच सके प्रदर्शनकारी, 7000 से अधिक हिरासत में लिये

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने की मांग को लेकर शनिवार को दिल्ली में बड़े पैमाने पर हंगामा प्रदर्शन हुआ। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विभिन्न वामपंथी छात्र संगठनों द्वारा बुलाए गए देशव्यापी जंतर-मंतर मार्च को विफल करने के लिए दिल्ली पुलिस ने पूरी राजधानी को एक अभेद्य किले में तब्दील कर दिया था। सुरक्षा बलों की सख्त नाकेबंदी और लॉकडाउन के कारण हजारों प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर तक पहुंचने में पूरी तरह नाकाम रहे।

दिल्ली पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए इस विरोध प्रदर्शन को अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया था। शनिवार सुबह से ही लुटियंस दिल्ली और मध्य दिल्ली की ओर जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया गया।



जंतर-मंतर और कनॉट प्लेस के चारों ओर त्रि-स्तरीय बैरिकेडिंग की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, पूरी दिल्ली में 23,000 से अधिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया था। सुरक्षा के मद्देनजर राजधानी के 45 से अधिक मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वारों को बंद कर दिया गया और ट्रेनों के फेरे भी कम किये गए थे। इतना ही नहीं नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच आने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया, जबकि संवेदनशील इलाकों में एहतियातन मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित रहीं।

शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी और सामूहिक हिरासत

दिल्ली पुलिस ने इस आंदोलन को शुरू होने से पहले ही नेतृत्वविहीन कर दिया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके, सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही फ्लाइट से हिरासत में ले लिया गया। हिरासत में लिए जाने से पहले एक प्री-रिकॉर्डेड वीडियो संदेश में दीपके ने समर्थकों से अपील की कि नेतृत्व की अनुपस्थिति में अजिंक्या शिंदे इस आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे। इसके अतिरिक्त, मशहूर यूट्यूबर ध्रुव राठी को भी गुरुग्राम के एक फ्लैट से हिरासत में लेकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। जंतर-मंतर और कनॉट प्लेस की ओर गुपचुप तरीके से बढ़ रहे युवाओं और प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बसों में भरकर मॉडल टाउन स्थित छत्रसाल स्टेडियम की अस्थायी जेल में भेजा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शाम तक दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से 7000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था।

बदली रणनीतिः जहां रोके, वहीं जंतर-मंतर

मुख्य धरना स्थल तक पहुंचने का रास्ता न मिलने के कारण सीजेपी के कार्यवाहक नेताओं ने अपनी रणनीति बदली। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को संदेश दिया, यदि दिल्ली पुलिस आपको रोकती है, तो जहां रोका जाए, वहीं जगह आपके लिए जंतर-मंतर बन जाएगी। इसके बाद दिल्ली के कई पर्यटन स्थलों, जैसे 'दिल्ली हाट' और महात्मा गांधी समाधि (राजघाट) के पास प्रदर्शनकारियों की छोटी-छोटी टोलियां एकत्रित हुईं और सरकार विरोधी नारे लगाए, जिन्हें पुलिस ने तुरंत खदेड़ दिया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय की ओर भी कूच करने का प्रयास किया, लेकिन भारी सुरक्षा घेरे के कारण उन्हें पीछे हटना पड़ा।

जंतर-मंतर पर पहुंचने के लिए समर्थकों ने लगाई जुगत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में अभेद सुरक्षा के बीच सीजेपी का जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए समर्थकों को इस बार कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। तरह तरह की जुगत लगाने के बावजूद सीजेपी समर्थकों को पुलिस व अन्य सुरक्षाबलों ने जंतर मंतर पहुंचने से पहले ही हिरासत में ले लिया, कईयों वापस भेज दिया तो कईयों को डरा धमकाकर जंतर मंतर से दूर भेज दिया।

भारी संख्या में पुलिस, सुरक्षाबलों की मौजूदगी, मेट्रो, बसें व रेल आदि पर लगे ब्रेक को धत्ता बताकर जंतर मंतर तक पहुंचने के लिए समर्थकों ने तरह तरह के बहानेबाजी भी की। वहीं मोबाइल नेटवर्किंग व इंटरनेट सेवाएं बाधित होने का फायदा उठाने का भी प्रयास किया गया लेकिन अधिकांश बहानेबाज समर्थक पुलिस को चकमा देने में नाकाम साबित हुए। महाराष्ट्र से दो दिन पहले दिल्ली पहुंचे रामो महाबोले ने बताया कि मैं जंतर मंतर पर जाकर नारेबाजी करके अपना विरोध जताना चाहता था। लेकिन पुलिस ने मुझे वहां जाने से रोक दिया, मैं बार बार रास्ते बदलकर बहाने बनाता, लेकिन कामयाब नहीं हो सका। इसी प्रकार राजस्थान निवासी सतीश चौहान ने कहा कि पिछली बार के प्रदर्शन में चाहकर भी शामिल नहीं पाया, इसलिए इस बार दिल्ली आया हुं। मैंने पहली बार इतनी भारी संख्या में पुलिस व अन्य सुरक्षाबल देखे है। उसने बताया कि बाहरी कनाट पलैस के बाहरी सर्किल पर ही पुलिस ने रोक लिया, मैंने कई बहाने बनाए लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने वापस भेज दिया।

समर्थक आरएस जोशी ने बताया कि मैंने आरएमएल अस्पताल में मां के भर्ती होने का बहाना बनाया, लेकिन सफल नहीं हो सका। पुलिस ने कहा कि वार्ड नंबर, फ्लोर आदि की पूरी जानकारी दो। हम पता करवाते है अगर सही हुई तो तुम्हें आगे जाने देंगे। जोशी ने कहा कि अंत में एक पुलिस वाले ने कहा कि यह झूठ बोल रहा है इसके पकड़कर अंदर कर दो, फिर मैं वापस भाग आया। इसी प्रकार कई तरह के बहानेबाजी बनाकर जंतर मंतर तक पहुंचने की जुगत में पर पुलिस ने पानी फेर दिया।

HONDA

The Honda Joy Fest

इस त्यौहार, घर आये होंडा - घर आये खुशी

कैशबैक ₹10000# तक | न्यूनतम ROI @5.99%* | लोन 100%* तक | लोन अवधि 60* महीने | नो हायपोथिकेशन*



Activa 110 | Activa 125 | SP 125 | Shine 100 DX

IDFC FIRST Bank CREDIT CARDS# pine labs#

डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें

अधिक जानकारी के लिए 7230032200 पर मिस्ड कॉल दें

Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 30th Nov 2026. #Up to 10% Instant Cashback (₹2000 - ₹10000) is available on all HMSI models for EMI transactions made using IDFC Bank Credit Cards (Tenure 6 months to 24 months). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 30th Nov 2026. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: DELHI: CENTRAL DELHI: Rajindra Honda (Daryaganj) - 9910116248; (Samaypur Badli) - 9667515743; J.B. Honda (Jhande Walan) - 9555007307; (Shastri Nagar) - 8882719494; (Naraina) - 8512889494; (Tri Nagar) - 9355719494; **SOUTH DELHI:** Malwa Honda (Lajpat Nagar) - 9266802219; (Adchini) - 8860259596; (Khanpur) - 011-40446391 (Saheen Bagh Jamia) - 8287201001; (Dakshinpuri) - 9266802215; (Sangam Vihar) - 9311227401; Absolute Honda (Mahipalpur, NH-8) - 9871600730; (RK Puram Sector 1) - 9871600734; (Chattarpur) - 8826153434; Pragnya Honda (Okhla) - 9818856993; (Pul Pehladpur Badarpur) - 9650028777; (Jaitpur) - 9818556993; Uday Honda (Adchini) - 9212355514; (Aya Nagar) - 9266135550; **WEST DELHI:** Excel Honda (Moti Nagar) - 9999903295; (Raja Garden) - 9811096676; (West Patel Nagar) - 9667540598; (Mayapuri) - 9811025879; Dhingra Honda (Peeragarhi) - 9871200045; (Uttam Nagar) - 9717455885; (Nangloi) - 9871400045; (Kirari) - 9870200152; (Amanpuri) - 9289739970; (Mangolpuri) - 9289151558; ARK Honda (Tilak Nagar) - 9211711826; Shuban Sai Honda (Najafgarh) - 8506999935; (Vikaspuri) - 8506999939; (Kakrola Mod) - 8506999936; (Vikas Nagar) - 7048947881; (Ranhola) - 9212385582; V.D. Honda (Mahavir Enclave) - 9650415522; (Dabri) - 9212670291; (Bijwasan) - 7290068240; (Rajapuri) - 9212670292; (Kapashera) - 7290068238; **EAST DELHI:** Rajindra Honda (Shahdara) - 9310457400; (Dilshad Garden) - 9818372386; (Bhajanpura) - 7042024650; (Karawal Nagar) - 9810839361; (Ill Pusta) - 9560734814; (Johripur, Shiv Vihar Metro Station) - 9311957772; Swarup Honda (Vikas Marg) - 9810806600; (Mayur Vihar Ph-III) - 9717099729; (Kondli) - 9717099726; (Pandav Nagar) - 9717099723; Celebrate Honda (Jagatpuri) - 8130547053; (Jheel) - 9821707756; (Khichripur) - 9871481114; **NORTH DELHI:** Globus Honda (Azadpur) - 8826993152; (Rani Bagh) - 8826993157; (Pitampura) - 8130093651; (Zakira) - 8130093650; (Burari) - 8826993156; (Jahangirpuri) - 8130093655; (Libaspur) - 8130093656; (Prashant Vihar) - 8130093654; Rohini Honda (Sector 3) - 8882201000; (Rithala) - 8527479000; (Budh Vihar) - 8527724000; Santoshi Honda (Narela) - 8467085731; **BALLABGARH:** Kabir Honda - 9625268154; **GAUNCHI BALLABGARH:** Kabir Honda - 9717967717; **FARIDABAD:** Pick Up Honda - 9873875500; Regent Honda - 9311485006; Faridabad Honda - 8130515558; **GREATER FARIDABAD:** Pick up Honda - 9873820000; **GURUGRAM:** Big Swing Honda (Sohna Road) - 9773548833; Ganpati Honda - 9910894235; Yume Honda - 9818250011; Malwa Gurugram Honda - 9311980996; **BADSHAHPUR:** Big Swing Honda - 9773548844; **CHAKKARPUR:** Big Swing Honda - 9355990083; **KHANDSA ROAD:** Malwa Gurugram Honda - 9289223507; **PALAM VIHAR GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9910894234; **GURUGRAM RAILWAY ROAD:** Ganpati Honda - 9910894233; Yume Honda - 9650186777; **SEC-52 GURUGRAM:** Yume Honda - 8130364222; **SEC-82 GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9220309621; **MANESAR:** Ganpati Honda - 9910894239; **PATAUDI:** Yume Honda - 8222840011; **HAYATPUR:** JSS Honda - 9992539657; **FARUKH NAGAR:** JRV Honda - 9211298103; **NUH:** Sri Madhav Honda - 8708512346; **HODAL:** Mukund Honda - 8168971032; **PALWAL:** Parashar Honda - 7056575100; **SOHNA:** Sohna Honda - 9812872333; **GAUTAM BUDDHA NAGAR:** Parkash Honda - 9999806883; Pioneer One Honda - 8130788666; Pioneer One Honda (Sec-58) - 8130968666; Pioneer One Honda (Noida City Center) - 8130788666; Parkash Honda (Bhangel) - 7838474152; P.S. Honda (Dadri) - 9811669969; Bhagat Honda (Jewar) - 9711716890; National Honda (Chapraula) - 7042351351; **GHAZIABAD:** JKM Leela Honda - 9999767614; Hindon Honda - 9910110017; Sangam Honda (Sahibabad) - 9311051166; Om Honda (Loni) - 9312254126; Hindon Honda (Modinagar) - 08449790925; Chauhan Honda (Muradnagar) - 9897088340; JKM Leela Honda (Vijaynagar) - 8750324000; SD Honda (Kadrabad) - 7520320611; Shri Vashu Honda (Niwari) - 8445334455; Sangam Honda (Khoda Colony) - 9540651166; BK Honda (Premvihar) - 9311114333; **GREATER NOIDA:** Parkash Honda - 9971992604; Pioneer One Honda (Gaur City) - 7838950960; Shanti Honda (Kulesra) - 9582823843; Khanna Honda (Surajpur) - 9810203519; Republic Honda (Kasna) - 8368861995; **BULANDSHAHR:** Shri Masha Honda - 7351489999; Sri Ganga Honda (Anoopshahr) - 9719524751; KLA Honda (Khurja) - 7078677972; Agarwal Honda (Dibai) - 9412563721; Veer Honda (Shikarpur) - 9758097121; Shri Bhagirathi Honda (Jahagirabad) - 9927544326; Al Uzair Honda (Gulaothi) - 9997729105; **JHAJJAR:** Shree Shyam Honda - 8607200651; **ROHTAK:** Lohchab Honda - 8684888804; Shri Krishna Honda - 9896655630; **SAMPLA:** Rama Honda - 8684840808; **GOHANA:** Shirin Honda - 9053922215; **SONEPAT:** Triumph Honda - 9254015907; **CHOTU RAM CHOWK (SONEPAT):** Triumph Honda - 9254015901; **GANNAUR:** Triumph Honda - 9254015908; **KUNDLI:** Triumph Honda - 9254015904; **BAHALGARH:** Triumph Honda - 9034015921.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

खबर संक्षेप

चोरी की 2 मोटरसाइकिल, 2 स्कूटी बरामद, 5 धराए

फरीदाबाद। अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों



को गिरफ्तार किया है, जिनसे चोरी की 2 मोटरसाइकिल व 2 स्कूटी बरामद की गई हैं। पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा सेक्टर-56 ने थाना पल्ला के एक मोटरसाइकिल चोरी के मामले में हीरालाल वासी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी फरीदाबाद व बलजीत निवासी गांव बरहाना जिला मथुरा उत्तर प्रदेश को पुलिस प्रोडेक्शन पर लेकर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है। इसी प्रकार अपराध शाखा एवीटीएस की टीम ने थाना शहर सूरजकुंड के एक वाहन चोरी मामले में अब्दुल रहीम वासी गांव पापड़ा जिला नूंह से एक मोटरसाइकिल बरामद की है। वहीं अपराध शाखा सेक्टर-48 ने थाना कोतवाली क्षेत्र में वाहन चोरी के दो अलग-अलग मामलों का खुलासा करते हुए दो आरोपी चित्रांशु उर्फ चिराग निवासी पर्वतीय कालोनी व नकुल वासी ओल्ड प्रेस कॉलोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार कर उनके कब्जा से चोरीशुदा दो स्कूटी बरामद की है।

फरीदाबाद पुलिस ने चलाया चैकिंग अभियान

फरीदाबाद। दिल्ली के जतंर-मतंर पर सीजेपी प्रोटेस्ट के मद्देनजर



फरीदाबाद पुलिस का चेकिंग अभियान लगातार जारी। इसी कड़ी में फरीदाबाद पुलिस ने दिल्ली बॉर्डर के साथ लगते 7 स्थान पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार नाकाबंदी कर चेकिंग की जा रही है। सभी प्रत्येक नाका की सुपरवाइजरी, सहायक पुलिस सहायक स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है, निरीक्षक स्तर के अधिकारी को नाका का इंचार्ज लगाया गया है। फरीदाबाद के अंतर्गत सभी मेट्रो स्टेशन पर तीन-तीन पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं। पुलिस ने क्रमशः मांगर चुंगी थाना धौज, शूटिंग रेंज थाना सूरजकुण्ड, प्रहलादपुर पुल बॉर्डर थाना सूरजकुण्ड, बदरपुर बॉर्डर थाना सराय ख्वाजा, दुर्गा बिल्डर थाना पल्ला आदि।



मंदिरों के आसपास विशेष रूप से सफाई अभियान के साथ चलाया गड्ढा मुक्त अभियान

नवरात्रि महोत्सव की तैयारी पूर्ण की नगर निगम नेः आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर निगम ने नवरात्रि महोत्सव को तैयारी पूर्ण कर ली हैं। इसके लिए मंदिरों के बाहर विशेष रूप से अभियान के रूप में कार्य किए गए हैं। प्रमुख रूप से लगने वाले पंडालों और मंदिरों के बाहर सफाई व्यवस्था प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ की जा रही है। मंदिरों के बाहर के मार्गों को गड्ढा मुक्त किया गया है इसी क्रम में मंदिरों के बाहर आवश्यकता को देखते हुए टैंकरों के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था भी कराई गई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि ग नगर निगम आगामी त्यौहारों को देखते हुए व्यवस्था में लगा हुआ है। सभी विभागों के अधिकारी भी विशेष रूप से अभियान के रूप में कार्य कर रहे हैं। जिसमें प्रकाश व्यवस्था पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है मंदिरों के आसपास कहीं भी अंधेरा ना हो वरिष्ठ अधिकारियों को मॉनिटरिंग के लिए कहा गया है।

शहर में आयोजित रामलीलाओं में विशेष भूमिका निभा रहा है नगर निगम- नगर आयुक्त





रामलीला मैदानों के बाहर सफाई की

इसी के साथ प्रतिवर्ष की भांति साफ-सफाई की व्यवस्था डस्टबिन की व्यवस्था पानी के पेयजल की व्यवस्था कराई गई है निर्माण विभाग द्वारा प्रमुख मंदिरों के साथ-साथ आंतरिक वार्डों के मंदिरों को जाने वाले मार्गों को गड्ढा मुक्त किया गया है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर में आयोजित रामलीलाओं में भी विशेष भूमिका निभा रहा है जिसमें रामलीला मैदान में भी स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम लगाई गई है, रामलीला मैदानो के बहार की सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पैच वर्क की व्यवस्था तथा आवश्यक सौंदर्य करण की व्यवस्था गाजियाबाद नगर निगम द्वारा पूरे शहर में कराई गई है, शहर वासियों तथा श्रद्धालुओं से भी गाजियाबाद नगर निगम का विशेष सहयोग करने के लिए अपील की जा रही है ।

होपवेल हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

जनसेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग देना पुण्य का कार्यःअमन नागर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

तिगांव स्थित होपवेल हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर, शुगर जांच एवं ब्लड टेस्ट शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर के भाई अमन नागर ने किया। इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल प्रबंधन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाजसेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अमन नागर ने कहा कि जनसेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जरूरतमंदों की सहायता करना और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में योगदान देना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि होपवेल हॉस्पिटल द्वारा रक्तदान शिविर के साथ शुगर जांच एवं ब्लड टेस्ट जैसी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। ऐसे शिविरों से आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और लोगों को समय रहते अपनी सेहत की जांच कराने के लिए प्रेरणा मिलती है।

रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। किसी व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है, रक्तदान जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है

- उद्देश्य स्वास्थ के प्रति जागरूकता बढ़ाना
- ब्लड टेस्ट जैसी निशुल्क स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना सराहनीय



रक्तदान जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित होता है

उन्होंने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। किसी व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को अपनी क्षमता और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि वे इस प्रकार के जनहितकारी अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लें और दूसरों को भी सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित करें।

मरीजों की देखभाल पर भी मंथन किया जाएगा

ब्लड कैंसर के इलाज को सटीक और किफायती बनाने पर मंथन जुटे वैश्विक विशेषज्ञ



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

भारत में ब्लड कैंसर के इलाज को अधिक सटीक, सुरक्षित और किफायती बनाने के उद्देश्य से फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट एफएमआरआई, गुरुग्राम में शनिवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन हीमनेक्स्ट 2.0 का उद्घाटन हुआ। 10 और 11 अक्टूबर को सेक्टर-29 स्थित द वेस्टिन में आयोजित सम्मेलन में भारत समेत ब्रिटेन, अमेरिका और सिंगापुर के विशेषज्ञ आधुनिक उपचार तकनीकों और मरीजों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

फोर्टिस इंस्टीट्यूट ऑफ ब्लड डिसऑर्डर के नेतृत्व में आयोजित सम्मेलन में करीब 200 फैकल्टी सदस्य और लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। तीन समानांतर वैज्ञानिक कार्यक्रमों में जीनोमिक्स, सीएआर-टी सेल थेरेपी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई, बाल रक्त विकार और संक्रमण प्रबंधन पर चर्चा हो रही है।

उपचार की गुणवत्ता बेहतर बनाने पर जोर

सम्मेलन के चेयरपर्सन और फोर्टिस गुरुग्राम में हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बीएमटी के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. राहुल भार्गव ने कहा कि वैज्ञानिक प्रगति का लाभ मरीजों तक समय पर और किफायती दरों पर पहुंचाना जरूरी है। सम्मेलन भारतीय चिकित्सकीय अनुभवों को वैश्विक शोध से जोड़कर उपचार की गुणवत्ता बेहतर बनाने का मंच है। आयोजक सचिव डॉ. श्रीनिधि नथानी ने जीनोमिक जांच को मरीजों की जरूरत के अनुसार उपचार तय करने में महत्वपूर्ण बताया। वहीं, बाल हेमेटोलॉजी के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. विकास दुआ ने बच्चों में समय पर जांच, संपूर्ण उपचार और लंबे समय तक फॉलोअप की जरूरत पर जोर दिया। सम्मेलन में एआई के सुरक्षित इस्तेमाल, डेटा सुरक्षा, संक्रमण से बचाव, थैलेसीमिया, सिकल सेल रोग और उपचार के बाद मरीजों की देखभाल पर भी मंथन किया जा रहा है।

मानव रचना यूथ कप का एमआरईआई के उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला ने किया शुभारंभ

बैथल, डक स्पोर्ट्स और एमआरआईएस ने जीते फुटबाल टूर्नामेंट के प्रारंभिक मुकाबले, 100 से अधिक टीमें भाग ले रही हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मानव रचना फुटबाल यूथ कप टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में डक स्पोर्ट्स अकादमी, बैथल अकादमी और मेजबान मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल अकादमी की टीमों ने प्रतिद्वंद्वी टीमों पर शानदार जीत दर्ज की। टूर्नामेंट का शुभारंभ मानव रचना शिक्षण संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला, खेल निदेशक सरकार तलवाड़ ने खूबसूरत ट्राफी का अनावरण कर और गुब्बारे छोड़ कर किया। एमआरईआई के स्पोर्ट्स कालोबरेशन के निदेशक अगम तलवाड़ और सेक्टर 14 स्कूल के प्रधानाचार्य प्रदीप शर्मा ने अतिथियों और अभिभावकों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. अमित भल्ला ने कहा कि अब समय अच्छी पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी भविष्य बनाने का है। मानव रचना शिक्षण संस्थान बच्चों के लिए अपने स्कूलों में विभिन्न खेलों की अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मुहैया करा रहा है। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए खेल भावना के अनुरूप अच्छा खेल खेलने की शुभकामनाएं दी। खेल निदेशक अगम तलवाड़ ने बताया कि टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्ग की 100 से अधिक टीमें भाग ले रही हैं।

खेलों में भी बनता है अच्छा भविष्य



जननी जूलियट की स्क्रीनिंग, निर्देशक पंकज ऋषि कुमार से रूबरू हुए पत्रकारिता के विद्यार्थी

डीपीजी कॉलेज के विद्यार्थियों को मीडिया जगत की व्यावहारिक बारीकियों से कराया रूबरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

डीपीजी कॉलेज में फिल्म स्क्रीनिंग, निर्देशक संवाद और कैंपस समाचार पत्र 'डीपीजी संवाद' के विमोचन के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया जगत की व्यावहारिक बारीकियों से रूबरू कराया गया।



जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग और कॉन्शियस सिनेमा इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ऑस्कर एंट्री फिल्म 'जननी जूलियट' दिखाई गई। इसके बाद फिल्म के निर्देशक पंकज ऋषि कुमार ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कर फिल्म निर्माण के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित हुआ। पहले सत्र में विद्यार्थियों ने फिल्म देखी और विषय चयन, शोध, कहानी प्रस्तुत करने तथा वास्तविक घटनाओं को सिनेमाई माध्यम से प्रभावी ढंग से दिखाने की प्रक्रिया को समझा। दूसरे सत्र में निर्देशक पंकज ऋषि कुमार ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए और फिल्म निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा तैयार कैंपस समाचार पत्र 'डीपीजी संवाद' का विमोचन रहा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को समाचार लेखन, संपादन, रिपोर्टिंग प्रिंट मीडिया के व्यावहारिक कार्यों का अनुभव मिलेगा। कॉलेज के चेयरमैन राजेंद्र गहलोत और वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जमीन बेचने पर मिली रकम घर पर होने का पता था

1 करोड़ रुपए से अधिक की डकैती मामले में 4 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने थाना धौज क्षेत्र के गांव फतेहपुर तगा की जोहड़ कॉलोनी में पिस्टल की नोक पर बंधक बनाकर 1 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये की नकदी डकैती के मामले में सफलता हासिल करते हुए चार आरोपी साहुन खान निवासी गांव फतेहपुर तगा, हैदर अली उर्फ इमामुद्दीन वासी गांव मढ़ेपुर, मोहम्मद आरिफ निवासी गांव डिडौली व मोसीब आलम वासी गांव फतेहपुर माफी, जिला अमरोहा यूपी को गिरफ्तार किया है। एसीपी क्राईम-2 वरुण कुमार दहिया नेबताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपी साहुन निवासी गांव फतेहपुर तगा को जानकारी थी कि शिकायतकर्ता अब्दुल कदीम ने अपनी जमीन बेची है और जमीन बेचने से प्राप्त नकदी उसके घर पर रखी हुई है। साहुन ने अपने जानकार लियाकत को शिकायतकर्ता के घर पर भारी मात्रा में नकदी होने की जानकारी दी तथा डकैती की वारदात को अंजाम देने के लिए कहा। लियाकत ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक टीम बनाई और वारदात करने का प्लान बनाया। दो गाडी को लेकर साईड में चले गये और उन पांच लोगों ने घर में घुस कर शिकायतकर्ता को बंधक बनाया और घर में रखे 1,04,80,000 रुपए लूट ले गए।

निक्की आठ सप्ताह तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद स्वस्थ होकर घर लौटी

900 ग्राम की प्रीमैच्योर बच्ची ने 8 हफ्ते में जीती जिंदगी की जंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

महज 27 सप्ताह की गर्भावस्था में जन्मी 900 ग्राम की बच्ची निक्की आठ सप्ताह तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद स्वस्थ होकर घर लौट गई। गुरुग्राम के पारस हेल्थ में उसका वजन बढ़कर 2.64 किलोग्राम हो गया। जन्म के तुरंत बाद बच्ची को सांस लेने में गंभीर परेशानी हुई। इसके बाद उसे वेंटिलेटर, सर्फेक्टेंट थेरेपी और ब्लड ट्रांसफ्यूजन सहित कई उपचार देने पड़े। अस्पताल के अनुसार, इलाज के दौरान निक्की को गंभीर संक्रमण, ब्लड प्रेशर में अस्थिरता, खून का थक्का जमने की प्रक्रिया में गड़बड़ी और फेफड़ों में रक्तस्राव जैसी जटिलताओं का सामना करना पड़ा। उसे लंबे समय तक नवजात गहन देखभाल इकाई (एनआईसीयू) में रखा गया। हालत में सुधार होने पर धीरे-धीरे सांस संबंधी सहायता कम की गई और पोषण पर विशेष ध्यान दिया गया। पारस हेल्थ, गुरुग्राम के नियोनेटोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अमिताव सेनगुप्ता ने बताया कि समय से पहले जन्मे बच्चों के अंग पूरी तरह विकसित नहीं होते, इसलिए उन्हें कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। निक्की के इलाज में उसकी जान बचाने के साथ मस्तिष्क के विकास और भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने पर भी ध्यान दिया गया। इलाज के दौरान बच्ची को डेवलपमेंटली सपोर्टिव केयर और न्यूरोप्रोटेक्शन तकनीकों के तहत ऑक्टोपस थेरेपी भी दी गई। इसमें मां की परिचित खुशबू वाला नरम, सूत से बना ऑक्टोपस इनक्यूबेटर में बच्ची के पास रखा गया। अस्पताल के मुताबिक, इससे बच्ची को आराम देने और उसकी हृदय गति, सांस लेने की दर तथा ऑक्सीजन स्तर को स्थिर रखने में मदद मिली। डिस्चार्ज के समय निक्की मुंह से दूध ले रही थी और बिना बाहरी सहायता के शरीर का तापमान बनाए रख पा रही थी। अस्पताल की टीम के अनुसार, वह सक्रिय थी और उम्र के अनुरूप विकास के संकेत दे रही थी।



करवा चौथ से दीवाली तक की खरीदारी एक छत के नीचे कर सकेंगी महिलाएं

ऑर्नेट पैलेस में 12 अक्टूबर को फीमऑरा फेस्टिव व वेडिंग प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

करवा चौथ से दीवाली तक की खरीदारी एक छत के नीचेः ऑर्नेट पैलेसराजनगर में 12 अक्टूबर को फी म ऑ रा फेस्टिव एवं वेडिंग प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। जिसमें महिलाओं और पुरुषों, दोनों के लिए बड़े ब्रांड एक ही स्थान पर की जा सकेंगी। प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। गाजप्रदर्शनी फीमऑरा द्वारा भारतीय वैश्य ग्लोबल फाउंडेशन के सहयोग से की यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है।



प्रदर्शनी प्रातः 11:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक खुली रहेगी और सभी के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। आयोजक सीए डॉ. विनय मित्तल ने बताया कि यह प्रदर्शनी रचनात्मकता, शिल्प कौशल और उद्यमिता का उत्सव है। इसमें महिलाओं एवं पुरुषों, दोनों के लिए त्योहारों के विशेष कलेक्शन और शादी से जुड़ी आवश्यक वस्तुएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। करवा चौथ से लेकर दीवाली तक पूरे परिवार की खरीदारी यहाँ एक ही छत के नीचे की जा सकेगी। प्रदर्शनी में बिग ब्रांड्स अंडर वन रूफ की थीम पर महिला एवं पुरुष एथनिक वियर व फैशन, ज्वैलरी, ब्यूटी एवं ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स, होम डेकोर एवं गिफ्ट्स, बैग्स एवं फुटवियर तथा फेस्टिव स्पेशल उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे।

नई-नई डिज़ाइनों, आभूषणों और उपहारों के साथ इस आयोजन में घरेलू उद्योगों तथा महिला एवं पुरुष उद्यमियों को विशेष मंच दिया गया है, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन मिल सके।

खरीदारों के लिए विशेष ऑफर

- 500 उपहारः पूरे दिन में कुल 500 उपहार वितरित किए जाएंगे, यानी हर घंटे 50 उपहार। 1,500 या उससे अधिक की खरीद पर एक गिफ्ट कूपन दिया जाएगा।
- हर घंटे लकी ड्रॉः प्रत्येक 5,000 रुपए की खरीद पर एक लकी ड्रॉ कूपन मिलेगा। हर घंटे निकलने वाले लकी ड्रॉ में विजेता को लगभग 3,000 रुपए तक का प्रीमियम उपहार दिया जाएगा।

साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम को मिली सफलता

टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के नाम पर 73,450 रुपये की साइबर ठगी करने वाला गिरफ्तार, विश्वास जीतने के लिए पहले दिए थे 5880 रुपये

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

साइबर अपराधियों द्वारा टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर टास्क पूरा करने के नाम पर निवेश के लिए प्रेरित कर



73450 की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान चिंटु वासी बिहारी कॉलोनी शाहदरा ईस्ट दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-3 फरीदाबाद निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 4 सितंबर 2026 को उसे टेलीग्राम पर एक ग्रुप में जोड़ा गया। शिकायतकर्ता से विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से 73450 रूपए की राशि जमा कराई गई। शुरुआत में टास्क पूरा करने पर 5880 वापस प्राप्त हुए, जिससे शिकायतकर्ता को अधिक लाभ मिलने का विश्वास हुआ। शिकायत के आधार पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि मामले में पहले गिरफ्तार खाताधारक आदित्य का दोस्त है इसने आदित्य से खाता लेकर आगे ठगों को दिया था, उक्त खाता में ठगी के 42 हजार रूपये प्राप्त हुए थे। अदालत में पेश कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सीजेपी प्रोटेस्ट के मद्देनजर फरीदाबाद पुलिस ने चलाया चैकिंग अभियान

फरीदाबाद। दिल्ली के जतंर-मंतर पर सीजेपी प्रोटेस्ट के मद्देनजर फरीदाबाद पुलिस का चेकिंग अभियान लगातार जारी। इसी कड़ी में फरीदाबाद पुलिस ने दिल्ली बॉर्डर के साथ लगते 7 स्थान पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार नाकाबंदी कर चेकिंग की जा रही है। सभी प्रत्येक नाका की सुपरवाइजरी, सहायक पुलिस सहायक स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है, निरीक्षक स्तर के अधिकारी को नाका का इंचार्ज लगाया गया है। फरीदाबाद के अंतर्गत सभी मेट्रो स्टेशन पर तीन-तीन पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं। पुलिस ने क्रमशः मांगर चुंगी थाना धौज, शूटिंग रेंज थाना सूरजकुण्ड, प्रहलादपुर पुल बॉर्डर थाना सूरजकुण्ड, बदरपुर बॉर्डर थाना सराय ख्वाजा, दुर्गा बिल्डर थाना पल्ला, बसंतपुर पुस्ता रोड थाना पल्ला तथा इस्माइलपुर रोड थाना पल्ला पुलिस ने नाकाबंदी की हुई थी।

बाल सुधार गृह एनआईटी-5 फरीदाबाद से फरार एक और बाल किशोर बंदी को टीम ने किया काबू

फरीदाबाद। बाल सुधार गृह एनआईटी-5 फरीदाबाद से फरार हुए तीन बालकिशोर बंदियों में शामिल एक और बालकिशोर बंदी को अपराध शाखा एनआईटी फरीदाबाद की टीम ने काबू करने में सफलता हासिल की है। अपराध शाखा की टीम ने उसको बरेली उप्र से काबू किया है। इस प्रकार फरार दो बाल बंदियों को फरीदाबाद पुलिस की टीम ने तलाश कर लिया है। तीसरे की तलाश जा रही है। पुलिस के अनुसार बाल किशोर बंदी अपने 2 अन्य साथियों के साथ 4 अक्टूबर 2026 को बाल सुधार गृह एनआईटी फरीदाबाद से फरार हो गया था। अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने 10 अक्टूबर 2026 को उसको बरेली, उप्र से काबू कर लिया है। वह वर्ष 2024 में थाना शहर नूंह क्षेत्र में 10 वर्षीय बच्चे की हत्या के मामले में निरुद्ध था। इससे पहले एक फरार बाल बंदी को पुलिस टीम ने पहले ही गुरुग्राम से काबू कर लिया था।

खबर संक्षेप

10 हजार देकर एंट्री, दबोचा गया बांग्लादेशी

साहिबगंज। आरपीएफ ने ब्रह्मपुत्र मेल से एक बांग्लादेशी नागरिक



मोहम्मद सुमन को गिरफ्तार किया है। वह तीन माह पहले भारत में दाखिल हुआ था। उसके पास से तीन मोबाइल बरामद हुए हैं। आरपीएफ की शिकायत पर साहिबगंज रेल थाने में केस दर्ज किया गया।

सीजेपी के प्रोटेस्ट को रोहिणी का सपोर्ट

पटना। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के आन्दोलन को



लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्या खुला समर्थन दे रही हैं। शनिवार को जब सीजेपी के नेता अभिजीत दिपके, आशुतोश रांका, सौरभ दास और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ध्रुव राठी को हिरासत में लिया गया तो रोहिणी आचार्या पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह पर भड़क गईं।

अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री योगी की खुली चुनौती

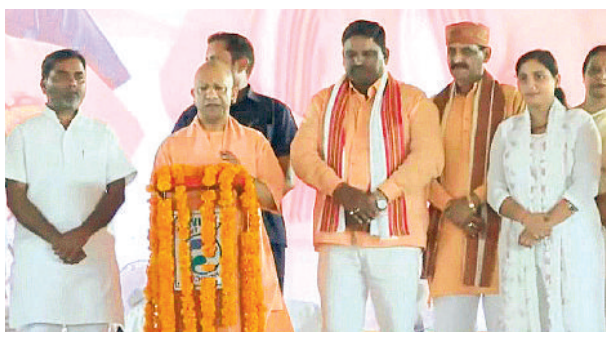
अयोध्या में चेलों से क्यों लड़ना आमने-सामने हो मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लड़ाई चेलों से क्यों? लड़ाई तो आमने-सामने होनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि अयोध्या उनकी आस्था की स्थली है और वहां हो रहे विकास कार्यों की निगरानी के लिए वह लगातार जाते हैं...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को अयोध्या से विधानसभा चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी। कहा कि अखिलेश यादव अयोध्या से नामांकन करें, वह भी वहीं से चुनाव मैदान में उतरेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लड़ाई चेलों से क्यों? लड़ाई तो आमने-सामने होनी चाहिए।' कहा कि अयोध्या उनकी आस्था की स्थली है और वहां हो रहे विकास कार्यों की निगरानी के लिए वह लगातार जाते हैं। अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा कि अब अयोध्या में चुनावी मुकाबला भी आमने-सामने हो जाए। मुख्यमंत्री बलरामपुर के रेहरा बाजार विकासखंड के बिलरिया गांव में 803 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने सपा अध्यक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि सपा के बबुआ अभी से बौखला गए हैं।

- बलरामपुर में 803 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण
- लाभार्थियों को बांटे चेक व प्रमाणपत्र



माफिया को संरक्षण देने वालों पर बरसे मुख्यमंत्री

सीएम ने कहा कि पिछली सरकारों में माफिया और अपराधियों को संरक्षण मिलता था। अपराधियों के हौसले बुलंद थे और आम नागरिक भय के माहौल में रहते थे। उन्होंने कहा कि सरकार अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। किसी माफिया को कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जाएगी।

सपा का पीडीए परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी

सीएम ने कहा कि उसका पीडीए वास्तव में 'परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी' है। राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने दलितों, पिछड़ों और अन्य वर्गों की उपेक्षा की।

दस हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में बलरामपुर के लिए दस हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की धनराशि भेजी गई है। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय का सत्र शुरू हो चुका है। भवन तैयार होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकार्पण के लिए आमंत्रित किया जाएगा। अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। रिंग रोड, चीनी मिल विस्तार, थारू संग्रहालय और मथुरा घाट पुल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बलरामपुर को विकास के मामले में पिछड़ने नहीं दिया जाएगा।

लाभार्थियों को लैपटॉप, चेक और स्वीकृति पत्र

मुख्यमंत्री योगी ने विभागीय प्रदर्शनियां देखीं और छात्रा के विज्ञान मॉडल की सराहना की। एक बच्चे का अन्नप्राशन कराया। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना में विकास यादव और मोहम्मद शादाब को लैपटॉप दिए। किरण वर्मा और हिमांश यादव को कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए चार-चार लाख रुपये की सहायता से संबंधित चाबियां सौंपीं। अजय कुमार पाल, हसन रजा और गुफरान अंसारी को युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत पांच-पांच लाख रुपए के चेक दिए।

सीएम की चुनौती पर अखिलेश का पलटवार

'चढ़ावा-चंदा-दान' चोरों को हराने हमारा 'पीडीए प्रहरी' ही काफी

एजेंसी ⏭ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बलरामपुर में आयोजित



एक सभा में स मा ज वा दी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को अयोध्या से उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी तो सपा मुखिया ने भी पलटवार किया।

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर अपने पोस्ट से भाजपा पर जोरदार हमला बोला है।सीएम योगी आदित्यनाथ को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में 'चढ़ावा-चंदा-दान' चोरों को हराने के लिए हमारा एक युवा 'पीडीए प्रहरी' ही काफी है। चोरों को क्लीन चिट देनेवाले हिस्सेदार होते हैं। दूध का दूध, पानी का पानी तो हुआ नहीं, इस बार जनता घमंड का सारा पानी उतार देगी। लोकसभा भूल गए क्या।

मंडियों में सफाई से लेकर जल निकासी तक

किसानों की सुविधा और स्वच्छता पर योगी सरकार का विशेष ध्यान

एजेंसी ⏭ लखनऊ

यूपी की कृषि उत्पादन मंडियों में साफ-सफाई की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा किसानों को स्वच्छ एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने 'स्वच्छ मंडी-शुभ मंडी अभियान-2026' संचालित करने का निर्देश दिया है। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद नें प्रदेश की मंडी एवं उपमंडी स्थलों पर व्यापक स्तर पर विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत मंडी परिसरों में जमा कूड़े,शौचालयों, विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पेज एक का शेष

विफल किया विरोध...

से करीब 3500 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया, इनमें विपक्ष के कई 'दिग्गज नेता' भी शामिल थे। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और साथ सौरव दास और आशुतोष रांका को विमान से उतरने से पहले ही एयरपोर्ट पर उन्हे हिरासत में ले लिया गया। जबकि अपने माता पिता से गुरुग्राम में मिलने आए ट्यूबर ध्रुव राठी को वहीं से हिरासत में ले लिया गया। सीजेपी ने सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। समर्थकों ने यहां पहुंचने की कोशिश भी की, लेकिन कई जगह 3 से 5 लेयर की बैरिकडिंग की वजह से आगे नहीं बढ़ने दिया। इस दौरान पूर्व सीएम ममता बेनर्जी, अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया गया। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और माकपा सांसद जॉन ब्रिटास को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा पुलिस से झड़प की एक या दो घटनाएं सामने आईं। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग भी तोड़ी। आकाशवाणी भवन के पास पत्थर फेंके, जिससे 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके अलावा प्रदर्शन में सुप्रीम कोर्ट के वकील भी शामिल हुए। पुलिस ने वकीलों को हिरासत में ले लिया। हालांकि, कुछ देर बाद उन्हें छोड़ दिया गया। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा कि कुछ भी हो अब चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जाना ही होगा। इधर विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगा। विपक्षी नेता अदालत में ज्ञापन सौंपने के साथ याचिका दायर करने की तैयारी कर रहे हैं। सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक लड़ाई जारी रहेगी।

सीईसी ज्ञानेश कुमार...

नहीं दी गई है। उन्होंने मांग की है कि दिल्ली पुलिस सभी को तुरंत रिहा किया जाए। ज्ञात हो कि दीपके ने एक वीडियो में कहा था कि मेरी, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत में लिए जाने के बाद अजिंक्य शिंदे पार्टी का नेतृत्व करेंगे। सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रविवार को सीजेपी के कार्यकर्ता और प्रदर्शनकारी एक बार फिर से जंतर-मंतर की ओर कूच करेंगे। उन्होंने आगे कहा, "अभिजीत दीपके की दादी का आज निधन हो गया। इसके बावजूद पुलिस ने दिपके को उनके वकील या घर वालों से बात नहीं करने दी। पुलिस उन पर इमोशनल अत्याचार कर रही है। हमारा सवाल है कि उन्हें फ्लाइट से क्यों हिरासत में लिया गया? वो सामान्य तरह से फ्लाइट से दिल्ली आए थे। कोई भी फ्लाइट से आ सकता है। अगर वो किसी भी तरह का उल्लंघन करते, सड़क पर आकर प्रदर्शन करते, तो उनको हिरासत में ले सकते थे।" इससे पहले अजिंक्य शिंदे ने दिल्ली में प्रदर्शनकारियों से अपील की थी कि अगर दिल्ली पुलिस आपको रोकती है, तो जहां आपको रोका जा रहा है, उसी जगह को जंतर-मंतर बना दें। उन्होंने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते ये लड़ाई जारी रहेगी।

भारत की कहानी...

के लिए अराजकता फैलाने का आरोप लगाया और नक्सलवाद, आतंकवाद और विदेशी हस्तक्षेप के विरुद्ध प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट रहने की अपील की।

'द एनार्किस्ट्स हैव ....

लोकतंत्र ने आज दिल्ली में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और पूरा मामला नियंत्रण में है, उसे देखते हुए हम कहना चाहते हैं कि "द एनार्किस्ट्स हैव फेल्ड" और उनका यह फ्लॉप शो चलने वाला नहीं है।

एक निश्चित कालखंड ...

भारत की स्थितियों को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसके पीछे की नीयत को भी समझना जरूरी है। अराजकता के भीतर भी अराजकता है। आखिर इसका श्रेय किसे मिले? आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बीच इस मुद्दे पर खींचतान चल रही है। आम आदमी पार्टी के लोग कह रहे हैं कि संविधान बचाने का ठेका क्या केवल कांग्रेस पार्टी ने ले रखा है? यह जिम्मेदारी हमने भी ले रखी है, इसलिए हमारी तारीख अलग होगी। वहीं, कांग्रेस कह रही है कि आम आदमी पार्टी संविधान की तथाकथित प्रति जेब में लेकर घूमेगी और संविधान बचाने का दावा करेगी, लेकिन ऐसा नहीं चलेगा। हमारा अलग दिन होगा। इस प्रकार, अराजकतावादियों के बीच भी अराजकता चल रही है।

राष्ट्रपति से मिलने के ...

के अपशब्दों का प्रयोग किया गया और झूठ बोला गया, उसे पूरा देश देख रहा है। भारत के संवैधानिक पदों और संस्थाओं के लिए जिस प्रकार के शब्दों का प्रयोग किया गया, उसे भी पूरा भारत सुन रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि राष्ट्रपति को सड़क की लड़ाई में घसीटने का प्रयास किया गया हो, लेकिन राहुल गांधी ने राष्ट्रपति को इस विवाद में खींचने की कोशिश की। राहुल गांधी भारत की सड़कों पर जिस अराजकता को फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, उसी में राष्ट्रपति को भी घसीटने की कोशिश की गई।

देश को अस्थिर....

उनके ये मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। चाहे राहुल गांधी का इंडी गठबंधन हो या अरविंद केजरीवाल और उनका सीजेपी, जनता ने इन्हें नकार दिया है और लोकतंत्र ने इन्हें सजा दी है। लेकिन उस सजा को स्वीकार करने और उससे सीखने के बजाय, इन्होंने देश को अस्थिर करने का मंसूबा बना लिया है।

विदेशी ताकतों के ...

ताकत है कि देश के सभी देशभक्त और राष्ट्रभक्त मिलकर इनके मंसूबों पर पानी फेर देंगे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 11 अक्टूबर 2026

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

शारदीय नवरात्र विशेष

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्माइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। *

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन

भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

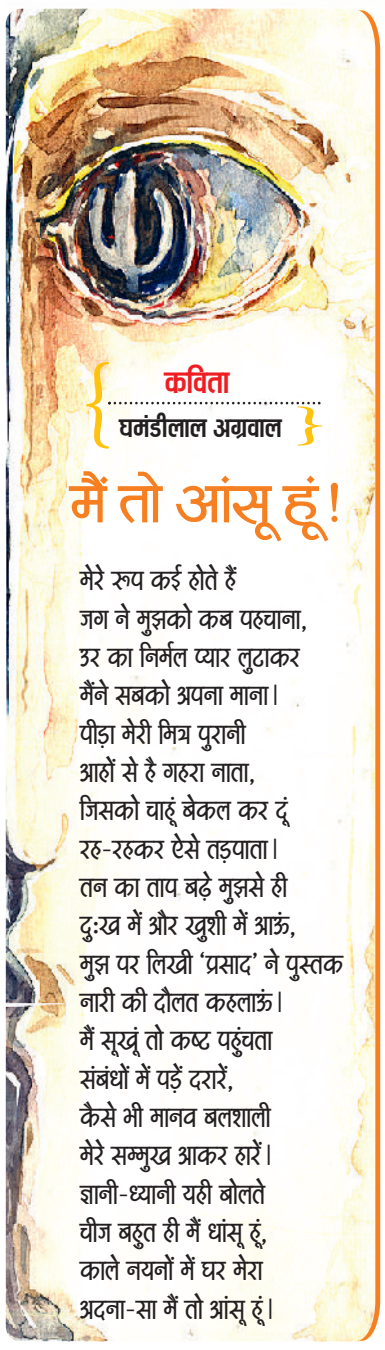

सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। *



कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। *

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।



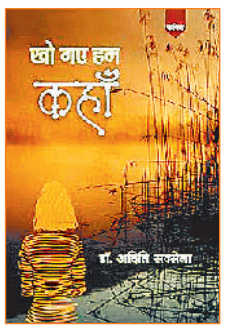
उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए



हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। *

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से बोले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

आगर में 3800 करोड़ की मैक्केन फूड परियोजना होगी शुरू, 2 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पशुपालन, किसानों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आगर में शुक्रवार को आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में सहभागिता करते हुए किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कृषक कल्याण वर्ष के तहत आयोजित कार्यक्रमों में किसानों से कृषि गतिविधियों, शासन की किसान हितैषी योजनाओं से मिल रहे लाभ, कृषि के क्षेत्र में नवाचार तथा किसानों की आवश्यकताओं के संबंध में संवाद किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगर में 3800 करोड़ की मैक्केन फूड परियोजना शुरू हो रही है, इसमें 2 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। पशुपालन किसानों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगर-मालवा जिले के लालूखेड़ी में आलू प्रसंस्करण का 200 करोड़ का उद्योग स्थापित हो रहा है, लालूखेड़ी के साथ ही अब आगर-मालवा जिले के किसान भी आलू उगाऐंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 तक गेहूं 2700 से के भाव में खरीदेंगे।



20 हजार से अधिक गोवंश की समुचित देखभाल

उन्होंने कहा कि आगर जिला गौ-सेवा के लिये भी विशेष पहचान रखता है। गौ-अभयारण्य सालरिया एवं जिले की अन्य गौशालाओं में 20 हजार से अधिक गौवंश की समुचित देखभाल की जा रही है। सरकार प्रति गौवंश 40 रूपए प्रतिदिन की दर से गौवंश की देखभाल के लिये गौशालाओं को राशि प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने बिनायगा बड़ौद के प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसान राधेश्याम परिहार, आखाखेड़ी तनोडिया के प्राकृतिक अरहर खेती करने वाले किसान रोहित शर्मा एवं अन्य उपस्थित प्रगतिशील कृषकों से वर्चुअली संवाद कर उनकी ओर से की जा रही प्राकृतिक, जैविक एवं उन्नत कृषि के बारे में जानकारी ली तथा इससे होने वाले लाभ के बारे में भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा में अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत बच्चों को बांटे निःशुल्क चश्मे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत हरदा जिला चिकित्सालय पहुंचकर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया तथा मरीजों से चर्चा कर उनके उपचार एवं अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अंधत्व निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली बच्चों को निःशुल्क चश्में वितरित किए। साथ ही क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मरीजों को पोषण सहायता के उद्देश्य से फूड बास्केट प्रदान की।



अस्पताल में मौजूद मरीजों के परिजनों से की चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अस्पताल में मौजूद मरीजों के परिजनों से चर्चा करते हुए उपचार की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने एक बुजुर्ग महिला से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। बुजुर्ग महिला ने बताया कि इलाज बहुत अच्छा मिल रहा है और अब पहले से आराम है। मुख्यमंत्री बच्चों से दुलार करते भी नजर आए। उपस्थित बच्चों के सर पर दुलार से हाथ फेरते हुए उनका भी हाल-चाल पूछा।

वृद्धजनों का किया सम्मान, मिला स्नेह और आशीर्वाद

सीएम यादव ने सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम अंतर्गत हरदा में सार्थक सेवा वृद्धजन आश्रम पहुंचकर वृद्धजनों से आत्मीय भेंट की। उन्होंने वृद्धजनों को शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। वृद्धजनों ने डॉ. यादव के प्रति स्नेह व्यक्त करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। डॉ. यादव ने वृद्धाश्रम का भ्रमण किया तथा आश्रम में आयोजित विभिन्न गतिविधियों से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सार्थक सेवा आश्रय समिति को सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संस्था के रूप में शासन स्तर से मान्यता प्रदान की गई है। समिति द्वारा जिला प्रशासन के निर्देशन में वृद्धाश्रम का आधिकारिक संचालन किया जा रहा है।

अस्पताल को मिला आईएसओ सर्टिफिकेट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा जिला अस्पताल को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए प्राप्त आईएसओ सर्टिफिकेट भी कलेक्टर सिद्धार्थ जैन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एचपी सिंह को प्रदान किया। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, पूर्व विधायक संजय शाह, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, सचिव मुख्यमंत्री सुदाम खाड़े, कमिश्नर नर्मदापुरम श्रीकांत बनोठ आदि मौजूद थे।

एलन टैलेंटेक्स रजिस्ट्रेशन अब 14 तक

कोटा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्रा.लि. की ओर से आयोजित की जाने वाली एलन टैलेंटेक्स-2027 परीक्षा में रजिस्ट्रेशन के लिए देशभर के स्टूडेंट्स को एक और मौका दिया जा रहा है। स्टूडेंट्स के उत्साह को देखते हुए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 11 से बढ़ाकर 14 अक्टूबर तक कर दी गई है। इच्छुक स्टूडेंट्स वेबसाइट पर विजिट कर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। आफलाइन व आनलाइन दोनों मोड में होने वाली टैलेंटेक्स-2027 के लिए आफलाइन एग्जाम 25 अक्टूबर को जबकि आनलाइन एग्जाम 25, 28 एवं 31 अक्टूबर को आयोजित होगा।एलन वाइस प्रसीडेंट पंकज अग्रवाल ने बताया कि शुरुआत से अब तक एलन टैलेंटेक्स में 21 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स शामिल हो चुके हैं। इस परीक्षा में कक्षा 5 से 10 तक के स्टूडेंट्स शामिल हो सकते हैं। एग्जाम के बाद नेशनल व स्टेट रैंक के साथ ही 2.50 करोड़ के कैश प्राइज तथा एलन कोर्सेज में एडमिशन पर 90 प्रतिशत तक स्कालरशिप दी जाएगी।परीक्षा परिणाम के अतिरिक्त प्रत्येक प्रतिभागी को कम्पीटिटिव सक्सेस इंडेक्स भी प्रदान किया जाएगा। यह एक विशिष्ट परफॉर्मेंस इंडिकेटर है, जो विद्यार्थियों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का आकलन करने में मदद करेगा।

नेशनल रैंकिंग के साथ 2.50 करोड़ के कैश प्राइज एवं फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप



परीक्षा दो घंटे की होगी

इस इंडेक्स के माध्यम से स्टूडेंट्स यह पता कर सकता है कि यदि वह जेईई, नीट व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होता तो उसकी क्या नेशनल रैंकिंग रहती। जो विद्यार्थी पहले से एलन के क्लासरूम कोर्स में अध्ययनरत हैं, वे भी परीक्षा में शामिल होने के पात्र होंगे। विद्यार्थी https://allen.in/tallentex. पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें पोर्टल पर उपलब्ध प्रैक्टिस टेस्ट पेपर्स का लाभ मिलेगा। परीक्षा का सिलेबस एनसीईआरटी आधारित होगा, जबकि परीक्षा पैटर्न एवं विस्तृत सिलेबस की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी एवं नियम – शर्तों के लिए वेबसाइट पर विजिट करें। परीक्षा दो घंटे की होगी, जिसमें बहुविकल्पी व इन्टिजर टाइप प्रश्न होंगे, जिसमें फिजिक्स, कैमेस्ट्री, मैथ्स, बॉयोलॉजी एवं लॉजिकल मेंटल एबिलिटी के प्रश्न पूछे जाएंगे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे 502 करोड़ रुपये की आरटीई फीस प्रतिपूर्ति राशि अंतरित

प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों को राशि होगी अंतरित

8 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों को मिलेगा निःशुल्क शिक्षा का लाभ

नरसिंहपुर में सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का होगा लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 अक्टूबर को नरसिंहपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 की फीस प्रतिपूर्ति राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण करेंगे। इसके तहत प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों के खातों में 502 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की जाएगी। इससे 8 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले में 45 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण भी करेंगे।

अब तक 3,600 करोड़ की राशि हो चुकी है जारी

शिक्षा के अधिकार से प्रदेश का कोई भी बच्चा वंचित न रहे, इसके लिए प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 वीं तक गरीब एवं वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रवेश दिलाया जा रहा है। इन विद्यार्थियों की फीस की प्रतिपूर्ति सरकार की ओर से सीधे संबंधित निजी स्कूलों को दी जाती है। इस योजना के तहत वर्ष 2011 से अब तक 16 लाख 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति के रूप में 3,600 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है, जिससे जरूरतमंद बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का मार्ग आसान हुआ है।

आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

मप्र के सांदीपनी विद्यालय बेहतर शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। प्रदेश सरकार की ओर से गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में अशासकीय स्कूलों को फीस प्रतिपूर्ति की राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे पात्र विद्यार्थियों की निःशुल्क शिक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पिकनिक मनाने गए चार बच्चों के साथ बेहद खौफनाक हादसा, एक बच्चे की डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में पिकनिक मनाने गए चार बच्चों के साथ बड़ा हादसा हो गया। दर्री थाना क्षेत्र के अयोध्यापुरी से बांकी के सुमेधा पिकनिक मनाने पहुंचे चार बच्चे नदी में बने डैम में नहाने उतरे थे। इस दौरान 15 वर्षीय नरेश साहू गहरे पानी में डूब गया। घटना शुक्रवार शाम की है। शनिवार सुबह उसका शव बरामद किया गया।मृतक की पहचान नरेश साहू पिता फिरतुराम साहू निवासी जमनीपाली के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार चारों बच्चे शुक्रवार को सुमेधा डैम घूमने गए थे। नहाते समय नरेश गहराई में चला गया और बाहर नहीं निकल पाया। उसके साथ मौजूद तीन बच्चे किसी तरह बाहर निकल आए और परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू की। शुक्रवार देर शाम तक खोजबीन की गई लेकिन अंधेरे और पानी की गहराई के कारण कुछ पता नहीं चला।

महावीरपुर में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से मची सनसनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के महावीरपुर क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। प्रारंभिक तौर पर यह मामला बेहद संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, जिससे क्षेत्र में भय और अनिश्चितता का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, महावीरपुर क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने एक शव को देखा और तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

यातायात निर्देशिका

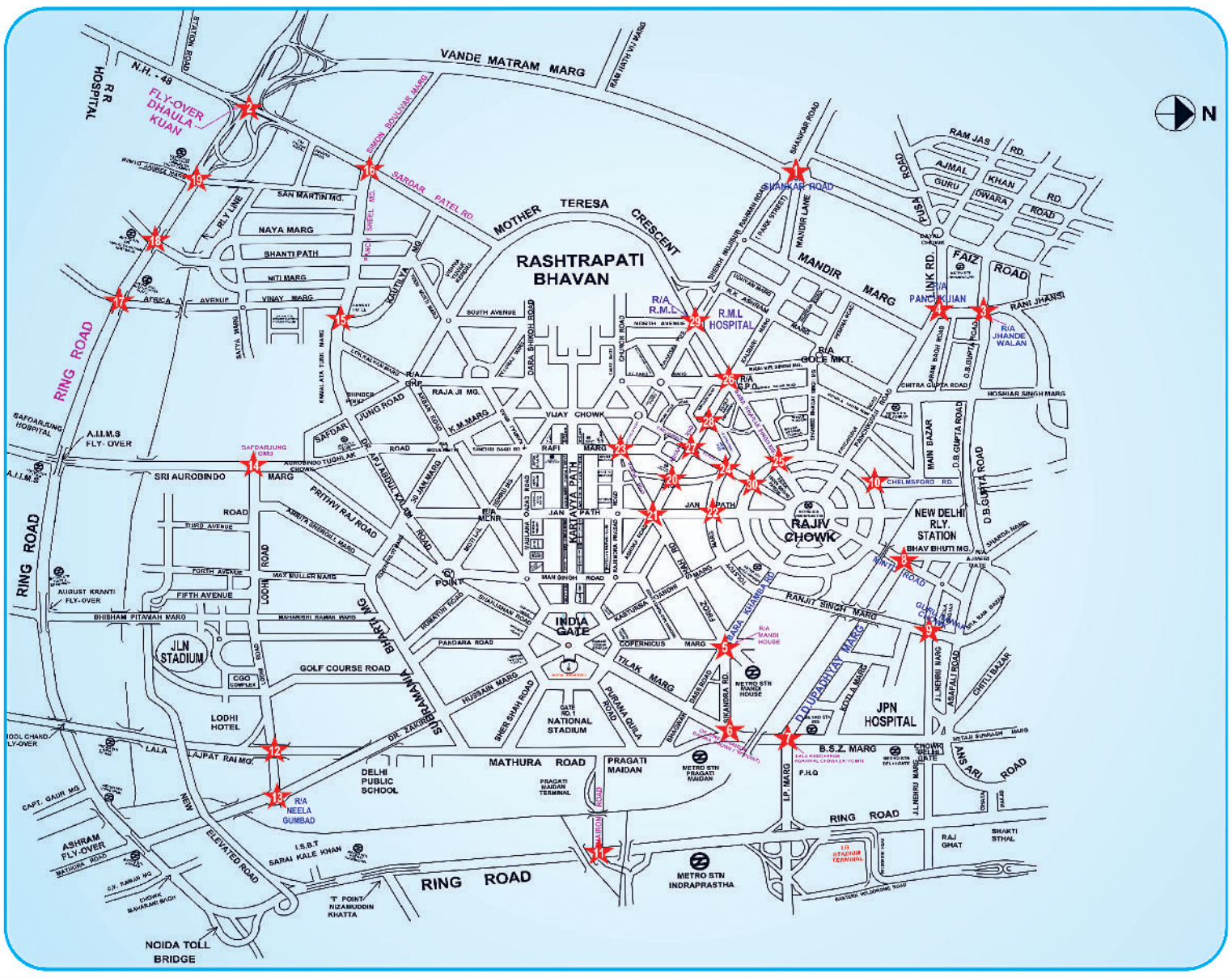
11.10.2026 को दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए

यातायात पुलिस दिल्ली

मौजूदा हालात के आधार पर 11.10.2026 को सुबह 06:00 बजे से ट्रैफ़िक डायवर्जन लागू किया जाएगा

आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे दी गई जगहों और उनके आस-पास के रास्तों पर आवाजाही प्रभावित हो सकती है:-

1. शंकर रोड गोलचक्कर - वंदे मातरम 'T' पॉइंट (नई दिल्ली की ओर)
2. धौला कुआँ फ्लाईओवर
3. झंडेवालान गोलचक्कर
4. पंचकुइयां गोलचक्कर
5. मंडी हाउस गोलचक्कर
6. डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक (W-पॉइंट)
7. राम चरण अग्रवाल चौक (A-पॉइंट)
8. मिंटो रोड/दीन दयाल उपाध्याय मार्ग
9. गुरु नानक चौक
10. चेम्सफोर्ड रोड - आउटर सर्कल कनॉट प्लेस T-पॉइंट
11. भैरों रोड - MGM (रिंग रोड) T-पॉइंट
12. लोधी रोड फ्लाईओवर
13. नीला गुंबद गोलचक्कर
14. मदरसा T-पॉइंट
15. सम्राट होटल गोलचक्कर
16. सरदार पटेल मार्ग - पंचशील मार्ग क्रॉसिंग
17. भीकाजी कामा प्लेस के नीचे
18. मोती बाग फ्लाईओवर के नीचे
19. रिंग रोड - सैन मार्टिन मार्ग T-पॉइंट
20. अशोक रोड - जंतर-मंतर रोड गोलचक्कर
21. विंडसर पैलेस गोलचक्कर
22. टॉल्स्टॉय-जनपथ क्रॉसिंग
23. रेल भवन गोलचक्कर
24. जय सिंह रोड - संसद मार्ग क्रॉसिंग
25. आउटर सर्कल कनॉट प्लेस - बाराखंभा रोड T-पॉइंट
26. गोल डाक खाना गोलचक्कर
27. पटेल चौक गोलचक्कर
28. जय सिंह रोड - अशोक रोड T-पॉइंट
29. RML अस्पताल गोलचक्कर
30. आउटर सर्कल कनॉट प्लेस - संसद मार्ग T-पॉइंट



DP/9920/2026

यात्रियों के लिए सलाह और सुझाव:

- अगर आप नई दिल्ली और सेंट्रल दिल्ली होते हुए रेलवे स्टेशनों, ISBT या एयरपोर्ट जा रहे हैं, तो कृपया यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें।
- यात्रियों से अनुरोध है कि वे गैर-ज़रूरी यात्रा न करें।
- ट्रैफ़िक मैनेजमेंट के उपाय बदलते हालात के अनुसार होंगे और ज़मीनी स्थिति के रियल-टाइम आकलन के आधार पर उनमें ढील दी जाएगी या उन्हें नियंत्रित किया जाएगा।

https://traffic.delhipolice.gov.in https://www.facebook.com/dtptraffic https://twitter.com/dtptraffic https://www.instagram.com/dtptraffic

ट्रैफ़िक प्रहरी बनें | GET IT ON Google Play | या | Download on the App Store | से ऐप डाउनलोड करें | 24 घंटे ट्रैफ़िक हेल्पलाइन: 011-25844444/1095 | पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 14547 | तुरंत पुलिस सहायता पाने के लिए 112 पर कॉल करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने राजनीतिक शासन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उनके काल में अनेक उपलब्धियां दर्ज हुई हैं। मोदी की पहल पर कई योजनाएं शुरू की गईं। स्वच्छ भारत मिशन से करोड़ों शौचालय बने। गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए। जन धन योजना से करोड़ों बैंक खाते खुले। गरीबों को सीधा पैसा मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन दिए। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के लगातार निशाने पर रहने के बावजूद वे दृढ़ रहे हैं। साथ ही देश के विकास में अपनी नीतियों, विकास योजनाओं और उन पर अमल कराने में सफल माने जा सकते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। वर्तमान में देश में दूर-दूर तक कोई नेता नहीं, जो नरेंद्र मोदी का मुकाबला कर सके। कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े लक्ष्य तय



विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। कोई विरोधी भले नकारे, लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।

किसी राजनेता या मनुष्य की पहचान यही है कि कठिन, विकट और विपरीत परिस्थितियों में भी बिना दबाव में आए और डरे या सहमे बिना आत्मविश्वास के साथ व्यापक और बड़े लक्ष्य निर्धारित करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सत्ता के जीवन का मूल्यांकन करें तो आपको दिख जाएगा उन पर यह सिद्धांत सटीक बैठता है। कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता या संभव ही नहीं कि निर्धारित बड़े सभी लक्ष्य उस रूप में हासिल भी हो जाए। सरकार के प्रमुख होने के नाते जो लक्ष्य निर्धारित होते हैं, उनमें केवल मंत्रिमंडल ही नहीं, नौकरशाह, केंद्र से लेकर राज्य और नीचे स्तर तक सारे सरकारी कर्मचारी, मशीनरी और देश के लोगों का भी भरपूर भागीदारी और सहयोग चाहिए होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की सफलताओं के बड़े अंश का दायित्व उस पूरे संघ विचार परिवार को भी जाता है, जिसके वे स्वयंसेवक और प्रचारक रहे। दरअसल, भाजपा अन्य पार्टियों से इस मायने में भिन्न है क्योंकि पूरे संघ संगठन परिवार के लोगों के अंदर यह भाव रहता है कि यह पार्टी या तो हमारी विचारधारा और लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करती है या कम से कम उसके सबसे निकट है। इसलिए जो कुछ उनके अपने अनुकूल लगता है, उसमें चरित्र के अनुरूप संगठन लग जाते हैं। कोई विरोधी भले नकारे लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।



जातीय अस्तित्व का कारक हो सकता है नुकसानदायक

मोदी को देश ने भारत के पहले हिंदू नेता के रूप में सिर पर बिठाया और ऐतिहासिक लोकप्रियता दी। इसे और आगे ले जाने का दायित्व उनके नेतृत्व में समूची सरकार और भाजपा का था और है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में जातीय पहचान और जातीय अस्तित्व का कारक फिर डरावने रूप में खड़ा हुआ है। अगर तुरंत सचेत होकर इससे साहसपूर्वक राजनीतिक जोखिम उठाकर बाहर निकालने और देश को निकालने के लिए व्यवहार और नीतियां नहीं हुई तो यह फिर से बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। दूसरे, जब देश को 2047 तक दुनिया की बड़ी शक्तियों के समक्ष हर दृष्टि से खड़ा करने का लक्ष्य है, तब सरकार और संसद से लेकर पार्टी के अंदर उसी तरह के प्रतिबद्ध, योग्य, समझ रखने वाले और इसके लिए ही जान लगा देने वाले लोगों की संख्या होनी चाहिए। ऐसा न हो कि पार्टी के ज्यादातर नेता स्वयं को सुरक्षित करने में लगे रहें और केवल औपचारिक रूप से कार्यक्रमों में भागीदारी हो। मोदी जी और उनके निकटतम साथी गृह मंत्री अमित शाह ने जो किया वह अद्भुत है। लेकिन क्या उनके बाद की दृष्टि से भी भाजपा में ऐसी टीम खड़ी हो रही है, जो इतनी व्यापक सोच, प्रतिबद्धता और निष्ठा से केवल देश को केंद्र में रखकर राजनीति और सत्ता संचालन करें? उनके जिम्मे ये दो महत्वपूर्ण आवश्यक दायित्व हैं जिसे उन्हें अपने सेवानिवृत होने के पहले हर हाल में पूरा करना चाहिए।

लोगों के व्यवहार में आया बदलाव

कुछ उदाहरण ले सकते हैं। सरकारी नीतियों में समाज सुधार जैसे कार्यक्रम यानी स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला योजना ,बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, लोग सौर ऊर्जा अपनाएं और बिजली बेचें ,खेत की मेड़ों पर वृक्ष लगाएं, फुहारे वाले यानी स्प्रिंकल सिंचाई का उपयोग करें, मोबाइल का धन लेने और भुगतान में उपयोग करें,लखपति दीदी, सरकारी जमीन और आवास घर की महिलाओं के नाम रजिस्ट्री करवाने आदि-आदि। समाज के निचले स्तर पर इनके प्रभावों का अध्ययन करने वाले निष्पक्ष लोग देख रहे हैं कि क्या हुआ। यह नहीं कहा जा सकता, जैसे लक्ष्य थे, जिस प्रकार अभियान आरंभ हुआ, वैसे ही सब कुछ हो गया। लेकिन लोगों के अंदर स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, सिंचाई में पानी बचाने आदि का विचार पैदा हुआ। यह भी सच है कि अनेक राज्यों में सरकारी महकमों ने लोगों के बीच जाकर जन जागरूकता फैलाने और अभियान के स्तर पर इन कार्यक्रम को सफलता तक ले जाने की ईमानदार भूमिका नहीं निभाई। अगर हमारे स्वभाव में ही गंदगी है तो फिर कोई प्रधानमंत्री पूरी तरह दूर नहीं कर सकता। बावजूद यह मानना पड़ेगा कि 2014 से लेकर 2026 तक लोगों की मानसिकता, व्यवहार और इन कार्यक्रमों की परिणतियों से बहुत बड़ा अंतर आया है।

पंचायतों की भूमिका शर्मनाक

विरोधियों में नरेंद्र मोदी और भाजपा आदि को लेकर अजीब किस्म की वितृष्णा और घृणा है। वे हर कार्यक्रम का मजाक उड़ाते हैं और स्वाभाविक ही उनका जो देश के नागरिक और नेता के नाते जैसा सहयोग मिलना चाहिए, वह नहीं मिलता है। सारे विषय सामाजिक - आर्थिक क्रांति के हैं और इसमें सबकी भागीदारी चाहिए जो नहीं हो पाई है। राहुल गांधी से लेकर अनेक नेता स्वच्छता अभियान का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन क्या उनका दायित्व नहीं था, इसमें सहभागिता करके इसे सफलता तक ले जाने के लिए परिश्रम करें? स्वच्छता अभियान तो गांधी जी के जन्म दिवस पर आरंभ हुआ और उनके डेढ़ सौ वीं जन्म शती वर्ष को ध्यान में रखते हुए। इसी तरह प्राथमिक से लेकर मध्य विद्यालयों का कलेवर बदलने के अनेक कार्यक्रम नरेंद्र मोदी सरकार ने दिए और इसी में स्मार्ट क्लास एक था। यह सफेद झूठ है कि इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। अगर आप धरातल पर जाएंगे तो बहुत कुछ हुआ लेकिन फिर सरकारी महकमों और पंचायतों की भूमिका कई स्तरों पर शर्मनाक रही है। जब ग्राम पंचायत के प्रधान वहां के वार्ड मेंबर ही चोरी करने लगेंगे और उनका उद्देश्य कार्यक्रम की सफलता से ज्यादा धन कमाना होगा तो कठिनाई आएगी। जहां लोग जागरूक थे, वहां परिवर्तन आए हैं।

नई शिक्षा नीति से परिवर्तन

शिक्षा सुधार की दृष्टि से नई शिक्षा नीति स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहला प्रयास है जिसमें छात्रों के बचपन से लेकर युवावस्था तक उनकी वास्तविक प्रतिभा के साथ आगे बढ़ने, अनुभवों, उनके जीवन दिशा निर्धारित होने तथा भारत की विविधताओं से एक-दूसरे से परिचित होने के कार्यक्रम हैं। जहां लागू हो रहे हैं, वहां धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है। लेकिन जिन विरोधी सरकारों को केवल विरोध करना है और इसे भगवाकरण बताना है, वहां आप क्या कर सकते हैं। विदेश नीति और आतंकवाद विरोधी नीतियों तक का जब देश में विरोध होगा और एकजुटता नहीं दिखेगी, किसी भी प्रधानमंत्री के लिए शत प्रतिशत सफलता तक ले जाना कठिन होगा। इसके बावजूद मोदी सरकार ने पाकिस्तान के संदर्भ में सीमा पार आतंकवाद पर घर में घुसकर मारने का जो साहस दिखाया, उसे दुनिया स्वीकार रही है। जम्मू कश्मीर पहले से मौलिक तौर पर ज्यादा सुरक्षित हुआ है, किंतु अभी इसकी पूर्ण सुरक्षा और पाकिस्तान की हरकतों पर संपूर्ण नियंत्रण होना शेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को केंद्र बनाएं तो कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो वाकई चिंताजनक हैं और उन पर गहराई से फोकस कर काम करने की आवश्यकता है।

विपक्ष के हर कटाक्ष से और मजबूत हुए मोदी



चुनौती

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत जैसे देश में एक से बढ़कर एक नेता आए। देश की सत्ता परिवर्तन करने में कई नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया और उसी कड़ी में हाल ही के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। लगातार ढाई दशक से देश की राजनीति की मुख्यधारा से जुड़े हुए हैं। कई बार विभिन्न तरीक़े के उतार-चढ़ाव आए लेकिन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहते हुए अपने वर्चस्व को बनाए रखा। राजनीति में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और सिलसिला अभी भी जारी है। भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी का उदय और उनका लंबे समय तक सत्ता के केंद्र में बने रहना समकालीन लोकतंत्र की एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह सवाल कि क्या विपक्ष में कोई नेता उनका मुकाबला कर सकता है, केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि चुनावी परिणामों, नेतृत्व, संगठन और वैकल्पिक नीतियों के आधार पर भी समझा जाना चाहिए । नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला और दिसंबर 2012 तक इस पद पर बने रहे। इस दौरान गुजरात की राजनीति में उनका नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति का प्रमुख हिस्सा बन गया। विकास, प्रशासन, निवेश और मजबूत नेतृत्व की छवि को उन्होंने अपने राजनीतिक संदेश का केंद्रीय आधार बनाया। उनके समर्थकों ने इस मॉडल को गुजरात के विकास से जोड़ा, जबकि आलोचकों ने सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक मुद्दों पर सवाल भी उठाए। वर्ष 2014 में भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख चेहरा बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा। पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया और मोदी प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2019 में भाजपा ने एक बार फिर अपना बहुमत बढ़ाया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई और अपने दम पर बहुमत से दूर रही लेकिन एनडीए ने बहुमत प्राप्त किया और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। यह तथ्य उनके राजनीतिक प्रभाव के साथ-साथ गठबंधन की राजनीति के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना, उसकी नीतियों की समीक्षा करना और जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टिकोण रखना है। मोदी सरकार को भी महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, सामाजिक सद्भाव, केंद्रीय संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, मोदी और भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसे विषयों को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री की सार्वजनिक सभाएं, रेडियो कार्यक्रम, डिजिटल माध्यमों पर सक्रियता और व्यापक चुनावी प्रचार उनकी राजनीतिक शैली के प्रमुख हिस्से रहे हैं। मोदी की राजनीति की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि वे राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को स्थानीय चुनावी विमर्श से जोड़ने का प्रयास करते हैं। इससे समर्थकों तक एक स्पष्ट संदेश पहुंचता है। हालांकि, किसी भी नेता की छवि केवल उसके अपने प्रचार से निर्धारित नहीं होती; जनता का अनुभव, स्थानीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन और सरकार के कामकाज का मूल्यांकन भी चुनावी फैसलों को प्रभावित करता है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारतीय राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई। बाद के दशकों में भाजपा के विस्तार, क्षेत्रीय दलों के उभार और बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों ने कांग्रेस की स्थिति को चुनौती दी। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी नेतृत्व को लेकर सवाल उठे। लेकिन वर्ष 2024 के चुनाव ने यह भी दिखाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। कांग्रेस ने 2019 की 52 सीटों के मुकाबले 2024 में 99 सीटें हासिल कीं। विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी कई राज्यों में भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती प्रस्तुत की। इसलिए यह कहना कि कांग्रेस या पूरा विपक्ष मुकाबले की स्थिति में नहीं है, चुनावी तथ्यों की पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। राजनीतिक मुकाबला केवल किसी एक नेता की लोकप्रियता से तय नहीं होता। संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों का चयन, क्षेत्रीय नेतृत्व, सामाजिक समीकरण, गठबंधन, स्थानीय मुद्दे और मतदाताओं की अपेक्षाएं भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तमाम चुनौतियों के बाद भी मोदी ने अपनी लोकप्रियता में अब तक कोई कमी नहीं आने दी। विपक्ष द्वारा बनाए गए 'इंडिया' गठबंधन ने एक बार को तो मोदी को बड़ी टक्कर देने की हुंकार भी भर ली थी, लेकिन बावजूद इसके किला नहीं भेद पाए। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

संवैधानिक अधिकार की प्रतीक्षा में भोजपुरी



विचार

सुधाकर सिंह

सांसद-लोकसभा बक्सर



शिवेन्द्र राणा

परियोजना सहयोगी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

हिन्दी दिवस बीता। भाषा के सम्मान के बड़े दावों में भोजपुरी भाषी समाज आज स्वतंत्रता के सात दशकों बाद भी प्रश्नवाचक मुद्रा में खड़ा है। जिसे आज भी भी संविधान से न्याय की दरकार है. किन्तु वर्तमान का कटु यथार्थ यही है कि आज सात दशकों से भी अधिक समय पूर्व भारत की स्वतंत्रता एवं संवैधानिक व्यवस्था लागू होने के बाद भी भोजपुरी एवं भोजपुरी भाषी समाज राजनैतिक वादों और संसदीय मजबूरी के बियावन में भटक रहा है।

भाषाई अस्मिता की लड़ाई के इतिहास में भोजपुरी का संघर्ष करीब पांच दशक से भी अधिक पुराना है। सर्वप्रथम कॉमरेड भोगेंद्र झा द्वारा 1969 में प्राइवेट मेंबर बिल लेकर आने से अब तक संसद में इसके लिए 18 निजी बिल आ चुके हैं। इसके अलावा कई बार ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से भी और शून्यकाल के दौरान भी इस मुद्दे को सदन में उठाया जा चुका है लेकिन कभी बोली -भाषा के भेद का तर्क पर, तो कभी नियमों की अस्पष्टता का हवाले से बात आश्वासन तक ही सीमित रही और नतीजा अनिश्चित ही रहा। वर्ष 2003 के 92वें संशोधन के पश्चात आठवीं अनुसूची में सम्मिलित होने का मार्ग क्षेत्रीय भाषाओं के लिए आज तो बन्द है।

अब संवैधानिक तर्कों एवं राजनैतिक विमर्श पर भोजपुरी के दावे का आधार भी देख लें। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 20 करोड़ भारत में और दुनिया के दूसरे 15 देशों से अधिक देशों यथा, फिजी, नेपाल, मॉरीशस, गुयाना, सूरीनाम आदि में 4 करोड़ भोजपुरी भाषियों की संख्या का अनुमान है तथा उपरोक्त विश्व के करीब आठ अन्य देशों में भोजपुरी एक सम्मानित भाषा का दर्जा रखती है तथा वहां के शिक्षण संस्थानों एवं मिडिया जगत में भी इस भाषा का भरपूर इस्तेमाल होता है। ज्ञातव्य है कि 2016 में मॉरीशस की पहल पर यूनेस्को द्वारा भोजपुरी संस्कृति के 'गीत-गवनई' को सांस्कृतिक विरासत का दर्जा दिया गया। यानि तात्पर्य यह है कि आज भारत सरकार जिस भाषा को अपने मूल देश में सम्मान नहीं दे पा रही वो पहले से विश्व के कई देशों में पहले से सम्मानित है और जो काम भोजपुरी उत्पत्ति के मूल राष्ट्र भारत को करना चाहिए था उसे किसी दूसरे देश ने किया। शचीन्द्रनाथ सन्याल 'बंदी जीवन' की भूमिका में लिखा है,' ''किसी समाज को पहचानने के लिए उस समाज के साहित्य से परिचित होने की परम आवश्यकता होती है, क्योंकि समाज के प्राणों की चेतना उस समाज के साहित्य में भी प्रतिबिम्बित हुआ करती है। इसी अनुरूप यदि वास्तविक भोजपुरी समाज का सही निरुपण देखना हो तो विमलानंद सरस्वती की बउधायन, सर्वहारा के कवि जगदीश ओझा की जुलुम भइले राम, विवेकी राय की 'के कहल चुनरी रंगा ल', हृदयेश जी की भोजपुरी सतसई, रामनाथ पाण्डेय की बिंदिया, रहनिदार बेटी, रामप्रसाद राय की थरूहट के बउआ और बहुरिया जैसे भोजपुरी साहित्य का सानिध्य लीजिये, आप भोजपुरी के अंतर्मन को समझ पाएंगे।

आठवीं अनुसूची में क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल करने के पीछे संवैधानिक मान्यता मुख्यः दो उद्देश्यों पर आधारित है, पहला इन भाषाओं के सदस्यों को राजभाषा आयोग में प्रतिनिधित्व मिले और दूसरा इन भाषाओं के रूप, शैली एवं भावों का प्रयोग हिन्दी को समृद्ध बनाने में किया जाये। अर्थात क्षेत्रीय भाषा आठवीं अनुसूची की सुविधा के बदले एक अधिकार प्राप्त होता है और एक कर्तव्य पूर्ति करनी होती है। इसमें पहले अधिकार की माँग भोजपुरी कर रही है जिसके लायक उसे वर्तमान तक समझा नहीं गया और दूसरे, कर्तव्य का पालन वह दशकों से करती आ रही है। यानि भोजपुरी ने राजभाषा के सम्मान में अधिकार के बिना निरंतर दायित्व को पूर्ण किया है। हिन्दी साहित्य का सम्पूर्ण आधुनिक पूर्व का साहित्य तो पूर्व की भाषाओं - बोलियों के साहित्य, शब्द कोष और लेखन संस्कृति ओर आधारित है जिसमें भोजपुरी की प्रमुख भूमिका है।

भाषायी एकता के नाम पर एक बुद्धिजीवी वर्ग भोजपुरी के संवैधानिक अधिकार का विरोधी भी है ताकि हिंदी के एकाधिकार को भोजपुरी चुनौती ना दे सके लेकिन ये कितनी विषमतापूर्ण बात है कि भाषाई एकता स्थापित करने के जूनून में देशज संस्कृतियों का दमन का प्रयास हो और भोजपुरी जैसी प्राचीन भाषा को संवैधानिक संरक्षण से वंचित कर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से वे यही कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त यह विडंबना है कि एक तरफ तो हम हर नये जनगणना आंकड़ों के साथ प्राचीन भाषाओं की विलुप्ति का रोना रोते हैं और उनके संरक्षण के लिए उद्घघोषणा और योजना निर्माण की संवेदना व्यक्त करते हैं। वही भोजपुरी जैसी समृद्ध भाषा को उसके अधिकार से वंचित करके उसके क्षरण को मूक आमंत्रण दे रहे हैं।

भोजपुरी के संवैधानिक अधिकार के विरोधियों को ये भी जानना होगा कि राष्ट्रीय एकता का मजबूत लोकतान्त्रिक ढांचा भाषा, क्षेत्रवाद, जाति, पंथ जैसे क्षुद्र मुद्दों के त्याग पर खड़ा होता है और राजभाषा को समर्थवान बनाने के लिए सबसे ज्यादा त्याग हिन्दी के पक्ष में भोजपुरी ने किया है। सर्वविदित है कि भोजपुरी-अवधी के उन्नयन की समाधि पर ही हिन्दी का भव्य महल खड़ा किया गया है। हिन्दी के महानतम, मूर्धन्य साहित्यकारों भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जयशंकर प्रसाद से लेकर आचार्य रामचंद्र शुक्ल, महावीर प्रसाद द्विवेदी तक की समृद्ध परंपरा इन्हीं भाषा द्वय तथा इन्हीं क्षेत्रों के भूमिपुत्र थे लेकिन इन युगल भाषाओं के प्रतिनिधि क्षेत्रों की मूल सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना ने ही अपने सरस्वती के वरद पुत्रों को राष्ट्रीय एकता के सन्दर्भ में राष्ट्रभाषा हिन्दी की समृद्ध परंपरा के कर्मठ उन्नायक बनने के लिए प्रेरित किया। यह कहने का तात्पर्य है कि राष्ट्रीय एकता के लिए सभी को अपने निजी दृष्टिकोण को उदारता के सांचे में ढालने के लिए तत्पर होना चाहिए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि देश के हर भाषा एवं स्थानीय संस्कृति का संरक्षण, परिवर्धन होता रहे, इसे राष्ट्रीय दायित्व के रूप में स्वीकारना होगा।

वरन इसके दूसरे पक्षानुसार जिस तरह भाषाई अस्मिता का संघर्ष राष्ट्रीय एकता के लिए बाधा पैदा करता है, वैसे ही यह प्रादेशिक समाज में भी अंतर्विरोध पैदा करता है। इस विरोध का निशाना अकसर राजभाषा हिंदी बनती रही है। दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु, केरल, आंध्र के भाषायी आंदोलन इसके प्रमाण हैं। हिंदी की अधिकारिता के नाम पर भोजपुरिया समाज की भावनाओं की अवहेलना उन्हें ऐसे ही उग्र आंदोलन के लिया उकसा सकता है। सवाल है कि क्या सरकार इनकी सुध तभी लेगी जब दक्षिण भारत की तरह पूर्वांचल और बिहार में अपनी भाषा के सम्मान के लिए दंगे- फसाद पर उतार आएंगे। ऐसे में, देश को भोजपुरी भाषियों के संवैधानिक आस्था और संयम की भी प्रशंसा करनी चाहिए जिन्होंने अपने वाचिक विधायी अधिकार के हेतु हिंसा और भयादोहन का सहारा नहीं लिया। किन्तु कटु यथार्थ है कि भोजपुरी हिंदी के सर्वांगीण प्रसार के समक्ष अपनी जीवंत संवेदना के प्रतिरोध से आज तक स्वतंत्र अस्तित्व कायम किये हुए है, जो अब खतरे में दिख रहा है। जिन्होंने ये प्रश्न किया है कि भोजपुरी का क्या शैक्षाणिक उपयोग है उनसे पहले ये प्रश्न किया जाना चाहिए कि डोगरी, नेपाली आदि भाषाएँ जो संवैधानिक सूची में दर्ज हैं, उनका क्या उपयोग है या यूजीसी के पाठ्यक्रम में शामिल बाकी सैकड़ो विषयों की किसी व्यक्ति के जीवन में क्या उपयोगिता है? उन्हें ये भी जानना चाहिए कि उपयोगिता तय करना या बढ़ाना सरकार और सत्ता तंत्र का काम हैं, क्योंकि जब समाज की मातृ भाषा रोजगार और व्यापार की भी भाषा बनेगी तो उसकी राष्ट्रीय उपयोगिता स्वतः सिद्ध होगी। अतः अपनी कार्यात्मक काहिलियत छुपाने के लिए सत्ता तंत्र प्रायोजित बुद्धिजीवियों द्वारा ऐसे ओछे तर्क नहीं दिये जाने चाहिए। आज काशी हिंदू विश्वविद्यालय, शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि, वीर कुंअर सिंह वि.वि., इंदिरा गांधी राष्ट्रीयमुक्त वि.वि., नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय, जेपी विश्वविद्यालय, छपरा जैसे देश के लगभग दर्जन भर से अधिक विश्वविद्यालयों में भोजपुरी से जुड़े पाठ्यक्रम चल रहे हैं लेकिन इस भाषा से सम्बंधित और आधारित रोजगार और व्यवसाय के भविष्य पर भी सत्ता तंत्र मौन रहे हैं और यदि सवाल भाषा बोलने वालों की संख्या पैमाना हैं तो आठवीं अनुसूची में शामिल मैथिली, सिंधी, डोगरी और नेपाली,कोंकणी जैसी लगभग दस भाषाओं के बोलने वालों से भोजपुरी भाषियों की संख्या कही अधिक है तो फिर भोजपुरी को संवैधानिक अधिकार से वंचित करने के पीछे क्या तर्क शेष रहता है?

देश ने अपना खोया गौरव हासिल किया



उपलब्धि

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

साल अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब शायद ही किसी ने सोचा था कि वे एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे वजहें भी थीं। मोदी का गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य को चार मुख्यमंत्रियों को देखना पड़ा था। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं थे और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पर्दे के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित हो चुके थे।

इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का वे लोहा मनवा चुके थे। लेकिन मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत बन चुके हैं। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शख्सियत के जरिए शुरू पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और सर्वस्वीकार्यता कम ही मिलती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिल जाता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं हो रही थीं, जैसे आज मोदी के कई कदमों की कटु आलोचना उनके वैचारिक विरोधी करते हैं। वैसे भी भारतीय समाज पदधारियों का शुरू में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, समाज उसका कुछ अपवादों को छोड़ प्रशंसक हो जाता है। बीजेपी की ही राजनीति का उदाहरण लें सकते हैं। एक दौर में बीजेपी विरोधियों की नजर में अटल उदार थे और आडवाणी कट्टर। लिहाजा वे आलोचनाओं के केंद्र में थे। लेकिन जैसे ही अटल युग की समाप्ति हुई, आडवाणी उन्हीं विरोधियों की नजर में आदर के पात्र होते गए और मोदी के कटु आलोचकों की संख्या बढ़ती गई। कुछ इसी अंदाज में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में आने वाले दिनों में कोई अन्य नेता उभरा तो हो सकता है कि मोदी बीजेपी विरोधियों की नजर में ही प्रशंसा का पात्र बन जाएं और बीजेपी का दूसरा नेता आडवाणी और मोदी की तरह आलोचनाओं के केंद्र में आ जाए। मोदी की सबसे बड़ी चुनौती खुद की स्वीकार्यता बढ़ाना रही, इसमें वे कामयाब रहे। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा समय तक सत्ता को खुद के इर्द-गिर्द केंद्रीकृत करने में भी सफल रहे हैं। आज भारत की केंद्रीय सत्ता ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित है। यह मोदी का दुर्भाग्य रहा कि उनके सत्ता संभालने के महज छह महीने बाद ही राज्य को गोधरा कांड की वजह से भयानक सांप्रदायिक दंगों का सामना करना पड़ा। देश के वामपंथी सोच से प्रभावित स्वयंसेवी संगठनों ने उनके खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा खोल दिया। एक तरह से मोदी को राजनीतिक घृणा का पात्र बनाने की कोशिश की गई। गुजरात दंगों के साथ ही इशरत जहां मुठभेड़ कांड को लेकर उनके खिलाफ सीबीआई जांच हुई। लेकिन मोदी गजब ज

राहुल पर भड़के नितिन नवीन- वे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे

हमारी सरकार विकसित भारत के सपने को पूरा करेगी और 'आप' समर्थित सीजेपी अशांति फैलाने की कोशिश कर रही

हम देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देशविरोधी ताकतों से सख्ती से निपटेंगे। आप समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने पर उतारू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली के प्रदर्शन पर कहा कि राहुल गांधी जो कर रहे हैं, भारत का युवा और सभी नागरिक उन्हें देख रहे है। वे देश के संवैधानिक ढांचे को तार-तार कर रहे हैं और देश के उच्च पदस्थ लोगों के खिलाफ अनर्गल शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। देश की जनता सब कुछ देख रही और जवाब भी देगी। देश को अस्थिर करने की कोशिश की जो आंतरिक व बाह्य कोशिशें की जा रही हैं, वे कभी कामयाब नहीं होंगी। हम देश के विकाश और विश्वास के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देश की सुरक्षा भी करेंगे। प्रधानमंत्री कई बार इसका प्रमाण भी दे चुके हैं। आप समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है।

आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रही कांग्रेस



नवीन ने एलन मस्क के भारत में स्टारलिंक को लाइसेंस मिलने में देरी को लेकर दिए गए बयान पर राहुल के समर्थन को लेकर निशाना साधा है। मस्क ने उद्योगपति मुकेश अंबानी का जिक्र करते हुए भारत में एकाधिकार को लेकर सवाल उठाए थे। राहुल ने कहा था कि भारत में आपका स्वागत है एलन, दूसरे व्यक्ति के बारे में जानेंगे तो और हैरानी होगी। राहुल के इस रुख पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता देश के आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रहे हैं।

रविशंकर ने बोला विपक्ष पर हमला

राहुल इमरजेंसी की बात न कहें, आपकी दादी की बात जगजाहिर हो चुकी



भाजपा ने विपक्ष पर हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि क्या घुसपैठियों को वोटर बनाना चाहिए? हम प्रदर्शन के नहीं, बल्कि अराजकता के खिलाफ हैं। रविशंकर ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे इमरजेंसी की बात न करें, क्योंकि उनकी दादी के बारे में पूरी दुनिया जानती है।

अराजकता फैलाने की कोशिश हो रही

उन्होंने कहा कि दो बातें साफ हो गई हैं। पहली, भारतीय लोकतंत्र ने अराजकता फैलाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। दूसरी, देश संसद से चलेगा, सड़कों से नहीं। कल के नतीजे देख लीजिए।

भारत में लोकतंत्र नहीं बचा: प्रियंका



पुलिस द्वारा रोके जाने पर प्रिंका गांधी संविधान की प्रति हाथ में लेकर सड़क पर बैठ गईं और विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बाद में उन्हें हिरासत में लेकर छत्रसाल स्टेडियम पुलिस स्टेशन पहुंचाया। प्रियंका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत में अब लोकतंत्र नहीं बचा है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के साथ बदसलूकी और बल प्रयोग करने का आरोप लगाया।

24 घंटे में सीजेपी नेताओं की रिहाई नहीं हुई तो करूंगा अनशन: वांगचुक



सीजेपी के प्रदर्शन से जुड़े नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्र और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भारत को अघोषित आपातकाल की स्थिति में बताते हुए कहा कि अगर हिरासत में लिए गए नेताओं को कल तक रिहा नहीं किया गया, तो वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करने के लिए मजबूर होंगे।

आयोग के समर्थन में 124 पूर्व अधिकारी

जीतते हैं तो व्यवस्था ईमानदार हारने पर वहां धांधली कैसी?

सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच देश के 124 पूर्व अधिकारियों ने एसआईआर का पुरजोर समर्थन किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा और संबद्ध सेवाओं के 124 पूर्व अधिकारियों ने देश के नागरिकों के नाम खुला पत्र जारी कर ये बात कही है। अधिकारियों ने खुले पत्र में चुनाव आयोग और एसआईआर का समर्थन करते हुए कहा है कि विश्वसनीय सुबूतों के बिना चुनाव में धांधली के आरोप लगाए जाने पर सवाल उठाए हैं।



अधिकारियों ने कहा कि भारत की चुनावी व्यवस्था बूथ कैप्चरिंग, मतपेटियों में फर्जी वोट डालने और चुनावी हिंसा के दौर से काफी आगे बढ़ चुकी है। जब आप चुनाव जीतते हैं तो व्यवस्था ईमानदार और हारने पर धांधली वाली हो सकती है।

जो भारत के नहीं उन्हीं का नाम कट रहा: मांझी

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जंतर-मंतर के प्रदर्शन को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी पर हमला किया है। मांझी ने कहा कि सीजेपी के लोग अभी नए-नए आए हैं। वे फील्ड तलाश रहे हैं। मांझी ने कहा कि जहां तक चुनाव आयोग का सवाल है तो वह अपना काम कर रहा है। निर्णय सीईसी का होता है। जो भारत के नागरिक नहीं हैं उसी का नाम कट रहा है।



विपक्ष ने कहा

यह जनता का विरोध, आवाज दबा नहीं सकते: राउत



शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि यह जनता का विरोध है और वे जनता की आवाज को दबा नहीं सकते। इस देश में क्या हो रहा है? अगर कोई विरोध करने के लिए देश की राजधानी पहुंचना चाहता है, तो क्या यहां ब्रिटिश शासन लागू है? क्या रॉलेट एक्ट लागू कर दिया गया है?

हम देश की युवा ऊर्जा के साथ: अखिलेश



सपा प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री, अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा! हम देश की युवा ऊर्जा के साथ हैं। भाजपा सरकार अगर समझ रही है कि वो ताकत के बल पर जनता को रोक लेगी तो ये उसकी और भी बड़ी भूल साबित होगी। अगर सरकार ने आंदोलनकारियों को रोका तो देश में हर जगह जंतर-मंतर बन जाएगा।

दिल्ली में जैसे युद्ध के हालात हों: थरूर



सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक्स पर लिखा कि पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों की तैनाती ऐसे की गई है, जैसे युद्ध के हालात हों। उन्होंने कहा कि मैं रात 2 बजे के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौटा और मैंने दिल्ली में जो हालात देखे हैं, वैसे हालात पहले कभी नहीं देखे।

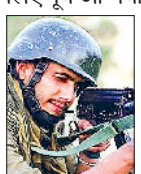
लोगों को अधिकार मांगने से रोक नहीं सकते: खरगे



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई पर कहा है कि सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'डरे हुए' हैं। जो लोग डरते हैं वो आज नहीं तो कल मरते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस की कायरता सामने आ गई है। हिरासत, जेल, लाठीचार्ज और पैलेट गन भी लोगों को अधिकार मांगने से नहीं रोक सकते।

खबर संक्षेप

गुजरात पुलिस में पूर्व अग्निवीरों की सीधी एंट्री



अहमदाबाद। राज्य सरकार ने गुजरात में पुलिस विभाग में भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों को बड़ी राहत दी है। गृह विभाग द्वारा जारी संशोधित नियमों के अनुसार अब पुलिस विभाग के निर्दिष्ट वर्दीधारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया में पूर्व अग्निवीरों को लिखित परीक्षा से भी छूट मिलेगी। इस तरह सरकार ने अब फिजिकल और लिखित परीक्षाओं में छूट दी है।

मिड-डे मील में मिली छिपकली, 15 बच्चे बीमार



भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के खाने में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है। घटना कटहरा पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आजाद नगर पनसल्ला की है। खाना खाने के बाद करीब 15 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

मन्नार की खाड़ी में बना डिप्रेशन, 21 राज्यों में अलर्ट



नई दिल्ली। मानसून की विदाई के बाद भी देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बिगड़ सकता है। रविवार को दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश तक बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ने कुछ इलाकों में आंधी का भी अनुमान जताया है।

ओला स्कूटर ठीक करे या ब्याज सहित पैसा लौटाए



मोहाली। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने लंबी सर्विस लापरवाही के मामले में ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और उसके फेस-2 सर्विस सेंटर के खिलाफ सख्त फैसला दिया है। आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया वह खराब इलेक्ट्रिक स्कूटर को 30 दिन में ठीक करे या ब्याज सहित पूरी रकम लौटाए।

पीएम ने महिला और बाल विकास पर राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की

महिलाओं और बच्चों की देखभाल, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर दिया जोर, 'चिंतन शिविर' लगाकर समग्र विकास पर ध्यान दें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की।



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। विभागीय शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला का हिस्सा रहे इस सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। इसमें पोषण और बचपन की देखभाल, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण तथा बेहतर तालमेल के माध्यम से सेवाओं की पहुंच को मज़बूत करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने गहन चर्चा की सराहना की और केंद्र तथा राज्यों के बीच मिलकर फ़ैसले लेने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि राज्य जिला स्तर और नगर पालिका व महानगर पालिका स्तर पर इसी तरह के 'चिंतन शिविर' आयोजित करके इस मॉडल को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी विशेष 'चिंतन शिविर' आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि वे अनुभव, विचार और व्यावहारिक समाधान एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की।

खास बातें
- विवि आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और अध्ययन कर सकते हैं
- महिला सुरक्षा पर विभागों को ऐहतियाती उपायों पर बल दिया

आंगनवाड़ियों को सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनाने का आह्वान



बच्चों को हर हाल में प्रोत्साहित करें

प्रधानमंत्री ने 'जन भागीदारी' पर ज़ोर देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र को अलग-थलग संस्थान के रूप में काम नहीं करना चाहिए, इसे सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनना चाहिए। परिवारों को भी विशेष अवसरों पर बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन, खिलौने और स्थानीय स्तर पर उपयोगी चीज़ें देकर प्रोत्साहित करें।

विवि आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ जुड़ें

प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ और अधिक जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आस-पास के आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और सामाजिक प्रभाव से जुड़े अध्ययन कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि इससे छात्रों को योगदान देने का मौका मिलेगा और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी जानकारी भी मिलेगी।

युवा ही 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे

प्रधानमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के बारे में बच्चों के लिए उम्र के हिसाब से उपयुक्त मॉड्यूल तैयार करने का सुझाव दिया। मोदी ने अलग-अलग विभागों के प्रयासों को मिलाकर रोकथाम के उपायों पर भी ज़ोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि मंत्रालय और राज्यों से जुड़ी ज़िम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आज आंगनवाड़ी केंद्रों में पल-बढ़ रहे बच्चे ही आगे चलकर युवा और नागरिक बनेंगे जो 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे।

'स्वच्छता अभियान' को सक्रिय बनाएं

प्रधानमंत्री ने साफ़-सफ़ाई, स्वास्थ्य और पोषण के बीच गहरे संबंध का उल्लेख करते हुए देश भर के महिला एवं बाल विकास विभागों से 'स्वच्छता अभियान' की सक्रिय रूप से ज़िम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अच्छा स्वास्थ्य और पोषण साफ़-सफ़ाई से ही शुरू होता है और आंगनवाड़ी केंद्र तथा आस-पास स्वच्छता जरूरी है।

'वोकल फ़ॉर लोकल' को बढ़ावा दें

प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए 'वोकल फ़ॉर लोकल' यानी स्थानीय के लिए मुखर और 'एक ज़िला एक उत्पाद' जैसे राष्ट्रीय आंदोलनों को बढ़ावा दें। महिलाओं के समूह और सामुदायिक संस्थाएं स्थानीय उत्पादों, आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भागीदार बन सकती हैं।

मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की 13 हजार करोड़ की परियोजना की देंगे सौगात

पीएम मोदी का तमिलनाडु दौरा आज



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चेन्नई के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम 13,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजना लॉन्च करेंगे। इसमें नया मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अहम काम शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि पीएम मोदी पूरी हो चुकी सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे, परियोजनाओं को देश को समर्पित करेंगे और नए कामों की आधारशिला रखेंगे। इसमें मेट्रो रेल, हाईवे, रेलवे, पोर्ट, पेट्रोलियम और शिक्षा से जुड़े काम शामिल हैं।

कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे

कामराजार पोर्ट पर, पीएम मोदी कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे। वह मनाली रिफाइनरी में सीपीसीएल के 1,620 करोड़ रुपए के लुब्रिकेंट बेस स्टॉक परियोजना की आधारशिला रखेंगे, जिसकी सालाना क्षमता 270,000 टन होगी।

पोरुर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे

प्रमुख परियोजना में चेन्नई मेट्रो के फेज दो का 4,900 करोड़ का पूनामल्ली-वडापलानी रूट शामिल है। 3.7 किमी लंबे डबल-डेकर स्ट्रक्चर और ड्राइवरलेस ऑपरेशन के लिए डिजाइन किए गए सिग्नलिंग सिस्टम वाले इस कॉरिडोर से पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्र के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। पीएम मोदी सुबह 11.30 बजे पोरुर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे। वे जलकंडेश्वर मंदिर जाएंगे और आईआईटी मद्रास में ब्रेन सेंटर का दौरा करेंगे।

वाइल्डलाइफ गार्ड, आईआरबी कांस्टेबल, एसडीआरएफ कांस्टेबल और फायर ऑपरेटर-कम-ड्राइवर पदों के लिए भी छूट मिलेगी

ग्रुप-सी भर्ती के लिए पूर्व-अग्निवीरों को मिलेगी सभी परीक्षाओं से छूट, हरियाणा की कैबिनेट ने मंजूरी दी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली



मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई हरियाणा कैबिनेट की बैठक में, सरकारी विभागों में सेवा के लिए पूर्व-अग्निवीरों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कौशल को मान्यता देते हुए उनके पुनर्वास और लाभपरक रोजगार को सुगम बनाने के लिए राज्य की अग्निवीर नीति में संशोधनों को मंजूरी दी गई। स्वीकृत संशोधनों के तहत, पूर्व-अग्निवीरों को इस नीति के अंतर्गत आने वाले ग्रुप-सी पदों पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित सभी प्रकार की परीक्षाओं से छूट दी जाएगी। निर्धारित आरक्षण और अन्य भर्ती प्रावधानों के अधीन, विज्ञापित पदों के विरुद्ध सीधी नियुक्ति के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा।

कैबिनेट ने पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग में वाइल्डलाइफ गार्ड, इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) में कांस्टेबल, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) में कांस्टेबल तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में फायर ऑपरेटर-कम-ड्राइवर के पदों के लिए आवेदन करने वाले पूर्व-अग्निवीरों को शारीरिक जांच परीक्षा (पीएसटी) और शारीरिक माप परीक्षा (पीएमटी) से भी (यथा लागू) छूट की मंजूरी दी। इन पदों को हाल ही में राज्य की पूर्व-अग्निवीर आरक्षण नीति के तहत शामिल किया गया था। ये संशोधन हरियाणा के मूल निवासी पूर्व-अग्निवीरों को निर्दिष्ट सरकारी पदों पर क्षैतिज (हॉरिजॉन्टल) आरक्षण प्रदान करने की हरियाणा सरकार की मौजूदा नीति के अनुरूप किए गए हैं। परीक्षाओं से छूट की यह व्यवस्था नीति के अंतर्गत आने वाले ग्रुप-सी पदों पर सीधी भर्ती पर लागू होगी। हालांकि, नियुक्ति के बाद संबंधित विभागीय सेवा नियमों के अन्य सभी नियम, शर्तें और प्रावधान लागू होंगे।

हरियाणा सरकार ने मीडिया कर्मियों के लिए आर्थिक सहायता दुगुनी की

ढाई लाख से बढ़ाकर 5 लाख रु. करने को दी मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में शनिवार को चंडीगढ़ में हुई हरियाणा कैबिनेट की बैठक में 'हरियाणा मीडिया पर्सनल वेलफेयर फंड एडमिनिस्ट्रेशन स्कीम' में संशोधन को मंजूरी दी गई।

- मुख्यमंत्री सैनी ने 2026-27 के बजट भाषण में की थी घोषणा

इसके तहत पात्र मीडिया कर्मियों के लिए आर्थिक सहायता की अधिकतम सीमा को हर मामले में 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है। खास बात यह है कि कैबिनेट ने यह फैसला मुख्यमंत्री द्वारा 2 मार्च, 2026 को हरियाणा विधानसभा में वर्ष 2026-27 के बजट भाषण के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप लिया गया है। बजट भाषण के दौरान, मुख्यमंत्री ने आपात स्थिति में मीडिया कर्मियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता की अधिकतम सीमा को 2.50 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने की घोषणा की थी।

हरियाणा सरकार के इस फैसले से बीमारी, मृत्यु, दुर्घटना या अन्य आपातकालीन स्थितियों के कारण गंभीर जरूरत पड़ने पर पात्र मीडिया कर्मियों और उनके आश्रितों या कानूनी उत्तराधिकारियों को बढ़ी हुई आर्थिक सहायता मिलेगी। हालांकि, 'हरियाणा मीडिया पर्सनल वेलफेयर फंड एडमिनिस्ट्रेशन स्कीम' के अन्य पात्रता मानदंड और नियम-शर्तें पहले जैसे ही रहेंगे।

एक पन्ने की वित्तीय योजना से बिखरे पैसे को दें सही दिशा

▶▶ कमाई आते ही तय करें किस हिस्से से खर्च, सुरक्षा, कर्ज और निवेश ▶▶ छोटी लेकिन स्पष्ट योजना लंबे समय में बना सकती है बड़ा कोष ▶▶ बीमा, आपातकालीन निधि, कर्ज और निवेश का तय करें क्रम ▶▶ हर महीने आय आते ही पैसा अपने लक्ष्य के अनुसार ही करें आवंटित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कमाई अच्छी होने के बावजूद कई लोगों की आर्थिक स्थिति इसलिए मजबूत नहीं हो पाती, क्योंकि उनका पैसा अलग-अलग जगह बिखरा रहता है। किसी बैंक खाते में कुछ रकम, कहीं बीमा पॉलिसी, क्रेडिट कार्ड का बकाया, किसी म्यूचुअल फंड में छोटी-सी राशि और थोड़ी बचत घर में... लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि कुल संपत्ति कितनी है और किस लक्ष्य के लिए कितना पैसा जमा किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जरूरत निवेश के नए विकल्प तलाशने की नहीं, बल्कि पहले से मौजूद पैसों को व्यवस्थित करने की होती है। इसके लिए जरूरी नहीं कि कोई जटिल वित्तीय योजना बनाई जाए। एक पन्ने पर आय, खर्च, कर्ज, सुरक्षा और निवेश की पूरी तस्वीर लिखना भी काफी मददगार हो सकता है। इस योजना का मकसद यह तय करना है कि कमाई खाते में आते ही पैसा कहां और कितना जाएगा, ताकि खर्च के बाद जो बचे उसी से निवेश करने की आदत न बने।

पहला कदम : आर्थिक सुरक्षा मजबूत करें

निवेश शुरू करने से पहले वित्तीय सुरक्षा की नींव मजबूत करना जरूरी है। यदि परिवार में आपकी आय पर दूसरे सदस्य निर्भर हैं तो पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और जरूरत के अनुसार टर्म जीवन बीमा पर ध्यान देना चाहिए। बीमा का उद्देश्य निवेश से कमाई करना नहीं, बल्कि अचानक आने वाले बड़े आर्थिक संकट से परिवार को बचाना है। इसी तरह कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि के रूप में अलग रखना उपयोगी है। इसे ऐसे साधन में रखा जाना चाहिए, जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से उपलब्ध हो। इस पैसे को शेयर बाजार में लगाकर ज्यादा रिटर्न कमाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

दूसरा कदम : महंगे कर्ज से पहले छुटकारा

अगर क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत ऋण या किसी तत्काल ऋण पर बहुत ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है तो निवेश बढ़ाने से पहले ऐसे कर्ज को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। मसलन, क्रेडिट कार्ड का बकाया लंबे समय तक छोड़ने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे कर्ज के रहते बाजार में निवेश करके ज्यादा रिटर्न कमाने की उम्मीद करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं। सामने बकाया रकम, ब्याज दर और हर महीने की किस्त लिखें। ज्यादा ब्याज वाले असुरक्षित कर्ज को पहले चुकाने की कोशिश करें।



हर महीने नहीं, समय समय पर करें समीक्षा

वित्तीय योजना का मतलब रोज शेयर बाजार देखना या बार-बार निवेश बदलना नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लंबी अवधि के निवेशक के लिए अनुशासन और निरंतरता ज्यादा महत्वपूर्ण है। हां, आय बढ़ने, नौकरी बदलने, शादी, बच्चे होने, घर खरीदने या बड़े कर्ज जैसी परिस्थितियों में योजना की समीक्षा जरूर करनी चाहिए।

तीसरा कदम : लक्ष्यों के हिसाब से करें निवेश

सारी बचत को एक ही जगह लगाना सही रणनीति नहीं है। पहले यह तय करें कि पैसा कब चाहिए। पांच साल से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बहुत ज्यादा जोखिम वाले निवेश से बचना बेहतर है। वाहन खरीदना, घर की मरम्मत, बच्चों की निकट अवधि की फीस या अन्य जरूरी खर्च इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए सुरक्षित बचत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। वहीं 10 साल या उससे अधिक अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति, बच्चों की उच्च शिक्षा या लंबे समय में संपत्ति बनाने जैसे लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड या व्यापक बाजार सूचकांक आधारित फंड विकल्प हो सकते हैं। हालांकि निवेश का चुनाव व्यक्ति की जोखिम क्षमता, उम्र, आय और लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए।

चौथा कदम : निवेश को अपने आप चलने दें

वित्तीय योजना तभी सफल होती है जब उसे नियमित रूप से लागू किया जाए। इसके लिए एसआईपी जैसी स्वचालित व्यवस्था उपयोगी हो सकती है। वेतन या आय खाते में आते ही निर्धारित रकम निवेश के लिए अलग हो जाए तो महीने के अंत में बची रकम निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। मान लीजिए किसी व्यक्ति की मासिक आय 60 हजार रुपये है। वह जरूरी खर्च और सुरक्षा की रकम तय करने के बाद 10 हजार रुपये लंबे समय के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहता है। यदि हर महीने एक निश्चित तारीख को यह रकम स्वतः निवेश हो जाए तो बाजार की रोजाना की खबरों या मूड के आधार पर निवेश रोकने की संभावना कम होगी।

5वां कदम : लिखें पूरी तस्वीर

- मासिक आय : कितनी रकम हाथ में आती है।
- जरूरी खर्च : घर चलाने में कितना खर्च होता है।
- कर्ज : कितना बकाया है और ब्याज।
- आपातकालीन निधि : कितनी रकम अलग रखी।
- बीमा : स्वास्थ्य और जीवन बीमा कितना है।
- निवेश : हर महीने कितनी रकम और किस लक्ष्य के लिए निवेश होगी।
- लक्ष्य : अगले 3, 5, 10 और 20 साल में किन जरूरतों के लिए पैसा चाहिए।
- एक पन्ने से व्यक्ति को हर माह यह समझने में आसानी होगी कि उसकी आय कहां जा रही है व भविष्य के लिए कितना पैसा तैयार हो रहा है।

पुराने खातों और निवेश की भी करें सफाई

कई लोगों के पास जरूरत से ज्यादा बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड और छोटे-छोटे निवेश होते हैं। समय-समय पर इनकी समीक्षा करनी चाहिए। जिन खातों या कार्ड का उपयोग नहीं हो रहा है, उनकी जरूरत और शुल्क की जांच करें। अलग-अलग निवेशों की सूची बनाकर देखें कि कहीं एक ही तरह के कई उत्पाद तो नहीं हैं। साथ ही बैंक खाते, बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर और अन्य वित्तीय निवेशों में नॉमिनी की जानकारी अपडेट रखें। परिवार में किसी अनहोनी की स्थिति में यह छोटी-सी सावधानी बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पैसा बचाना ही पर्याप्त नहीं, उसे सही दिशा देना जरूरी

एक अच्छी वित्तीय योजना वह नहीं जिसमें सबसे ज्यादा निवेश उत्पाद हों, बल्कि वह है जिसमें हर रुपये की भूमिका स्पष्ट हो। पहले सुरक्षा, फिर महंगे कर्ज से मुक्ति और उसके बाद लक्ष्य आधारित निवेश—यह सरल क्रम आर्थिक अव्यवस्था को व्यवस्थित करने में मदद कर सकता है। योजना एक बार बनाकर भूलने के बजाय साल में कम से कम एक बार उसकी समीक्षा करें। धीरे-धीरे आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम बढ़ाते रहें। यही अनुशासन लंबे समय में छोटी बचत को बड़ा वित्तीय सहारा बना सकता है।

30 की उम्र में निवेश शुरू कर रहे हैं तो पहले साल ऐसे बनाएं मजबूत आधार

- पहले आपातकालीन निधि और महंगे कर्ज से निपटें
- लक्ष्य के हिसाब से बचत और निवेश करना शुरू करें
- लंबी अवधि के लिए एसआईपी और सूचकांक फंड बेहतर विकल्प

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आपकी उम्र 30 साल है और आपने अभी तक निवेश शुरू नहीं किया है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इस उम्र में आपके पास लंबी अवधि का फायदा उठाने के लिए पर्याप्त समय है। हालांकि निवेश की शुरुआत किसी खास शेयर या म्यूचुअल फंड को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति समझने से होनी चाहिए। पहले साल का लक्ष्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसी वित्तीय व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए जिसे आने वाले वर्षों में आसानी से जारी रखा जा सके। निवेश शुरू करने से पहले तीन सवालों के जवाब तलाशें-पैसा किस लक्ष्य के लिए चाहिए, कब चाहिए और बाजार में गिरावट आने पर आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। इसके आधार पर ही निवेश की दिशा तय होगी।

सबसे पहले बनाएं आपातकालीन निधि

यदि आपके पास बचत नहीं है और क्रेडिट कार्ड या व्यक्तिगत ऋण जैसा महंगा कर्ज चल रहा है तो पहले साल का पूरा ध्यान निवेश बढ़ाने के बजाय वित्तीय आधार मजबूत करने पर होना चाहिए। कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि में रखना उपयोगी है। नौकरी जाने, बीमारी, अचानक बड़े खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में यही रकम काम आएगी। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला जा सके। आपातकालीन निधि बनने के बाद ही लंबी अवधि के निवेश को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।



महंगे कर्ज को निवेश से पहले खत्म करें

क्रेडिट कार्ड का बकाया या ज्यादा ब्याज वाला व्यक्तिगत ऋण आपकी आर्थिक प्रगति को धीमा कर सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं और ब्याज दर देखें। ज्यादा ब्याज वाले कर्ज को पहले चुकाना बेहतर है। कर्ज खत्म होने के बाद उसकी मासिक किस्त के बराबर रकम को निवेश में लगाया जा सकता है। इस तरह कर्ज चुकाने की आदत सीधे निवेश की आदत में बदल सकती है।

हर लक्ष्य की तय करें समय सीमा

निवेश का तरीका इस बात पर निर्भर करता है कि पैसा कब चाहिए। तीन साल के भीतर जरूरत पड़ने वाली रकम को शेयर बाजार जैसे उतार-चढ़ाव वाले साधनों में लगाने से बचना चाहिए। कार खरीदना, शादी, घर की शुरुआती रकम या निकट अवधि की शिक्षा जैसे लक्ष्य इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए बैंक सावधि जमा, आवर्ती जमा या अन्य अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। दूसरी ओर, यदि लक्ष्य 10, 15 या 20 साल दूर है तो बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति या बच्चे की उच्च शिक्षा जैसे लंबे लक्ष्यों में महंगाई को ध्यान में रखना जरूरी है।

शुरुआती निवेशक के लिए सूचकांक फंड सरल विकल्प

लंबी अवधि के निवेश की शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए व्यापक बाजार सूचकांक पर आधारित म्यूचुअल फंड एक सरल विकल्प हो सकता है। ऐसे फंड किसी प्रमुख सूचकांक की कंपनियों में निवेश करते हैं। इससे एक ही कंपनी पर निर्भरता कम होती है और निवेशक को अलग-अलग शेयर चुनने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि इक्विटी आधारित निवेश में बाजार जोखिम रहता है। इसलिए इसका इस्तेमाल उन्हीं लक्ष्यों के लिए करना चाहिए जिनकी समय सीमा लंबी हो।

उदाहरण से समझें

मान लीजिए रोहन की उम्र 30 साल है और उसे हर महीने कर कटौती के बाद 80 हजार रुपये मिलते हैं। उसके पास पहले से आपातकालीन निधि है। वह दो साल बाद कार खरीदना चाहता है और साथ ही सेवानिवृत्ति के लिए भी निवेश शुरू करना चाहता है। ऐसी स्थिति में वह अपनी क्षमता के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, हर महीने 15 हजार रुपये कार के लक्ष्य के लिए सुरक्षित बचत में और 15 हजार रुपये लंबी अवधि के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा सकता है। इस तरह दोनों लक्ष्यों का पैसा अलग रहेगा। कार के लिए रखा पैसा बाजार की गिरावट से प्रभावित नहीं होगा और सेवानिवृत्ति के लिए किया गया निवेश लंबे समय तक बढ़ने का अवसर पाएगा।

जोखिम क्षमता भी समझें

सिर्फ यह देखकर निवेश न करें कि कोई फंड या शेयर पिछले साल कितना बढ़ा। पहले यह समझें कि बाजार में 20-30 प्रतिशत गिरावट आने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी। मान लीजिए आपने 10 हजार रुपये निवेश किए और कुछ समय बाद उसकी कीमत घटकर 8 हजार रुपये रह गई। यदि इससे आप घबरा कर निवेश बेच देंगे तो इक्विटी निवेश आपके लिए कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप उतार-चढ़ाव को स्वीकार कर लंबे समय तक निवेश बनाए रख सकते हैं तो आपकी जोखिम क्षमता ज्यादा हो सकती है। यानी निवेश का चुनाव केवल रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि लक्ष्य और जोखिम क्षमता देखकर करें।

बचत को हर माह की आदत बनाएं

- सबसे कम कमाई वाले महीने को आधार बनाएं
- वेतन आते ही बचत अलग खाते में डालें
- पहले तैयार करें अपने लिए आपातकालीन कोष
- लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार

कई लोगों की कमाई हर महीने एक जैसी नहीं होती। कभी बोनस मिल जाता है तो कभी अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। ऐसे अच्छे महीने में बचत भी बढ़ जाती है, लेकिन अचानक आया बड़ा खर्च या कम आय वाला महीना पूरी बचत खत्म कर देता है। नतीजा यह होता है कि कई साल कमाने के बाद भी व्यक्ति के पास आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रकम नहीं होती। समस्या हमेशा कम कमाई नहीं होती, बल्कि नियमित बचत के लिए तय व्यवस्था का अभाव भी इसका बड़ा कारण है। वित्तीय मजबूती के लिए बचत को महीने के अंत में बची रकम पर निर्भर करने के बजाय इसे कमाई का पहला काम बनाना जरूरी है। यानी पैसा आते ही बचत की रकम अलग और उसके बाद खर्च। यही छोटी आदत लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार कर सकती है।

पहले समझें, बचत क्यों नहीं हो रही

बचत शुरू करने से पहले यह पता लगाना जरूरी है कि पैसा बच क्यों नहीं रहा। कुछ लोगों की आय हर महीने बदलती है। स्वतंत्र काम करने वाले, कमीशन पर काम करने वाले या कारोबार से जुड़े लोगों के लिए एक महीने की आय दूसरे महीने से काफी अलग हो सकती है। दूसरी समस्या यह है कि बचत का इरादा तो होता है, लेकिन हर महीने कोई न कोई खर्च उसे पीछे धकेल देता है। कई लोग सोचते हैं कि महीने के अंत में जो रकम बचेगी, उसे बचा लेंगे। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बहुत कम रकम बचती है। इसलिए बचत के लिए इच्छा नहीं, व्यवस्था बनाना जरूरी है।

3 माह की आय से तय करें अपना बजट

सबसे पहले पिछले तीन महीनों की कुल आय देखें और उसका औसत निकालें। लेकिन यदि आय में काफी उतार-चढ़ाव रहता है तो औसत आय के बजाय सबसे कम आय वाले महीने को अपना बजट आधार बनाना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को तीन महीनों में 40 हजार, 48 हजार और 35 हजार रुपये मिले। औसत आय करीब 41 हजार रुपये बैठती है, लेकिन बजट 35 हजार रुपये की सबसे कम आय को आधार मानकर बनाया जा सकता है। इससे कम आय वाले महीने में भी जरूरी खर्च पूरे करने में परेशानी नहीं होगी। अब इसमें से किराया, राशन, बिजली-पानी, आने-जाने और अन्य जरूरी खर्च अलग करें।

योजना
बिजनेस डेस्क



वेतन आते ही पहले बचत करें

नियमित वेतन पाने वालों के लिए सबसे आसान तरीका है—पहले खुद को भुगतान करें। मान लीजिए आपकी मासिक आय 40 हजार रुपये है और आप हर महीने 5 हजार रुपये बचाना चाहते हैं। वेतन खाते में आते ही 5 हजार रुपये दूसरे खाते में स्वतः स्थानांतरित करने की व्यवस्था कर दें। इसके बाद बचे पैसे से महीने का खर्च चलाएं। इसका फायदा यह है कि बचत की रकम खर्च करने वाले खाते में पड़ी ही नहीं रहेगी। बचत को इच्छाशक्ति के भरोसे रखने के बजाय स्वचालित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आय तय नहीं तो प्रतिशत के हिसाब से बचाएं

यदि कमाई हर महीने अलग है तो निश्चित रकम बचाने के बजाय आय का एक तय प्रतिशत अलग करना बेहतर हो सकता है। उदाहरण के लिए हर भुगतान का 15 से 20 प्रतिशत बचत खाते में डालने का नियम बनाया जा सकता है। मान लीजिए किसी स्वतंत्र पेशेवर की मासिक आय 25 हजार से 60 हजार रुपये के बीच रहती है। वह हर भुगतान का 18 प्रतिशत बचत के लिए अलग करता है। इस तरह कम आय वाले महीने में बचत की रकम कम होगी और ज्यादा कमाई होने पर बचत अपने आप बढ़ जाएगी।

बचत के लिए अलग खाता रखें

बचत और रोजमर्रा के खर्च का पैसा एक ही खाते में रखने से अनजाने में बचत खर्च होने की संभावना रहती है। इसलिए बचत के लिए अलग बैंक खाता रखना उपयोगी हो सकता है। संभव हो तो इसे रोजमर्रा के खाते से अलग बैंक में रखें। बोनस, कर वापसी या अचानक मिली अतिरिक्त रकम का एक हिस्सा सीधे इसी खाते में डाल सकते हैं।

पहले आपातकालीन कोष, बाद में ज्यादा रिटर्न

बचत का पहला उद्देश्य हर बार ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं होना चाहिए। पहले ऐसा आपातकालीन कोष तैयार करें जिससे अचानक आने वाले खर्च के समय निवेश या कर्ज पर निर्भरता कम हो। नियमित वेतन वालों के लिए तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि एक अच्छा आधार हो सकती है। वहीं जिनकी आय में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहता है, वे छह से नौ महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम रखने पर विचार कर सकते हैं। यह रकम ऐसे विकल्प में रखी जानी चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो। आपातकालीन निधि का पहला उद्देश्य सुरक्षा और तरलता है, अधिकतम रिटर्न नहीं।

योजना बनाकर भूल जाना भी ठीक नहीं

बचत की योजना बनाकर उसे भूल जाना भी सही नहीं है। महीने में केवल 15 मिनट निकालकर देखें कि आय कितनी रही, जरूरी खर्च कितना हुआ और तय बचत लक्ष्य पूरा हुआ या नहीं। यदि किराया बढ़ गया, परिवार में नया खर्च जुड़ गया या आय में बदलाव हुआ है तो बचत लक्ष्य में भी बदलाव किया जा सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि बचत पूरी तरह बंद न हो।

इन पांच गलतियों से बचें

- महीने के अंत में बचतः तब तक पैसा खत्म हो सकता है।
- एक ही खाते में बचत और खर्चः बचत अनजाने में खर्च हो सकती है।
- सिर्फ अच्छे महीने में बचतः इससे नियमित आदत नहीं बनती।
- बिना बजट तय किए रकम निर्धारित करनाः लक्ष्य आपकी वास्तविक आय से मेल खाना चाहिए।
- योजना की समीक्षा न करनाः आय और खर्च बदलने के साथ बजट भी बदलना चाहिए।

निवेश से पहले बचत की मजबूत नींव जरूरी

शेयर, म्यूचुअल फंड या किसी अन्य निवेश में पैसा लगाने से पहले नियमित बचत की आदत और आपातकालीन निधि तैयार करना जरूरी है। कम रकम से शुरुआत करना कोई समस्या नहीं है। महीने में 500 रुपये भी नियमित रूप से बचाना उस महीने हजारों रुपये बचाकर अगले महीने फिर शून्य पर पहुंचने से बेहतर है।

अलर्ट 3 से 10 साल की अवधि में निवेश करने का बेहतीन विकल्प, लक्ष्य के हिसाब से तय होगी मासिक किस्त, तैयार होगा फंड

बच्चे के नाम हर महीने बचत, तैयार होगा एक लाख का फंड एसबीआई की 'हर घर लखपति' आरडी में 6.7% सालाना ब्याज

समझदारी
बिजनेस डेस्क

बच्चे की पढ़ाई, उच्च शिक्षा या भविष्य की किसी बड़ी जरूरत के लिए समय रहते बचत शुरू करना समझदारी है। ऐसे में अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव से अलग रहकर हर महीने एक निश्चित रकम जमा करना चाहते हैं, तो भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई की 'हर घर लखपति' योजना एक विकल्प हो सकती है। यह कोई अलग निवेश उत्पाद नहीं, बल्कि रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी का एक रूप है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम जमा करता है और तय अवधि पूरी होने पर जमा रकम के साथ ब्याज मिलता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस योजना में फिलहाल 6.7% सालाना ब्याज मिल रहा है। निवेश की अवधि 3 साल से 10 साल तक रखी जा सकती है। यानी अभिभावक बच्चे की उम्र और भविष्य के लक्ष्य के हिसाब से अवधि चुन सकते हैं।

क्या है 'हर घर लखपति' योजना?

नाम से लग सकता है कि यह कोई अलग सरकारी योजना है, लेकिन वास्तव में यह एसबीआई की आरडी आधारित सुविधा है। इसका उद्देश्य नियमित बचत के जरिए एक तय लक्ष्य राशि तैयार करना है। इसे सामान्य आरडी की तरह समझ सकते हैं, जिसमें हर महीने एक निश्चित राशि जमा करनी होती है। मसलन, अगर अभिभावक बच्चे के लिए हर महीने थोड़ी रकम अलग रखते हैं तो कुछ वर्षों में यह रकम ब्याज के साथ एक बड़े फंड में बदल सकती है।

3 से 10 साल तक निवेश

इस योजना में 3 साल से 10 साल तक की अवधि चुनी जा सकती है। अवधि का चुनाव बच्चे की जरूरत के हिसाब से करना महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए पांच साल बाद रकम चाहिए तो पांच साल की अवधि वाला लक्ष्य बनाया जा सकता है। अगर जरूरत 10 साल बाद है तो लंबी अवधि का विकल्प चुना जा सकता है। हालांकि निवेश की अवधि तय करते समय यह भी देखना चाहिए कि बीच में पैसों की जरूरत पड़ सकती है या नहीं। समय से पहले आरडी बंद करने पर बैंक के नियम लागू हो सकते हैं।



बच्चे के नाम पर खाता कैसे खुलेगा?

इस योजना में कोई व्यक्ति सिंगल या जॉइंट अकाउंट खोल सकता है। 10 साल से अधिक उम्र के बच्चे के नाम पर भी खाता खोला जा सकता है, लेकिन इसके लिए बच्चे का ठीक से हस्ताक्षर करने में सक्षम होना जरूरी है। यदि बच्चा हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं है तो उसके नाम पर खाता माता-पिता या अभिभावक के साथ खोला जा सकता है। यानी बच्चे की उम्र और उसकी हस्ताक्षर करने की क्षमता के आधार पर खाते का संचालन तय होगा।

1 लाख रुपये का लक्ष्य कैसे पूरा होगा?

अगर आपका लक्ष्य बच्चे के लिए 5 साल में 1 लाख रुपये का फंड तैयार करना है तो उपलब्ध गणना के अनुसार हर महीने करीब 1,420 रुपये जमा करने होंगे। इसी तरह यदि आप 10 साल में 1 लाख रुपये का लक्ष्य रखते हैं तो मासिक जमा करीब 610 रुपये होगी। इससे यह समझना आसान है कि लंबी अवधि चुनने पर मासिक बचत का बोझ कम हो सकता है। हालांकि इन आंकड़ों को उदाहरण के रूप में देखना चाहिए। वास्तविक मासिक किस्त बैंक की लागू ब्याज दर, आरडी की शर्तों और गणना पद्धति के अनुसार बदल सकती है।

लक्ष्य बढ़ाएं तो किस्त भी बढ़ेगी

इस योजना में लक्ष्य केवल 1 लाख रुपये तक सीमित नहीं है। निवेशक अपनी जरूरत के अनुसार 2 लाख, 3 लाख, 4 लाख रुपये या उससे अधिक का लक्ष्य भी निर्धारित कर सकता है। लक्ष्य राशि बढ़ने के साथ मासिक किस्त भी बढ़ेगी। मसलन, जिस परिवार को बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये का फंड बनाना है, वह छोटी अवधि के बजाय लंबी अवधि चुनकर मासिक निवेश का बोझ कम रखने की कोशिश कर सकता है।

छोटी बचत से बड़ा लक्ष्य

इस योजना का सबसे बड़ा फायदा अनुशासित बचत है। अक्सर परिवार एकमुश्त रकम बचाने की योजना तो बनाते हैं, लेकिन नियमित रूप से पैसा अलग नहीं रख पाते। आरडी में हर महीने तय रकम जमा करने की व्यवस्था होने के कारण बचत की आदत बन सकती है। मान लीजिए परिवार हर महीने करीब 600 रुपये अलग रखता है। यह रकम रोजाना के खर्च में बहुत बड़ी नहीं लगती, लेकिन लंबे समय तक लगातार जमा होने पर ब्याज के साथ एक निश्चित फंड तैयार कर सकती है।

सिर्फ ब्याज देखकर फैसला न करें

हालांकि 6.7% ब्याज आकर्षक लग सकता है, लेकिन निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर नहीं करना चाहिए। अभिभावकों को यह भी देखना चाहिए कि बच्चे का लक्ष्य कितने साल बाद है, कितनी रकम की जरूरत होगी और महंगाई के कारण भविष्य में उस लक्ष्य की लागत कितनी बढ़ सकती है। मसलन, आज उच्च शिक्षा पर 5 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं तो 8-10 साल बाद यही खर्च काफी अधिक हो सकता है। इसलिए लंबे समय के लक्ष्य के लिए केवल आरडी पर निर्भर रहने के बजाय अन्य निवेश विकल्पों से भी इसकी तुलना करनी चाहिए।

टैक्स और समय से पहले निकासी के नियम भी समझें

आरडी में मिलने वाला ब्याज कर नियमों के दायरे में आ सकता है। इसलिए बड़ी रकम जमा करने से पहले अपनी कर स्थिति के अनुसार जानकारी लेना जरूरी है। इसी तरह अगर बीच में पैसे की जरूरत पड़ती है तो समय से पहले आरडी बंद करने या आंशिक निकासी से जुड़े बैंक के नियम लागू हो सकते हैं। निवेश शुरू करने से पहले एसबीआई की मौजूदा ब्याज दर, आरडी की शर्तें, नाबालिग के खाते के नियम और समय से पहले खाता बंद करने के प्रावधान जरूर जांच लें।

ऐसे समझें योजना

- योजनाः एसबीआई 'हर घर लखपति'
- प्रकारः रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)
- ब्याज दर 6.7% सालाना
- अवधि 3 से 10 साल
- 5 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 1,420 रुपये मासिक
- 10 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 610 रुपये मासिक
- लक्ष्य 1 लाख से अधिक भी
- खाता सिंगल या जॉइंट
- बच्चे के नाम खाता 10 साल से अधिक उम्र में, शर्तों के अनुसार
- कम उम्र/हस्ताक्षर में असमर्थ बच्चा माता-पिता/अभिभावक के साथ
- ब्याज दर और बैंक के नियम समय के साथ बदल सकते हैं।



चाइना ओपन : मीरा की वर्ल्ड नंबर 3 रैंकिंग पक्की, फाइनल में पहुंचीं

सेमीफाइनल में बार्टुनकोवा को 6-2, 6-2 से हराया

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

रूसी टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने शनिवार को चाइना ओपन के सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की निकोला बार्टुनकोवा के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। इसी के साथ एंड्रीवा ने पहली बार चाइना ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

एंड्रीवा ने निकोला बार्टुनकोवा के विरुद्ध 1 घंटे 14 मिनट में जीत हासिल करते हुए अपने चौथे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और बीजिंग में अपने पहले फाइनल का रास्ता सुनिश्चित किया। इस जीत के बाद सोमवार को होने वाली रैंकिंग अपडेट में वर्ल्ड नंबर 5 एंड्रीवा दो पायदान की छलांग लगाने को तैयार हैं।

निकोला बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी : एंड्रीवा

जीत के बाद एंड्रीवा ने कहा, मैं फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने आज बहुत अच्छा खेला। मैं जिस तरह से खेल रही थी, उससे बहुत खुश हूं। बेशक, निकोला एक बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं। यूएस ओपन में हमारा कड़ा मुकाबला हुआ था, लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं जीत गई।

एंड्रीवा की सीजन की 50वीं जीत

मीरा एंड्रीवा रविवार को फाइनल खेलने के लिए तैयार हैं। यह सीजन में उनका पांचवां फाइनल होगा। डब्ल्यूटीए टूर पर 2026 में सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचने के मामले में वह अब एलेना रयबाकिना, आर्यना सबालेंका और जेसिका पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं। यह एंड्रीवा की इस सीजन की 50वीं जीत भी थी, जिससे वह 2026 में टूर पर सर्वाधिक मैच जीतने के मामले में पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं।



मेदवेदेव की हार्ड कोर्ट पर 31वीं जीत 1 घंटे 52 मिनट में स्ट्रफ को दी मात

शंघाई। डेनियल मेदवेदेव ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के दूसरे राउंड के मुकाबले में जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। मेदवेदेव ने 1 घंटे 52 मिनट के मुकाबले में स्ट्रफ को हराया। मेदवेदेव की अब 2026 में हार्ड कोर्ट पर 31 जीत हो गई हैं, साथ ही इस सरफेस पर उनके दुबई, ब्रिस्बेन और हांग्जो टाइटल भी हैं। वह शंघाई में 2019 के चैंपियन हैं और राउंड ऑफ 32 में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेवेरी या डालिबोर स्वर्सिना से होगा। मेदवेदेव अभी पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में आठवें स्थान पर हैं और पिछले साल कट से चूकने के बाद सातवीं बार साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

खबर संक्षेप



टी-20 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराया

रावलपिंडी। साहिबजादा फरहान ने कप्तान पद संभालने का जश्न शानदार तरीके से मनाते हुए 52 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली, जिससे पाकिस्तान ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 4 विकेट से हराया। पाकिस्तान के सामने 183 रन का लक्ष्य था और उसने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 187 रन बनाकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। फरहान ने 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से शानदार पारी खेली। उन्हें माज़ सदाकत का अच्छा सहयोग मिला, जिन्होंने महज 29 गेंदों में 50 रन बनाए। इससे पहले श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा के 91 रन की मदद से पाकिस्तान के नए तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने 8 विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था।

भारत दौरा: जिम्बाब्वे की कप्तानी करेगी नकोमो

बुलावायो। ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले भारत के पहले दौरे में जिम्बाब्वे की 15 सदस्यीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। जिम्बाब्वे ने सितंबर-अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने वाली टीम का ही चयन किया है। भारतीय दौरे के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में न्याशा ग्वांजुरा और मिशेल मावुंगा भी शामिल हैं। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 16, 18 और 20 अक्टूबर को रायपुर में खेले जाएंगे।

लोग होप को कम करके आंकते हैं: चेज

रांची। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोस्टन चेज़ का मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके कप्तान शाई होप को कम करके आंका जाता है। होप ने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपनी पिछली चार पारियों में तीन शतक बनाकर आईपीएल की दिसंबर में होने वाली मिनी नीलामी के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है। चेज़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि लोग शाई होप को बहुत कम करके आंकते हैं।'

तीसरा टी-20 : होलकर स्टेडियम में भारत-वेस्टइंडीज में कांटे की टक्कर

इंदौर में फिर बरसेगा रनों का तूफान! बल्लेबाजों की आज होगी अग्निपरीक्षा

एजेंसी ▶▶| इंदौर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अभी तक बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला है तथा रविवार को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी यह बरकरार रहने की पूरी उम्मीद है, जिससे कि गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। इंदौर का होलकर स्टेडियम छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के लिए जाना जाता है। इसलिए अगर यहां फिर से रनों का अंबार देखने को मिले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। निश्चित तौर पर मुकाबला दोनों टीम के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम ही जीत हासिल करेगी।

मजबूत क्षेत्ररक्षण वाली टीम का पलड़ा रहेगा भारी

विशेषकर क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीम ने अभी तक महत्वपूर्ण अवसरों पर कुछ कैच छोड़े हैं, जो महंगे साबित हुए हैं। पिछले मैच में मयंक यादव ने शेरफेन रदरफोर्ड का आसान कैच छोड़ दिया था, जो एक तरह से निर्णायक साबित हुआ। रदरफोर्ड ने इसका पूरा फायदा उठाकर कप्तान शाई होप के साथ मिलकर 54 गेंदों में 120 रन की साझेदारी की। भारत को होप की शानदार फॉर्म को लेकर भी सतर्क रहना होगा। वेस्टइंडीज के कप्तान ने इस दौरे पर दो शतक जड़े हैं और वह फिर से बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।



भारत के लिए गेंदबाजी चिंता का विषय

भारत के लिए गेंदबाजी अब भी चिंता का विषय बना हुआ है और वह इस मैच में इसका हल ढूंढने की कोशिश करेगा। इस मैच में ओस की भी अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। मयंक ने पिछले मैच में तीन विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन बाकी गेंदबाज रनों पर अंकुश नहीं लगा पाए और वेस्टइंडीज ने शुरुआती झटकों के बावजूद जोरदार वापसी करके रिकार्ड लक्ष्य हासिल कर दिया।

अय्यर का फॉर्म में लौटना सकारात्मक

भारत के लिए इस श्रृंखला का सकारात्मक पहलू कप्तान श्रेयस अय्यर का फॉर्म में लौटना है। उन्होंने पहले मैच में नाबाद 102 रन बनाए और दूसरे मैच में 18 गेंद पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। संजू सैमसन ने 41 गेंदों में 82 रन बनाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह फिर से पक्की कर दी। इसका मतलब है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को फिर से बाहर बैठना पड़ सकता है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भी रांची में दूसरे मैच के बाद कहा था कि मध्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है लेकिन शीर्ष क्रम में नहीं। मुख्य कोच ने यह भी स्वीकार किया कि शिवम दुबे के अय्यर से पहले चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद भारत अपने टीम संयोजनों के साथ प्रयोग करना जारी रखेगा।

अर्शदीप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

भारत अपने मुख्य गेंदबाज अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा, जिन्होंने दो मैचों में 79 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत मयंक से भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद करेगा। होप के शानदार प्रदर्शन और रदरफोर्ड के फॉर्म में वापस आने से वेस्टइंडीज की टीम खुश होगी। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में रोस्टन चेज़ ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वेस्टइंडीज हालांकि शमर स्प्रिंगर को बदलने पर विचार कर सकता है, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 64 रन देकर दो विकेट लिए। **मैच का समय: शाम 7 बजे**

टेस्ट क्रिकेट

9 साल का सूखा खत्म, रेनशॉ ने लगाया शानदार शतक



एजेंसी ▶▶| डरबन

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने जबरदस्त शतक जड़ा और 9 साल का सूखा खत्म किया।

रेनशॉ के टेस्ट करियर का यह दूसरा शतक था। उन्होंने पहला शतक जनवरी 2017 में जड़ा था। इसके बाद उन्होंने 18 पारियों में शतक नहीं लगाया। रेनशॉ ने 204 गेंद पर एनरिक नॉर्खिया को चौका जड़कर शतक पूरा किया। रेनशॉ का शतक 2014 के बाद दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं और 2009 के बाद किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया का पहला शतक है। बाएं हाथ के बल्लेबाज की शतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया 250 के करीब पहुंचा। 124 रन पर उसका 6 विकेट गिर गया था। रेनशॉ को कप्तान पैट कमिंस से अच्छा साथ मिला। दोनों के बीच 191 गेंद पर 86 रनों की साझेदारी हुई।

ऑस्ट्रेलिया सम्मानजनक स्थिति में

डरबन टेस्ट के दूसरे दिन पहले सत्र का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 96 ओवर में 8 विकेट पर 277 रन बना लिए। मैट रेनशॉ 218 गेंद पर 10 चौके की मदद से 102 रन बनाए। नाथन लियोन 7 रन बनाकर क्रीज पर है। दोनों के बीच 87 गेंद पर 47 रनों की साझेदारी हो गई है।

वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी की बात करें तो पैट कमिंस ने 43, मार्नस लाबुशेन ने 37, स्टीव स्मिथ ने 25, एलेक्स कैरी ने 14, ट्रेविस हेड ने 9, मिचेल स्टार्क 6 और ब्यू वेबस्टर ने 4 और निक मैडिन्सन बगैर खाता खोले आउट हुए। साउथ अफ्रीका के लिए वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए, मार्को यानसेन और एनरिक नॉर्खिया ने 2-2 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी : आज से 92वें सीजन की शुरुआत, 38 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन की शुरुआत रविवार से होने जा रही है। भारत के इस सबसे बड़े घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें नजर आएंगी। पहले राउंड में कुछ बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी दिखेंगे, जो बाद में न्यूजीलैंड के रेड-बॉल दौरे के लिए 'इंडिया ए' टीम में शामिल होंगे।

इस बार देखना दिलचस्प होगा कि क्या जम्मू-कश्मीर अपनी खिताबी जीत को दोहरा पाता है या नहीं? ईरानी कप में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से हारने के बाद, पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम श्रीनगर में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेगी।



सीजन का पहला राउंड होगा जबरदस्त

2026/27 सीजन का पहला राउंड जबरदस्त होने वाला है। केएल राहुल (कर्नाटक), यशस्वी जायसवाल (मुंबई), रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र), मोहम्मद सिराज (हैदराबाद), मानव सुथार (राजस्थान), वाशिंगटन सुंदर (तमिलनाडु), मुकेश कुमार और आकाश दीप (बंगाल) जैसे खिलाड़ी पहले राउंड में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलते नजर आएंगे।

शमी की मैदान पर वापसी

पिछले सीजन में 37 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जो बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, दिल्ली की टीम के लिए नए सपोर्ट स्टाफ के साथ रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता की दौड़ फिर से शुरू कर रही है। टीम ने भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को हेड कोच और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा को टीम का मेंटॉर नियुक्त किया है।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज चोट के कारण हुआ बाहर

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ होने वाली आगामी श्रृंखला से पहले एक और करारा झटका लगा है और उसके तेज गेंदबाज विल ओरूर्के बाएं पांव की मांसपेशियों में खिंचाव और पिंडली की चोट के कारण इससे बाहर हो गए हैं। खेल के सभी प्रारुप में खेलने वाले इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पीठ में चोट के कारण सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन हालांकि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इसके बाद अभ्यास के दौरान उनकी पिंडली में चोट लग गई थी।



22 अक्टूबर को टी20 मैच

न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि ओरूर्के को भारत के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रखने का फैसला खिलाड़ी और मेडिकल टीम से परामर्श के बाद लिया गया। उनकी निगाहें अब दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी करने पर टिकी हैं। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, पांच वनडे मैच और दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इस श्रृंखला की शुरुआत 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी।

ज्योतिष
कहते नहीं करके दिखाते है
सभी समस्याओं का समाधान
जैसा चाहोगे करके दूंगा
कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहक्लेश, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपर्टी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनचाही इच्छा
A to Z समस्या का समाधान
स्पेशलिस्ट: मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह
पंडित पी. के. शास्त्री
हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा ईनाम।
काम ना होने पर पैसे वापस
+91 99974 92579

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सऊदी प्रो लीग में दिरियाह पर दागा जीत का गोल

रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में वापसी

एजेंसी ▶▶| रियाद

अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम पुर्तगाल से विवादास्पद तरीके से बाहर होने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने क्लब फुटबॉल में वापसी की और सऊदी प्रो लीग में अल नासर की दिरियाह पर 3-0 से जीत में पहला गोल किया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन अल नासर आठवें दौर के बाद अंकों के आधार पर शीर्ष पर काबिज अल-क़दसियाह की बराबरी पर आ गया है। अल नासर गोल अंतर के कारण दूसरे स्थान पर है। रोनाल्डो अंतरराष्ट्रीय अवकाश के दौरान पुर्तगाल की टीम से बाहर हो गए थे, जिसके लिए उन्होंने 234 मैचों में 146 गोल किए हैं। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने जारी बयान में कहा कि नवनियुक्त कोच जॉर्ज जीसस ने नेशंस लीग में उन्हें खिलाने के अपने वादे का पालन नहीं किया।



एनफील्ड स्टेडियम में मैच खेलना खास : हालैंड

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को भरोसा है कि क्लब के फैंस एनफील्ड स्टेडियम में मैच का आनंद लेंगे। प्रीमियर लीग में सबसे आगे चल रही टीम रविवार को अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी लिवरपूल का सामना करने की तैयारी कर रही है। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने अपने साथियों से इस बड़े मुकाबले से पहले सकारात्मक और एकजुट रहने का आग्रह किया है। हालैंड ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि जब हम एनफील्ड जाएंगे तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस अच्छा समय बिताएंगे। उन्होंने कहा, एनफील्ड में मैच खेलना हमेशा खास होता है। मैंने वहां जीत हासिल की है, ड्रॉ खेला है और हार भी झेली है, इसलिए यह हमेशा खास होता है। हर प्रीमियर लीग मैच अलग होता है, और लिवरपूल के खिलाफ हर मैच हमेशा खास होता है।" नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने सिटी और यूनाइटेड किंगडम के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव के बारे में भी बात की।





खबर संक्षेप

रियासी में 4 संदिग्ध दिखे, तलाश जारी

रियासी। रियासी जिले के रड्डु पुल क्षेत्र में तीन से चार संदिग्धों को



देखे जाने की सूचना के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। शुक्रवार रात शुरू हुआ अभियान शनिवार को भी जारी रहा। इस दौरान रड्डु पुल के साथ लगते धरान और ठाकरा कोट क्षेत्र के जंगलों को भी खंगाला गया, लेकिन कोई संदिग्ध हाथ नहीं लगा।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 9 की मौत

इंफाल। मणिपुर के नागा-बहुल



कामजोंग जिले के कुकी-बहुल चसाड गांव में एक महिला को शुक्रवार रात गर्दन के पास गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद कुकी और नागा हथियारबंद गुटों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 10 घरों में आग भी लगा दी गई।

भारतीय मूल के युवक को 20 साल की जेल

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस की एक अदालत ने शुक्रवार को 29



वर्षीय भारतीय रोहन राणे को 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। उस पर कम उम्र की लड़कियों को यौन गतिविधियों के लिए मजबूर करने वाले पुरुष समर्थक समूह का नेतृत्व करने का आरोप था। आरोपी का मुकदमा सोमवार को अदालत में शुरू हुआ था।

सुपरमार्केट में छत गिरने से 38 लोग घायल

दाएगू। दक्षिण कोरिया के दाएगू शहर के एक सुपरमार्केट की



प्लास्टर वाली छत का कुछ हिस्सा गिर गया। हादसे में कम से कम 38 लोगों को मामूली चोटें आईं। छत गिरने की घटना सुबह 10:16 बजे हुई। इसके बाद 66 अन्य लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद नौ लोगों का अस्पतालों में इलाज किया गया।

यह जानकारी रक्षा मंत्री ने शनिवार को जोधपुर एयरबेस पर चल रहे तरंगशक्ति युद्धाभ्यास को संबोधित करते हुए दी है

भविष्य के रक्षा संबंध हथियार प्रणालियों से इतर प्रौद्योगिकी और विश्वास पर आधारित होंगे: राजनाथ सिंह



तरंगशक्ति में 7 देशों की वायुसेनाएं अपने युद्धक विमानों के साथ शामिल हुईं, 32 देशों ने पर्यवेक्षकों के रूप में भाग लिया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बढ़ते सैन्य खतरों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका का नाम लिए बगैर जोधपुर एयरबेस से पूरी दुनिया को संदेश देते हुए कहा कि आगामी समय में रक्षा संबंध हथियार प्रणालियों तक सीमित नहीं रहेंगे। बल्कि यह प्रौद्योगिकी और विश्वास पर आधारित होंगे। भारत अनुसंधान, संयुक्त विकास, सह-उत्पादन, रखरखाव, प्रशिक्षण और नवाचार जैसे तमाम क्षेत्रों में समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाशने का इच्छुक है। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने शनिवार को राजस्थान में आयोजित किए जा रहे बहुराष्ट्रीय तरंगशक्ति युद्धाभ्यास-2026 के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए दी है। उनके इस बयान को रक्षा मंत्रालय ने मीडिया से साझा किया है।

मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दिया जोर

राजनाथ सिंह के मुताबिक, आज के दौर में हमें मजबूत विश्वसनीय साझेदारियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं के महत्व को समझना और स्वीकार करना पड़ेगा। इसी के साथ सार्थक सहयोग के जरिए स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण भी आगे बढ़ना चाहिए। नई दिल्ली को जरूरत पड़ने पर बिना किसी की मदद के स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने में भी पूरी तरह से सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा जब हमारे देश के हितों और जिम्मेदारियों का मेल दूसरे देशों के साथ हो। तब उनके साथ प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमता भी होनी चाहिए।

चौकसी में न रहे कोई कमी

उन्होंने कहा कि भावी सैन्य शक्ति को निर्धारण करने वाले कारकों में गति, सटीकता, सूचना और एकीकृत सैन्य क्षमता बड़े पैमाने पर उभरकर सामने आए हैं। लेकिन हमें तेजी से बदलते भू-सामरिक परिदृश्य के मध्य रक्षा क्षेत्र में जुड़ी अनिश्चितताओं के मद्देनजर लगातार अपनी सतर्कता को बनाए रखना होगा। वहीं, दीर्घावधि सैन्य संघर्षों और अनिश्चितताओं में अपनी क्षमता को बनाए रखने के लिए देश के पास अपने हथियारों और प्रौद्योगिकियों का उत्पादन करने की कुवत भी होनी चाहिए। सैन्य शक्ति का आकलन लक्ष्य का पता लगाने, उसे समझने, निर्णय लेने तथा कार्रवाई करने की गति से होगा।

आत्मनिर्भरता बनी राष्ट्रीय नीति

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में हमारे देश सुरक्षा चुनौतियों के खिलाफ राष्ट्रीय क्षमता को पहले के मुकाबले और अधिक तेजी के साथ पहचानने के महत्व को समझा है। इसी रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय नीति के रूप में पहचानकर स्वीकार किया गया। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता का अर्थ हमारे लिए दुनिया से कट जाना नहीं है। बल्कि इसके जरिए हमारा मकसद जरूरी रक्षा प्रौद्योगिकियों के डिजाइन, विकास, निर्माण, रखरखाव और उन्नयन के लिए स्वदेशी क्षमताओं को सशक्त बनाना है।

आधुनिक युद्ध में एआई, ड्रोन का बढ़ा महत्व

आधुनिक युद्ध के स्वरूप में काफी तीव्र गति से बदलाव हो रहा है। आज की जंग जमीन, वायु, जल जैसे तीन पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। अब इसमें अंतरिक्ष, साइबर क्षेत्र, विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम और सूचना क्षेत्र भी शामिल हो गया है। इतना ही नहीं मानवरहित प्रणालियों, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और लंबी दूरी तक मार करने वाले सटीक हथियारों की भूमिका में भी इजाफा देखने को मिल रहा है।

तरंगशक्ति का संदेश

तरंगशक्ति युद्धाभ्यास में जिन 7 मित्र देशों की वायुसेनाएं अपने जंगी बेड़े के साथ भाग ले रही हैं। उनमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका जैसे देश शामिल हैं। जबकि युद्धाभ्यास का मुख्य आकर्षण अमेरिका का पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ लड़ाकू विमान एफ-35 है। जिसने भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के साथ युद्धाभ्यास में भाग लिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि तरंगशक्ति युद्धाभ्यास का संदेश यही है कि हमारे सामने अलग-अलग देश हैं, अलग-अलग विमान हैं और उसके अलावा अलग-अलग अनुभव जरूर हैं। लेकिन जो इन सबके बीच भी एक है। वो है आकाश, वो तो एक ही है। युद्धाभ्यास के जरिए सभी भागीदार देशों की वायुसेनाओं के बीच पेशेवर अनुभवों का आदान-प्रदान करने और आवश्यकता के वक्त पर तेजी के साथ एकजुट होकर अभियान संचालन करने की क्षमता में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इस वर्ष इस युद्धाभ्यास का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण 2024 में हुआ था।

ऑपरेशन सिंदूर को याद करना नहीं भूले

उन्होंने अपने संबोधन में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ की गई ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को याद करते हुए कहा कि यह भारत का एक ऐसा सैन्य अभियान था। जिसमें वायुसेना की निर्णायक भूमिका भारत ही नहीं बल्कि समूची दुनिया के सामने शानदार अंदाज में प्रदर्शित हुई। इस अभियान ने अत्यंत मुश्किल हालात में परिचालन तत्परता, एकीकृत नियोजन, विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता के साथ वायु शक्ति के प्रभावी उपयोग को भी उजागर किया है। समारोह में सीडीएस, वायुसेनाप्रमुख और नौसेनाप्रमुख सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

यह जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रूथ सोशल पर की गई एक पोस्ट के जरिए दी है

ट्रंप का 360 डिग्री यूटर्न, भारत को 100% टैरिफ की धमकी देने के बाद रूस से की सीक्रेट 'ऑयल डील'

मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले लिया फैसला, अमेरिका सहित वैश्विक बाजारों पर पड़ेगा असर, नाराज जेलेंस्की बोले, अमेरिका को तो युद्ध को खत्म कराना चाहिए, अब इस समझौते से युद्ध तो और अधिक भड़केगा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश के सबसे अनिश्चितता से भरे राष्ट्राध्यक्ष होने के साथ ही कब कौन सा फैसला लेंगे या घोषणा कर देंगे, कोई नहीं जानता? यहां इस वाक्य का इस्तेमाल इसलिए किया गया है, क्योंकि जो ट्रंप कल तक भारत द्वारा रूस से की जा रही कच्चे तेल की खरीद से नाराज होकर उस पर 100% टैरिफ लगाने लिए एक कानून पर हस्ताक्षर कर चुके थे, कई बार उन्होंने भारत को मास्को से तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध को और अधिक भड़काने के लिए जिम्मेदार ठहराया। अब उन्हीं ट्रंप ने खुद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गुप्त रूप से अमेरिका को तेल की आपूर्ति करने के लिए एक समझौता कर लिया है। ट्रूथ सोशल पर शनिवार को की गई एक पोस्ट के जरिए उन्होंने इस बेहद चौंकाने वाली जानकारी को सार्वजनिक किया है। जिसमें यह भी बताया कि समझौते से मॉस्को का तेल अमेरिका के अलावा वैश्विक बाजारों में भी पहुंच सकेगा। लेकिन इस समझौते से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्डोमीर जेलेंस्की नाराज हो गए हैं। क्योंकि



ये पूरा घटनाक्रम एक ऐसे वक्त में सामने आया है। जब यूक्रेन का एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में मौजूद था और उसे अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए बातचीत करनी थी।

मध्यावधि चुनाव से कनेक्शन

ट्रंप के इस ऐलान से भारत, चीन समेत दुनिया के वो तमाम देश अचरज में पड़ गए हैं। जिन पर अमेरिका के राष्ट्रपति ने हालिया समय में रूस से तेल की खरीद को लेकर कोई रियायत न बरतने की घोषणा करते हुए 100% तक टैरिफ लगाने की बात कही थी। वहीं, विदेश मामलों के जानकार कहते हैं कि ट्रंप का यह फैसला अमेरिका आगामी वक्त में होने वाले मध्यावधि चुनावों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। वर्तमान में रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रहे युद्धों की वजह से अमेरिका में खासकर कृषि क्षेत्र पर काफी प्रभाव पड़ा है। होर्मुज की खाड़ी से तेल की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है। काला सागर व अन्य अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों का भी यही हाल है। जिसकी वजह से अमेरिका में कच्चे तेल और डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं। जिससे महंगाई में भी उछाल देखने को मिल है। अमेरिका जैसी स्थिति दुनिया के बाकी वैश्विक बाजारों में भी नजर आ रही है। आम अमेरिकी जनता उक्त मसले पर परेशान है और इससे राहत चाहती थी। जिसे देखते हुए राष्ट्रपति ने रूस से तेल खरीद का चौंकाने वाला निर्णय लिया।

पोस्ट में लिखा, पुतिन संग हुई शानदार डील

ट्रंप की पोस्ट के मुताबिक, अभी-अभी रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक अच्छी और सफल बातचीत हुई है। जिसके तहत हमने बेहतरीन ऊर्जा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं, राष्ट्रपति पुतिन का इस समझौते को लेकर आभार व्यक्त करता हूं। डील के जरिए रूस तुरंत अमेरिका समेत अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 3 लाख टन से अधिक डीजल की सप्लाई करेगा। इसके बाद नवंबर में 5 लाख टन और उसके बाद 10 लाख से अधिक सप्लाई की जाएगी। इस सप्लाई की आपूर्ति के बाद रूस में तेल रिफाइनरियों की स्थिति के हिसाब से मास्को कुल की समय में 30 लाख टन डीजल की और सप्लाई करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने अपनी इस पोस्ट में हालांकि ये स्पष्ट नहीं किया है कि रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को खत्म करने के बाद ये समझौता किया गया है, क्या इससे भारत, चीन पर शत-प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले कानून का कोई औचित्य नहीं रह गया है। या यह सिर्फ फौरी तौर पर अमेरिका के अलावा वैश्विक स्तर पर दुनिया के बाकी देशों को प्रदान की गई राहत के ज्यादा कुछ नहीं है।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में अमेरिका करता निवेशः जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति की एक्स पोस्ट के मुताबिक, अगर अमेरिका रूस से डीजल की खरीद करेगा। तो ये और कुछ नहीं बल्कि अमेरिका द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में किया गया निवेश होगा। जबकि अमेरिका को तो असल में इस युद्ध का समाप्त कराना चाहिए। उन्होंने पोस्ट में ये भी लिखा कि यह समझौता एक प्रकार से अमेरिका की तरफ से रूस को दिया गया एक उपहार है। जिससे मौजूदा लड़ाई और लंबी खिंचेगी, वैश्विक शांति भंग होगी और उसके अलावा शांति समझौते की राह भी जटिल हो जाएगी।

भारत ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

गौरतलब है कि इस मामले पर अभी भारत की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हो सकता है कि जल्द ही इसे लेकर विदेश मंत्रालय देश का रुख साफ करे। बीते वक्त में अमेरिका से पड़ने वाले टैरिफ सहित अन्य दबावों को लेकर मंत्रालय ने सरकार के पक्ष के बारे में बताते हुए कहा था कि देश की 140 करोड़ जनता की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र प्रतिबद्ध है। दुनियाभर से की जा रही ऊर्जा उत्पादों की खरीद भी इसी के मद्देनजर की जा रही है। मामले में राष्ट्रीय हितों को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

12 से 15 अक्टूबर तक साइप्रस और ग्रीस के दौरे पर रहेंगे रक्षा सचिव

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर जारी सैन्य संघर्षों के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह 12 से 15 अक्टूबर तक साइप्रस और ग्रीस



की यात्रा करेंगे। इस दौरान दोनों देशों में होने वाली उनकी चर्चाओं में समुद्री सुरक्षा और रक्षा औद्योगिक सहयोग जैसे मुद्दे मुख्य रूप से शामिल किए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि 12 से 13 अक्टूबर तक रक्षा सचिव साइप्रस में रहेंगे। जहां वह अपने समकक्ष के अलावा साइप्रस के राजनीतिक नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे। यात्रा के दूसरे पड़ाव के रूप में सिंह ग्रीस पहुंचेंगे। वहां उनकी ग्रीस के वरिष्ठ सैन्य और रक्षा क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के साथ बातचीत होगी। यूरोप के इन दोनों देशों की रक्षा सचिव की यह यात्रा एक प्रकार से भारत की यूरोपीय संघ के देशों के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर प्रदर्शित की जा रही प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

पाक की परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेंगेः भारत

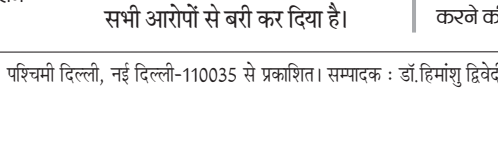
एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा की निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी प्रथम समिति की बैठक में भारत ने पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद जवाब दिया। जिनेवा में निरस्त्रीकरण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार अनमोल शेर सिंह बेदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है। उसकी सैन्य क्षमताएं रक्षात्मक हैं और देश की सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से तय की गई हैं। ये किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं हैं।

हेमकुंड साहिब के कपाट बंद | 3.84 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका, शब्द कीर्तन हुआ

एजेंसी ⏭ चमोली

सिखों के पवित्र तीर्थ हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार को साल की अंतिम अरदास के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस वर्ष धाम में रिकॉर्ड 3,84,573 से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका। कपाट बंद होने के ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए करीब चार हजार श्रद्धालु मौजूद रहे। पाकिस्तान से आए 40 सदस्यीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। चादर में लिपटे धाम तक श्रद्धालु बर्फीले रास्तों से पहुंचे और अंतिम अरदास में शामिल हुए।



फ्लाईदुबई घटना में जांच के बाद यूएई के अटॉर्नी-जनरल का दावा

प्राइवेट कोच से बॉक्सिंग की ट्रेनिंग ली थी

9/11 हमले से प्रेरित था को-पायलट निशाने पर था 'तेल अवीव' एयरपोर्ट

एजेंसी ⏭ अबू धाबी

यूएई के अटॉर्नी-जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्सी ने कहा कि 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 से जुड़ी घटना की जांच से पता चला है कि विमान के ओमानी को-पायलट ने कथित तौर पर विमान पर कब्जा करने और उसे तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट के पैसेंजर टर्मिनल से टकराकर ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान लेने के मकसद से एक आतंकवादी हमले की योजना बनाई थी। यह जानकारी यूएई की सरकारी समाचार एजेंसी डब्लूएएम के अनुसार है।



डॉ. हमद सैफ अल शम्सी

एनआईए करेगी स्मित पर हुए हमले की जांच



नई दिल्ली। 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर हुए जानलेवा हमले की जांच अब नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया केंद्र सरकार के निर्देश पर एनआईए ने एंटी-हाइजाकिंग एक्ट, 2016 की धारा 3 और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सरकार के अनुसार, यात्री विमान को हाईजैक या क्रैश कराने की कोशिश के चलते एनआईए से जांच कराना आवश्यक हो गया था। हालांकि, एफआईआर में हमले के सटीक मकसद या किसी अन्य साजिशकर्ता का जिक्र नहीं है।

संदिग्ध ने जुर्म कबूल किया

अटॉर्नी-जनरल ने कहा कि संदिग्ध ने अपने वकील की मौजूदगी में और कानूनी तौर पर जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ अपना जुर्म विस्तार से कबूल किया है। उसने अपने मकसद और योजना बनाने व उसे अंजाम देने के चरणों के बारे में बताया और माना कि उसने यह सब अकेले ही किया था। हालांकि, जांचकर्ता उसके दावे की पुष्टि कर रहे हैं और इसमें किसी साथी या अन्य लोगों की मिलीभगत की संभावना की भी जांच कर रहे हैं।

2017 में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा

यूएई के अटॉर्नी-जनरल ने कहा कि 29 वर्षीय संदिग्ध ने 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव जाने वाली फ्लाइट के दौरान इस कथित साजिश को अंजाम देना शुरू किया था। जांच में संदिग्ध की विचारधारा और पेशेवर बैकग्राउंड का पता लगाया गया और पाया गया कि उसके कथित तौर पर कट्टरपंथी बनने के संकेत सबसे पहले 2017 में मिले थे, जब वह ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहा था। उस दौरान, वह चरमपंथी साहित्य और आतंकवादी संगठनों व आत्मघाती हमलों का महिमामंडन करने वाले ऑनलाइन कंटेंट से प्रभावित हुआ था।

हिंसा और आतंकवाद के विचारों को अपनायाः अटॉर्नी-जनरल ने कहा कि बाद में संदिग्ध ने हिंसा और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले विचारों को अपना लिया और 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली।

2020 दिल्ली दंगा

पूर्व आप पार्षद ताहिर एक और केस में दोषी करार, 12 सह-आरोपी बरी



कोर्ट से बाहर निकलता ताहिर हुसैन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े दयालपुर थाना क्षेत्र के एक मामले में दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दंगे के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराया है। हालांकि, अदालत ने इस मामले में सह-आरोपियों अन्य 12 लोगों को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

शरजील इमाम को करना पड़ा सरेंडर

दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपी शरजील इमाम को शादी में शामिल होने के लिए मिली अंतरिम जमानत के दौरान मीडिया से संपर्क करना भारी पड़ा। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने शनिवार, 10 अक्टूबर को माना कि शरजील ने जमानत की शर्त का प्रथम दृष्टया उल्लंघन किया है। इसके बावजूद कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द नहीं की, क्योंकि वह सरेंडर करने के लिए पहले ही निकल चुके थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दिल्ली पुलिस की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें शरजील की अंतरिम जमानत रद्द करने की मांग की गई थी।



अगली सुनवाई 16 नवंबर को

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने ताहिर हुसैन को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147 (दंगे के लिए सजा) और धारा 109 (उकसाने) के तहत दोषी करार दिया है, जबकि अन्य आरोपों से उन्हें बरी कर दिया गया। अदालत ने ताहिर हुसैन की सजा की अवधि पर दलीलें सुनने के लिए आगामी 16 नवंबर की तारीख तय की है। मामले का विस्तृत आदेश आना अभी बाकी है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109